जबलपुर
रविवार, 20 जुलाई 2025
श्रावण मास कृष्ण पक्ष-10
वर्ष : 20, अंक : 81
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 31
न्यूून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

उत्साह और उमंग के साथ कार्यकर्ताओं ने स्वागत में पलक पावड़े बिछाए

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का संस्कारधानी में अभूतपूर्व स्वागत

हरिभूमि, जबलपुर।

भारतीय जनता पार्टी के नव निवार्चित प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के प्रथम नगर आगमन पर शनिवार को यहां जबलपुर भाजपा द्वारा अंधमूक बायपास चौराहे पर गर्म जोशी के साथ उनकी आगवानी की गई. इसके बाद श्री खंडेलवाल वहां से एक रथ पर सवार हुये और उनकी स्वागत यात्रा प्रारंभ हुये. शनिवार को मौसम भी साफ रहा, लिहाजा भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश भी चरम पर रहा. श्री खंडेलवाल का जगह जगह गर्मजोशी के साथ अभूतपूर्व स्वागत किया गया. स्वागत में उत्साह और उमंग देखकर श्री खंडेलवाल अभीभूत हो गये. अंधमूक बायपास से उनका काफिला प्रारंभ हुआ. खुले रथ में उनके साथ लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जबलपुर सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक अभिलाष पांडे, विधायक अजय विश्नोई, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, शहर अध्यक्ष रत्नेश सोनसकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल आदि सवार थे।

खास बात यह रही की श्री खंडेलवाल का न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं बल्की विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी पुष्प वर्षा कर अभूतपूर्व स्वागत किया।

सरकार और जनता के बीच कड़ी बनें कार्यकर्ता

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये नवनिर्वाचित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्त्ता जनता और सरकार के बीच कड़ी बनकर, जन सामान्य के हित के लिए कार्य करें और समाज में आदर्श स्थापित करें। और सभी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ मिलकर विकसित भारत और विकसित मप्र के संकल्प को पूरा करने के लिए साथ आये और अपने हिस्से का योगदान दे।

100 से अधिक मंचों से अभूतपूर्व स्वागत

पश्चिम विधानसभा में लोक निर्माण मंत्री श राकेश सिँह के नेतृत्व में सभी 18 वार्डो, महिला मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, भाजपा विधि प्रकोष्ठ, वैष्णो देवी यात्रा समिति, जबलपुर विप्र संघ, पंजाबी महासंघ, सिख समाज साहू समाज, पाटीदार समाज, मदनमहल व्यापरी संघ, टिम्बर मर्चेंट एसोसिएशन, एवं उत्तर विधानसभा में सभी वार्डो के साथ किसान मोर्चा, अल्पसंखयक मोर्चा, खंडेलवाल समाज के साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाओ ने लगभग 100 से अधिक मंचों से स्वागत किया. वहीं स्वागत रैली में युवा मोर्चा जबलपुर के कार्यकर्त्ता दो पहिया वाहनों से आगे चले।

पीएम ने स्वामी शक्ति शरणानंद से की मुलाकात, लिया आशीर्वाद

एजेंसी ⏭ मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर बिहार के मोतिहारी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश को 7,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात दी।

इसके अलावा, उन्होंने स्वामी शक्ति शरणानंद सरस्वती महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मुलाकात की जानकारी खुद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि मोतिहारी में स्वामी शक्ति शरणानंद सरस्वती जी महाराज से आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। उनके व्यक्तित्व में जहां तेज और ओज का वास है, वहीं वाणी में आध्यात्मिकता रची-बसी है।

14 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

श्योपुर में बुजुर्ग बहा, मुरैना में डैम टूटा, खेतों में भरा पानी, छतरपुर में 'उफनता' नाला पार करा रहे हैं लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में शनिवार को बारिश का सिस्टम थोड़ा कमजोर पड़ा है। हालांकि, मौसम विभाग ने 16 जिलों में बाढ़ का खतरा बताया था, लेकिन दोपहर तक कहीं ऐसी स्थिति सामने नहीं आई है। मौसम विभाग ने 14 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। इनमें ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, आगर-मालवा, राजगढ़, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, डिंडौरी और अनूपपुर शामिल हैं। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है।इधर, पिछले दिनों हुई लगातार बारिश से कई जिलों में नदी-नाले उफान पर है।

इन 14 जिलों में 24 घंटे में गिर सकता है 4 इंच तक पानी

तिरपाल तान कर करना पड़ा अंतिम संस्कार

गुना में बारिश के बीच तिरपाल तान कर एक बुजुर्ग के शव का अंतिम संस्कार करना पड़ा। मामला शुक्रवार को जिले के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र के सतनपुर गांव का है। जहां सांप के काटने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी।

चंबल नदी का दृश्य

पैसों के लिए ये भी खतरा उठा रहे लोग

छतरपुर के गौरिहार में पुल पर 2 फीट पानी ऊपर होने के बावजूद लोग पुल पार कर रहे हैं। पुल पर से बाइक को पार कराने का लोग 100 रु और प्रति व्यक्ति 50 रु ले रहे हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155
airtel चैनल न. 366

खबर संक्षेप

घायल हुए खान, इलाज के लिए अमेरिका रवाना

मुंबई। शूटिंग के दौरान अभिनेता शाहरुख खान चोटिल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया है। अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने इसको लेकर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने शाहरुख खान के चोटिल होने की बात की भी पुष्टि करते हुए उनके जल्द ठीक होने की भी दुआएं की हैं। उन्होंने खान के स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की है।

अभिनेता राकेश रोशन की एंजियोप्लास्टी हुई

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर राकेश रोशन की तबीयत ज्यादा खराब हो गई थी। जिसके बाद उनके गर्दन की एंजियोप्लास्टी हुई है। उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि फैंस को घबराने की जरूररत नहीं। उनकी बेटी सुनैना रोशन ने बताया है कि उनके पापा एकदम ठीक हैं।

कर्ज के परेशान व्यापारी ने की आत्महत्या

इंदौर। कपड़ा व्यापारी ने जिला अस्पताल के बाहर जहर खा लिया। सुसाइड से पहले वीडियो बनाया। इसमें कुछ लोगों पर उधार लिए पैसों को लेकर परेशान करने का आरोप लगाया। उसने कहा कि समय से पैसा चुकाने के बाद भी अधिक ब्याज मांग कर प्रताड़ित किया जा रहा था। व्यापारी महेंद्र जाधव घर से मार्केट जाने का कहकर निकला था।

मुख्यमंत्री ने बार्सिलोना में इंडियन डायस्पोरा एवं फ्रेंड्स ऑफ एमपी से किया संवाद, की बड़ी घोषणा

मेडिकल कॉलेज के लिए सरकार 25 एकड़ जमीन मात्र 'एक रुपए' में उपलब्ध कराएगी

सीएम ने कहा कि प्रदेश में अब विकास और निवेश साथ-साथ चल रहे हैं। विदेश में बसे भारतीय केवल नागरिक ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के संवाहक भी हैं।

◆ प्रवासी भारतीयों के साथ मध्यप्रदेश का है मजबूत जुड़ाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र अब केवल संभावना नहीं, बल्कि निवेश का सशक्त मंच बन चुका है। राज्य सरकार ने नीति, प्रक्रिया और प्रोत्साहन के स्तरों पर गंभीर और प्रभावी सुधार किए हैं। इससे निवेशकों को वास्तविक लाभ और विश्वास दोनों मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब विकास और निवेश साथ-साथ चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेश में बसे भारतीय केवल नागरिक ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के संवाहक भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बार्सिलोना में प्रवासी भारतीयों और 'फ्रेंड्स ऑफ एमपी' के बीच आयोजित समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि बार्सिलोना में भारतीयों का जो अपनापन दिखा, वह उन्हें उज्जैन की अनुभूति कराता है। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां परंपरा पर्वों की गरिमा बढ़ाते हैं।

बार्सिलोना में भारतीयों का जो अपनापन दिखा, वह उज्जैन की अनुभूति कराता है
भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां परंपरा और पर्वों की गरिमा बढ़ाते हैं

सरकार निवेश को केवल आर्थिक लेन-देन नहीं मानती, बल्कि उसे भावनात्मक और दीर्घकालिक भागीदारी का माध्यम मानती है

स्पेन के प्रवासी भारतीय आज भी अपनी मिट्टी से जुड़े हुए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक साख अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। भारत एक मात्र ऐसा देश है जो 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहा है। यह भारत की क्षमताओं और व्यवस्था की शक्ति का परिचायक है। काउंसिल जनरल इनबासेकर सुंदरमूर्ति के प्रभावशाली भाषण ने दिखा दिया कि स्पेन के प्रवासी भारतीय आज भी अपनी मिट्टी से जुड़े हुए हैं।

छोटे शहरों में भी आईटी और रोजगार की पहुंच

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश के छोटे शहरों को भी डिजिटल और तकनीकी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। यहां आईटी इंडस्ट्री स्थापित करने के प्रयास जारी हैं, जिससे स्थानीय युवाओं को पलायन न करना पड़े और उन्हें अपने ही शहर में रोजगार मिल सके। प्रवासी भारतीयों से आग्रह किया कि वे केवल देखे नहीं, बल्कि मप्र की विकास यात्रा में भागीदार बनें।

होटल प्रोजेक्ट पर 30 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि टूरिज्म सेक्टर को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से होटल परियोजनाओं पर सरकार 30 करोड़ रुपए तक की वित्तीय सहायता दे रही है। यह सहायता 100 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए लागू है, जिससे प्रदेश में विश्वस्तरीय पर्यटन सुविधाएं विकसित हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में टैक्सटाइल, फार्मा, एग्रो प्रोसेसिंग और टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। आईटी उद्योग को छोटे शहरों तक विस्तार देने की दिशा में सरकार सक्रिय रूप से काम कर रही है। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए किसानों को 3 लाख से अधिक सोलर पंप देने का निर्णय लिया गया है। यह राज्य को ग्रीन एनर्जी की दिशा में भी आगे ले जाएगा।

करणी सेना पर लाठीचार्ज के विरोध में हरदा बंद

मौन रैली में 7 हजार से ज्यादा लोग, पुलिसकर्मियों को 'निलंबित' करें

राजपूत समाज ने शहर में न्याय यात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदा

हरदा में 13 जुलाई को करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर पुलिस के लाठीचार्ज के विरोध में शनिवार को बंद रखा गया है। राजपूत समाज ने शहर में न्याय यात्रा निकाली, जिसमें 7 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। सभी ने मौन रहकर पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया। रैली राजपूत छात्रावास पहुंची, जहां सभी लाठीचार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग रखी। समाज के लोगों का आरोप है कि पुलिस ने छात्रावास में घुसकर निर्दोष छात्रों और युवाओं पर बल प्रयोग किया, जो पूरी तरह गलत था। शुक्रवार को राजपूत समाज के प्रतिनिधियों ने शहर में घूमकर व्यापारियों से बंद में सहयोग की अपील की थी। शनिवार को व्यापारियों ने बंद को समर्थन दिया है। शनिवार सुबह से ही शहर की अधिकांश दुकानें और प्रतिष्ठान बंद हैं।

पुलिस ने किया था लाठीचार्ज आंसू गैस छोड़ी

12 जुलाई को करणी सेना परिवार के कार्यकर्ता धोखाधड़ी के आरोपी को उन्हें सौंपने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। 4 लोगों को गिरफ्तार किया। 13 जुलाई को कार्यकर्ता फिर सड़क पर उतरे और पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। 60 लोगों को अस्थाई जेल में बंद कर दिया। पुलिस ने तीसरी बार लाठीचार्ज किया।

मप्र हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

परिवहन विभाग से बर्खास्त हुए 45 आरक्षक को किया 'बहाल'

सिंगल बेंच का आदेश निरस्त कर दिया

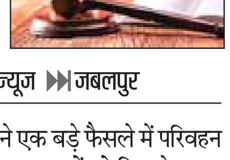

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक बड़े फैसले में परिवहन विभाग के बर्खास्त 45 आरक्षकों को फिर से बहाल करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने यह फैसला नौकरी से निकाले गए 45 परिवहन आरक्षकों द्वारा दायर अपील को स्वीकार करते हुए सुनाय। सरकार द्वारा 25 सितंबर 2024 बर्खास्तगी आदेश से नौकरी से निकाले गए ।

हजारीबाग में बड़ा हादसा

आयरन फैक्टरी में ब्लास्ट से चार मजदूरों की मौत

जिसमें लोहा गलाया जाता है, वह फर्नेस पंक्चर हुआ

एजेंसी ⏭ हजारीबाग

झारखंड के हजारीबाग में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक आयरन फैक्टरी में भट्टी फट जाने से चार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद भारी भीड़ फैक्टरी के बाहर जमा हो गई, लेकिन फैक्टरी का गेट नहीं खोला गया। हादसे की जानकारी पुलिस को मिली तो एक टीम पहुंची और गेट खुलवाया।

सीधे छात्राओं के सिर पर गिरा मलबा

क्लास में छत का प्लास्टर गिरा पीएम श्री स्कूल में हुआ हादसा

हादसे में दो छात्राएं घायल हो गईं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल में एक स्कूल में चलती क्लास के दौरान छत का प्लास्टर उखड़कर छात्राओं पर आ गिरा। इस हादसे में दो छात्राएं घायल हो गई। हादसा शुक्रवार को राजधानी के बरखेड़ा स्थित शासकीय पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल में हुआ। जिसका वीडियो शनिवार को सामने आया है।

इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को टेकऑफ के कुछ देर बाद ही लौटना पड़ा

थाईलैंड जा रहा था विमान, तकनीकी दिक्कत के बाद लौट आया हैदराबाद

यात्रियों को नाश्ता देकर दूसरी उड़ान से भेजा गया

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

शनिवार को हैदराबाद से फुकेत जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को टेकऑफ के कुछ ही देर बाद वापस हैदराबाद लौटना पड़ गया। टेकऑफ के बाद विमान में कुछ तकनीकी दिक्कत आ गई थी, जिससे प्लेन को वापस मोड़ लिया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि टेकऑफ के कुछ ही देर बाद क्रू मेंबर्स ने तकनीकी दिक्कत महसूस की और सावधानी बरतते हुए फ्लाइट को वापस का फैसला किया।

इससे पहले इंडिगो के 2 विमान हो गए थे खराब

इसके पहले 16 जुलाई को दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की फ्लाइट में भी तकनीकी दिक्कत आ गई थी। उड़ान के दौरान अचानक जब इसका पता चला, तो फ्लाइट की मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इंडिगो ने बताया था कि फ्लाइट को जरूरी चेक और मेंटेनेंस की प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया है। 17 जुलाई को दिल्ली से इंफाल जा रही इंडिगो की फ्लाइट में भी तकनीकी दिक्कत आ गई थी। पायलट ने समझदारी दिखाते हुए फ्लाइट को वापस मोड़ दिया। इसके बाद नई दिल्ली एयरपोर्ट पर इसकी लैंडिंग करानी पड़ी।

संसद के मानसून सत्र के पहले बिखरा विपक्ष

आप ने बनाई महागठबंधन से दूरी, टीएमसी ने भी की बात 'अधूरी'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र की तैयारियों के लिए इंडी गठबंधन की शनिवार शाम ऑनलाइन बैठक हुई। विपक्ष संसद सत्र में ऑपरेशन सिंदूर और बिहार वोटर लिस्ट जैसे मुद्दों पर एकजुटता दिखाकर सरकार को घेरने की कोशिश में है, लेकिन इसके पहले ही उसे बड़ा झटका लगा है। आम आदमी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं होगी। ममता बेनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी के भी मीटिंग में शामिल होने को लेकर नानुकुर से विपक्ष परेशान दिखा। बिहार चुनाव के ठीक पहले ये संसद सत्र विपक्ष के लिए अपनी ताकत दिखाने का माध्यम हो सकता है। खुद लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बैठक के लिए तमाम दलों के प्रतिनिधियों से बात की।

सरकार ने जवाब देने के लिए की महत्वपूर्ण बैठक, खाका तैयार किया

बिखरता विपक्ष, सरकार रखेगी दमदार पक्ष

राहुल तमाम दलों को साधने में जुटे

उमर तो गठबंधन को भंग करने की बात कर चुके

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भी कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन को भंग कर देना चाहिए, क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद से इसकी गतिविधियां ठप हैं। इसका कोई मतलब नहीं है।

टीएमसी ने किसी तरह अभिषेक को आगे किया

ममता ने 21 जुलाई को शहीद दिवस (सिंगुर आंदोलन में मारे गए लोगों की याद में) का बहाना बनाया है। बिहार के बाद बंगाल चुनाव भी नजदीक है। ऐसे में टीएमसी कांग्रेस या वाम दलों के साथ खड़े होते नहीं दिखना चाहती। उसनेअभिषेक को आगे किया है।

आप गुजरात में सीधा मुकाबले की तैयारी में

आप ने कहा है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए ही था, लिहाजा वो अब इससे दूर रहेगी। दरअसल, आम आदमी पार्टी गुजरात और अन्य भाजपा शासित राज्यों में अपना विस्तार कर रही है। उसकी पहली कोशिश कांग्रेस को पीछे धकेलकर भाजपा के सीधे मुकाबले में आने की है। इसके लिए उसका कांग्रेस के साथ दिखना सियासी तौर पर सही नहीं है। आप ये भी मानती है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसकी हार की वजह कांग्रेस भी है। पंजाब में भी आप और कांग्रेस आमने-सामने हैं।

राजनाथ के आवास पर बैठक में दिग्गजों के साथ किया मंथन

संसद में गूंजेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'?

विपक्ष ने सरकार को घेरने की तैयारी में है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सरकार से सवाल करेगा। सरकार ने भी विपक्ष को जवाब देने की रणनीति बना ली है। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बड़ी बैठक हुई। इस में गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, किरण रिजिजू, मनोहर लाल, एल मुरुगन, अर्जुन राम मेघवाल, सीआर पाटिल व अन्य मौजूद थे।

विपक्ष इन मुद्दों को उठाएगा

बिहार वोटर लिस्ट विवाद : दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को भी जोर-शोर से उठाएगी और उसे एनआरसी से जोड़ेगी। विपक्ष का तर्क ये है कि सरकार नागरिकता तय करना चाहती है।

बिहार क्राइम का भी उठेगा मुद्दा : विपक्ष बिहार की कानून व्यवस्था को भी मुद्दा बनना चाहेगा। बिहार में चुनाव से पहले हत्याओं का दौर चला है वह वाक़ई चिंताजनक है।

जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दें : विपक्ष जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को हवा देगा।

विमान हादसे की रिपोर्ट पर भी सवाल उठेंगे
अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की रिपोर्ट पर भी विपक्ष सरकार से सवाल पूछेगा और इसे विमान यात्री सुरक्षा से जोड़ेगा। रिपोर्ट में कोइ खास कारण नहीं बताया गया।

खबर संक्षेप

स्टेशन लबालब, जोधपुर में बैंक की छत गिरी

जोधपुर। मौसम के बदलाव ने अब लोगों को चिंता में डाल दिया है। जोधपुर की कई कॉलोनियों में पानी भर गया है. शहर के भीतरी क्षेत्रों में सराफा बाजार और जालोरी गेट के इलाकों में पानी इतना अधिक भर गया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की चांद शाह तकिया ब्रांच सोजती गेट की छत गिर गई। रेलवे स्टेशन क्षेत्र में 4 फीट तक पानी भर गया। इससे लोग परेशान हैं।

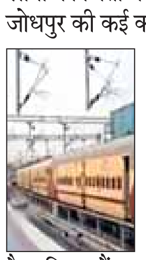

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 4 किलो कोकीन जब्त

बेंगलुरु। राजस्व खुफिया निदेशालय की बेंगलुरू क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने 18 जुलाई को दोहा से बंगलूरू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। इस दौरान उसके पास से 4006 ग्राम कोकीन बरामद की। इसकी बाजार में कीमत लगभग 40 करोड़ आंकी गई है। कोकीन मैगजीन के कवर में छिपाकर रखी गई थी।

आप को फिर झटका विधायक का इस्तीफा

नई दिल्ली। खरड़ की विधायक अनमोल गगन मान ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। मान ने लिखा कि मेरा दिल भारी है, लेकिन मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से स्पीकर को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। मेरी शुभकामनाएं पार्टी के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मैं इकरा से निकाह कबूल करता हूं: योगेंद्र

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने कैराना सांसद इकरा हसन पर अभद्र टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। उन्होंने इकरा हसन से निकाह करने की बात कही और असदुद्दीन ओवैसी और अकबरुद्दीन ओवैसी को जीजा बुलाने की शर्त रखी फिर विवाद होने पर पोस्ट डिलीट कर दी।

एक्टर का निधन, पैसों की तंगी बनी वजह

हैदराबाद। अनोखे तेलंगाना लहजे और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर एक्टर फिश वेंकट का 18 जुलाई को निधन हो गया, जिनका असली नाम वेंकट राज था। एक्टर का कई महीनों से किडनी का इलाज चल रहा था। डायलिसिस चल रहा था और उनके शरीर के कमजोर होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत थी।

उत्तराखंड निवेश उत्सव में शाह की कांग्रेस को खरी-खरी

हवन में हड्डियां डालना बंद कीजिए, वरना गायब हो जाएंगे और कहीं के नहीं बचेंगे

रुद्रपुर में 'उत्तराखंड निवेश उत्सव' में कहा-कांग्रेस किसी राज्य में 'भला' नहीं देख सकती

एजेंसी ▶▶ रुद्रपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के रुद्रपुर में 'उत्तराखंड निवेश उत्सव' में हिस्सा लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य के विकास कार्यों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कभी कहा था कि छोटे राज्यों का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा, आज वही उत्तराखंड विकास के शिखर पर पहुंच रहा है। शाह ने बताया कि ऑल वेदर रोड परियोजना को मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट तक में बचाया और अब यह लगभग पूरी हो चुकी है, जिससे चारधाम यात्रा सालभर चल सकेगी।

अमित शाह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब उत्तराखंड के लोग राज्य की मांग के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब कांग्रेस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां चलवाईं। उत्तराखंड का गठन भाजपा और प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी कि जब राज्य का भला हो रहा हो तो उसमें हवन में हड्डियां डालना बंद करो, नहीं तो जो बचे-खुचे दिख रहे हो वो भी गायब हो जाओगे।

राज्य की मांग पर कांग्रेस ने चलवाई थी लाठियां

धामी सरकार की तारीफ भी की

ऑल वेदर रोड को रोकने की कांग्रेस ने कोशिश की

अमित शाह ने कहा कि जब कुछ एक्टिविस्ट ऑल वेदर रोड प्रोजेक्ट को रोकने की कोशिश कर रहे थे, तब मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपने वकीलों को भेजकर इस परियोजना को रुकने नहीं दिया. नतीजतन यह सड़क परियोजना अब चारधाम तक सफलतापूर्वक पहुंच चुकी है और जल्द ही पूरी तरह चालू हो जाएगी. इससे बारह महीने पर्यटक उत्तराखंड आ सकेंगे।

आस्था से भरे राज्य के विकास को कोई नहीं रोक सकता

शाह ने उत्तराखंड की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वह भूमि है जहां एक ज्योतिर्लिंग, तीन शक्तिपीठ, चार धाम, पंच केदार, पंच प्रयाग और सप्त बद्री जैसे पावन स्थल स्थित हैं। ऐसा राज्य, जिसका हर अंश आस्था से भरा हो, उसके विकास को कोई नहीं रोक सकता।

उत्तराखंड में एक लाख करोड़ से अधिक का निवेश आया

गृह मंत्री ने बताया कि पहाड़ी राज्य होने के बावजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से उत्तराखंड में अब तक 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आ चुका है।

गरीब कल्याण और इंफ्रास्ट्रक्चर से पीएम मोदी ने किया विकास

शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों पर कहा कि पहले कहा जाता था कि अगर इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग का विकास होगा तो गरीबों का भला नहीं हो सकता, लेकिन मोदी जी ने इस मिथक को तोड़ दिया। मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला और गरीब कल्याण की दर्जनों योजनाएं चलाईं।

अटलजी ने बनाया और मोदी जी ने संवारा

शाह ने कहा किअटल जी ने उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे तीन नए राज्य बनाए और मोदी जी ने उन्हें संवारने का काम किया। अटल जी जब गए, तब भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और मोदी जी भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना चुके हैं। 2027 तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर दिखाएंगे। इसे आप लिख कर ले लीजिए।

उत्तराखंड को बताया संस्कृति और प्रकृति का अद्भुत संगम
शाह ने कहा कि उत्तराखंड की नदियां आधे भारत को पीने का पानी, सिंचाई के लिए जल और जीवन की गति देती हैं। यहां के संत-महात्मा गंगा किनारे हजारों वर्षों से संस्कृति को संरक्षित और विकसित करते आए हैं।

अगला विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल भारत में होगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को '21वें विश्व पुलिस एवं फायर खेल-2025' में 613 पदक विजेताओं और भारतीय दल को नई दिल्ली में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने भारतीय दल को 613 मेडल जीतने पर प्रसन्नता करते हुए शानदार प्रदर्शन कर भारत को गौरवान्वित करने के लिए भारतीय पुलिस एवं अग्निशमन दल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अगला विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल भारत में होगा।

पीएम मोदी ने लेख को किया साझा

युवा आध्यात्मिक सम्मेलन नशा मुक्ति का अहम कदम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 'युवा आध्यात्मिक सम्मेलन' को नशा मुक्त भारत अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने इस सम्मेलन पर आधारित एक लेख को साझा करते हुए इस मुहिम में युवाओं की भागीदारी को जमकर सराहा।

यह सम्मेलन 'माय भारत' पहल के तहत काशी के पावन घाटों पर आयोजित किया गया, जिसका विषय था 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा'। यह आयोजन मोदी सरकार की नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हुआ, जिसका उद्देश्य युवाओं की अगुवाई में देश को नशे की लत से मुक्त बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे इस बात को विस्तार से बताते हैं कि युवा आध्यात्मिक सम्मेलन कैसे नशा मुक्त भारत के निर्माण में एक बड़ा कदम है। इसे जरूर पढ़ें!

यह आध्यात्मिक जागरण है

डॉ. मांडविया ने पोस्ट में कहा है कि यह सम्मेलन केवल एक आध्यात्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नशा के खिलाफ एक राष्ट्रीय युवा आंदोलन की शुरुआत है। उन्होंने लिखा कि यह एक राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए आध्यात्मिक जागरण है। भारत के युवा अब नशे की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए नेतृत्व कर रहे हैं। इस सम्मेलन में देशभर से आए युवा नेता, आध्यात्मिक गुरु और सामाजिक प्रभावशाली व्यक्तित्व शामिल हुए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक जागरूकता और सामुदायिक सहयोग के जरिए नशा मुक्ति के व्यापक उपायों पर चर्चा की। सम्मेलन के दौरान कई जागरूकता सत्र, संकल्प कार्यक्रम और युवा केंद्रित अभियान शुरू किए गए, ताकि पूरे देश में एकजुटता और सामूहिक भागीदारी के जरिए नशा मुक्त भारत का संदेश फैलाया जा सके।

मंगल पांडे की जयंती पर कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

उनका साहस देशवासियों के लिए बड़ी प्रेरणा

भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम के महानायक मंगल पांडे की जयंती पर देशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साहस को नमन किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंगल पांडे को याद करते हुए लिखा कि महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। वे ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देने वाले देश के अग्रणी योद्धा थे। उनके साहस और पराक्रम की कहानी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

राज ठाकरे की निशिकांत को चेतावनी

भाषा विवाद पर वार पलटवार गहराया

तुम मुंबई आ जाओ, हम यहां के समंदर में डुबो-डुबोकर मारेंगे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में भाषा के विवाद में भाषा की मर्यादा टूटती नजर आ रही है। एमएनएस अध्यक्ष राज ठाकरे ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को चैलेंज किया है कि मुंबई आओ, समुद्र में डुबो-डुबोकर मारेंगे। राज ठाकरे ने कहा कि मैं दुबे को बोलता हूं, तुम मुंबई में आ जाओ, मुंबई के समंदर में डुबो-डुबोकर मारेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने यहां मराठी का अपमान किया, तो उसके गाल और हमारे हाथ की 'युति' जरूर होकर रहेगी। हम अपनी स्टाइल में आपको जवाब देंगे।

मीरा रोड पर जिसे पीटा गया, वो सही हुआ
राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई के मीरा रोड में जो कुछ हुआ, जिसे पीटा गया, वो सही हुआ उसे महाराष्ट्र स्टाइल में जवाब दिया गया। महाराष्ट्र में रह रहे हो, शांति से रहो, मराठी सीखो।

अब कांग्रेस नेता ने कहा ईंट का जवाब पत्थर से दें

राज -दुबे के बीच चल रहे अब इस विवाद में कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार भी कूद पड़े हैं। इतना ही नहीं उन्होंने ये तक कह दिया कि ईंट का जवाब पत्थर से दो। इसकी वजह बताते हुए कहा कि ईंट से जवाब देने से दो टांके, जबकि पत्थर से जवाब देने से चार टांके लगेंगे। ऐसे में दोनों घायल होंगे और दोनों को नुकसान होगा।

ठीक से उम्मीदवार नहीं किए गए थे तय

पिछली गलतियां होती रहेंगी तो हमारा गठबंधन में रहना मुश्किल हो जाएगा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सवाल उठाया है कि अगर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा की तरह सीट बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन में देरी जैसी गलतियां दोबारा हुईं तो महा विकास आघाडी (एमवीए) का क्या औचित्य रह जाएगा। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एमवीए के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद का उत्साह विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टियों के खुद के जीतने पर केंद्रित व्यक्तिगत अहंकार में बदल गया, जो अंततः उनकी हार का कारण बना। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार तय नहीं किए गए थे। यह एक गलती थी जिसे सुधारना होगा। अगर भविष्य में ऐसी गलतियां होती रहीं तो साथ रहने का कोई मतलब नहीं है।

महाविकास अघाडी पर उद्धव ने उठाए सवाल

सहयोगियों को 'बड़ी' सीटें देनी पड़ी

मुखपत्र 'सामना' को दिए साक्षात्कार में ठाकरे ने अफसोस जताया कि उनकी पार्टी को लोकसभा चुनाव के दौरान अपने एमवीए सहयोगियों को वे सीट देनी पड़ीं, जो उसने पहले कई बार जीती थीं। विधानसभा चुनाव के दौरान सीट बंटवारे पर बातचीत आखिरी क्षण तक चली। इस झगड़े से जनता के बीच हमारे बारे में गलत संदेश गया। चुनाव के दौरान रियायतों की घोषणा करने की होड़ से शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस के गठबंधन एमवीए को नुकसान हुआ।

उधर 'महामुलाकात' पर शिंदे ने कसा तंज

रंग बदलने में गिरगिट से भी तेज निकले उद्धव

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव पर तीखा हमला बोला है। उन्हें रंग बदलने वाला गिरगिट करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने 2019 में देवेंद्र फडणवीस के साथ धोखा किया।

चुनाव आयोग की विशेष पुनरीक्षण मुहिम में बड़ा खुलासा

अब तक बिहार के 94.68 फीसदी मतदाता सूची में शामिल

अंतिम लिस्ट 30 सितंबर को होगी जारी, डेटा भी पेश किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बताया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अब तक 94.68फीसदी मतदाताओं को कवर कर लिया गया है। राज्य में कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से 90.12फीसदी लोगों से फॉर्म प्राप्त हुए हैं। हालांकि, 4.67फीसदी मतदाता अपने पते पर नहीं मिले, 1.61फीसदी की मृत्यु हो चुकी है। 0.75फीसदी लोग एक से अधिक स्थानों पर नामांकित हैं। 2.3फीसदी ने स्थायी रूप से पता बदला है और 0.01प्रतिशत का पता नहीं चल पाया है।

सभी दलों को भी जानकारी दी जाएगी

एसआईआर आदेश के अनुसार प्रत्येक बीएलए प्रतिदिन अधिकतम 50 फॉर्म प्रमाणित करके जमा कर सकता है। यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी और फिर से सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उसकी प्रिंट और डिजिटल कॉपी मुफ्त में दी जाएगी तथा वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

बीएलए ने पूरी जानकारी साझा की
आयोग ने यह भी बताया कि जिन मतदाताओं को मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, एक से अधिक स्थानों पर नामांकित या अनुपलब्ध पाया गया है, उनकी सूची जिला स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों और उनके द्वारा नियुक्त 1.5 लाख बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) के साथ साझा की गई है, ताकि वे 25 जुलाई से पहले इन मामलों की पुष्टि कर सकें।

1 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी

चुनाव आयोग ने कहा कि 1 अगस्त को ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल (प्रारूप मतदाता सूची) प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद एक महीने तक सभी राजनीतिक दलों और आम जनता को सुझाव और सुधार भेजने का अवसर दिया जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को यह प्रारूप सूची मुफ्त में प्रिंट और डिजिटल रूप में दी जाएगी और इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा, ताकि जनता आसानी से इसे देख सके। आयोग ने आश्वस्त किया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटेगा नहीं।

वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस

खाने-पानी की ज्यादा कीमत पर बोला तो स्टाफ ने यात्री को पीटा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी यात्रा सुखद और आरामदायक हो। ट्रेन का सफर तो वैसे भी रिश्ते बनाने का सफर होता है। हालांकि कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं जो कि यात्रा का सारा मजा खराब कर देती हैं। ट्रेन में खाने को लेकर लोग अकसर सोशल मीडिया पर शिकायत करते हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। दावा किया गया है कि एक यात्री ने जब खाने और पानी की ज्यादा कीमत को लेकर आवाज उठाई तो पैंट्री स्टाफ मारपीट पर उतारू हो गया। आईआरसीटीसी और रेलवे कई बार यात्रियों को आश्वस्त कर चुका है कि इस तरह का व्यवहार नहीं होगा। इसके बाद भी यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं कष्टदायी हैं। यह मामला गाड़ी संख्या11462 का है। यानी, वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस का है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत निःशुल्क डेटासेट और अन्य सामग्री अपलोड की जा रही है। लगभग 10 लाख लोगों को एआई के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा

आईआईटी हैदराबाद के दीक्षांत समारोह में बोले मंत्री वैष्णव

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार क्षेत्र और रेलवे अगली पीढ़ी के लिए आधार

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर पार

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पिछले 11 वर्षों में 8 गुना वृद्धि के साथ 40 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 6 गुना बढ़ गया है। यह वृद्धि विकास की अभूतपूर्व गति है, जो बहुत कम देशों ने पहले कभी देखी है। यह दोहरे अंकों की सीएजीआर दर है जिससे कोई भी कॉर्पोरेट ईर्ष्या करेगा।

आईआईटी हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, वैष्णव ने भारत की विकास गाथा और अगली पीढ़ी के लिए आधार के पांच उदाहरण दिए- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार क्षेत्र और रेलवे।

उन्होंने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की तेज प्रगति का जिक्र भी किया, जिसके अगस्त या सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि इस साल व्यावसायिक स्तर पर पहली भारत में बनी सेमीकंडक्टर चिप आएगी। उन्होंने इसका श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी को दिया।

भारत ने सौ 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की

मंत्री वैष्णव ने कहा कि लगभग साढ़े तीन वर्षों में, भारत एक संपूर्ण 4जी दूरसंचार स्टैक डिजाइन कर सकता है। आज, यह लगभग 90,000 दूरसंचार टावरों पर स्थापित है, जो दुनिया के कई देशों के नेटवर्क से भी अधिक है। दूरसंचार पहल के हिस्से के रूप में, सरकार ने 100 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, जहां छात्र 5जी उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, दुनिया के उपयोग के मामलों पर काम करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी।

10 लाख लोगों को एआई प्रशिक्षित कर रहे

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत निःशुल्क डेटासेट और अन्य सामग्री अपलोड की जा रही है। लगभग 10 लाख लोगों को एआई के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के पास इस समय वंदे भारत का तीसरा संस्करण पहले से ही मौजूद है, जिसका निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा।

» **भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप 2025 में आएगी**

» **पहली बुलेट ट्रेन 2027 तक शुरू होने की पूरी उम्मीद**

छह सेमीकंडक्टर संयंत्र का निर्माण हो रहा

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भरोसा जताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के शीर्ष पांच सेमीकंडक्टर उत्पादक देशों में एक बनने की राह पर है। आज कुछ सबसे जटिल चिप हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे, गुरुग्राम और चेन्नई जैसे शहरों में डिजाइन किए जाते हैं। अब हम सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण शुरू कर रहे हैं। हमने पहले ही छह सेमीकंडक्टर संयंत्र को मंजूरी दे दी है। उनका निर्माण कार्य जारी है। हमारे पास 2025 में पहली भारत निर्मित सेमीकंडक्टर चिप होगी।

खबर संक्षेप

नाइजर में 2 भारतीयों की हत्या, एक अगवा

नियामी। दक्षिण-पश्चिमी नाइजर में एक आतंकवादी हमले में दो भारतीय मारे गए और एक को अगवा कर लिया गया। भारतीय दूतावास ने यह जानकारी दी। दूतावास ने पोस्ट किया कि नाइजर के डोसो क्षेत्र में 15 जुलाई को हुए एक जघन्य आतंकवादी हमले में दो भारतीय नागरिकों की दुखद मौत हो गई और एक का अपहरण कर लिया गया। भारतीय मिशन ने कहा कि वह मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर स्वदेश भेजने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहा है।

आतिशबाजी के दौरान हादसा, 19 लोग झुलसे

बर्लिन। पश्चिमी शहर डसेलडोर्फ में आयोजित एक मेले में आतिशबाजी के दौरान हुए हादसे में कम से कम 19 लोग झुलस गए। इनमें से 4 लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं, इनमें एक बच्चा भी शामिल है। राइन नदी के किनारे राइनकिर्मेस कार्यक्रम में शुक्रवार देर रात हुई घटना के बाद आपातकालीन सेवाएं व अग्निशमन दल तैनात हैं। डसेलडोर्फ अग्निशमन सेवा ने कहा कि पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

चार यूरोपीय देशों के साथ हुए समझौते पर केंद्रीय मंत्री गोयल का बड़ा खुलासा

एक अक्टूबर से लागू होगा भारत-ईएफटीए ट्रेड एग्रीमेंट, निवेश और रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्तूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि भारत-ईएफटीए टीईपीए 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

समझौते के तहत भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है

10 वर्षों में कई वस्तुओं पर सीमा शुल्क समाप्त होगा

समझौते से 10 लाख लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा

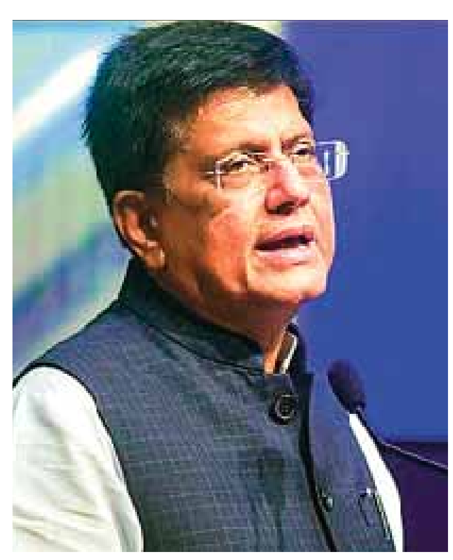

भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा

सेवा क्षेत्र में, वाणिज्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि भारत ने ईएफटीए को 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जैसे लेखांकन, व्यावसायिक सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप-क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। जिन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।उनमें कानूनी, दृश्य-श्रव्य, अनुसंधान एवं विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं।

भारतीयों को स्विस उत्पाद सस्ती दरों पर मिलेंगे

भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत हिस्सा देने की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद, जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां, कम कीमत पर उपलब्ध हो जाएंगे। भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा।

यूरोपीय संघ में पहुंच बढ़ेगी

इसके अलावा, यह समझौता घरेलू निर्यातकों को यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजारों में एकीकृत होने का अवसर प्रदान करेगा। स्विट्जरलैंड के वैश्विक सेवा निर्यात का 40 प्रतिशत से अधिक यूरोपीय संघ को होता है। भारतीय कंपनियाँ यूरोपीय संघ तक अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए स्विट्जरलैंड को एक आधार के रूप में देख सकती हैं। 2024-25 में भारत-ईएफटीए द्विपक्षीय व्यापार 24.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

समझौता होने में 16 वर्ष लगे

समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर- जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत द्वारा अब तक हस्ताक्षरित किसी भी व्यापार समझौते में सहमत अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है। यह प्रतिबद्धता इस समझौते का मुख्य तत्व है, जिसे पूरा होने में लगभग 16 वर्ष लगे, जिसके बदले में भारत ने ईएफटीए देशों से आने वाले कई उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दिए। इस समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्जरलैंड है। शेष तीन देशों के साथ भारत का व्यापार कम है।

यूएस में कार सवार ने भीड़ को रौंदा

पुलिस ने इलाके को घेरा

28 घायल, 10 की हालत गंभीर, वाहन चालक गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में शनिवार को एक कार सवार ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी। इस हादसे में 28 लोग घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। यह हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 2 बजे वेस्ट सांता मोनिका बुलेवार्ड पर वर्मोंट नाइट क्लब के पास हुआ, जो एक म्यूजिक वेन्यू के पास है। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट (एलएएफडी) की टीम ने मीडिया को बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम जारी है।

गोली चलने की आवाज सुनी

हादसे के समय मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि अचानक एक तेज रफ्तार गाड़ी भीड़ में घुसी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर एक ग्रे रंग की कार डैमेज हालत में दिखी, मलबा बिखरा पड़ा था। हादसे के बाद कार सामने से बुरी तरह डैमेज हो गई। एक महिला ने मीडिया बताया कि उसने कार के भीड़ में घुसने से पहले गोली चलने की आवाज सुनी थी।

हादसे का कारण स्पष्ट नहीं

इस हादसे की घटना मिलते ही लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट (एलएएफडी) की टीम, पुलिसकर्मी और रेस्क्यू वर्कर्स की टीम घटना स्थल पर पहुंची। एलएएफडी और पुलिस ने इलाके को घेर लिया है और लोगों से वहां न आने की अपील की है। पुलिस के अनुसार अभी तक यह पता नहीं चला है कि यह हादसा जानबूझकर किया गया या गलती से हुआ।

ऑनलाइन सट्टेबाजी एप का मामला

गूगल और मेटा को ईडी ने भेजा नोटिस, पूछताछ के लिए बुलाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दुनिया की दो सबसे बड़ी दिग्गज कंपनियों गूगल और मेटा को नोटिस भेजा है। सट्टेबाजी एप के मामले में जांच कर रही ईडी ने दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों को 21 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है। इस दौरान ईडी दोनों से पूछताछ करेगी। दरअसल ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के मामलों की जांच कर रही है। इससे जुड़े कई वित्तीय अपराध उजागर हो रहे हैं।

कई तेलुगू सेलेब्स का आया नाम

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 5 एफआईआर दर्ज होने के बाद ईडी एक्शन में आई और पिछले हफ्ते तेलुगु के 29 सेलेब्स के खिलाफ एक्शन लिया गया था। इस लिस्ट में एक्टर विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष और मांचू लक्ष्मी का नाम शामिल था।

एप हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल

सट्टेबाजी एप मामले में ईडी को पता चला है कि कई ऑनलाइन बेटिंग एप हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग में भी शामिल हैं। ईडी की पूछताछ में सामने आया कि गूगल और मेटा जैसे प्लेटफॉर्म पर इन एप्स को धड़ल्ले से प्रमोट किया जा रहा है। गूगल और मेटा विज्ञापन के लिए इन एप्स को कई स्लॉट्स देते हैं।

गाजा प्रशासन का दावा

खाद्य वितरण केंद्र पर इजराइली गोलाबारी में 32 फिलिस्तीनी मरे

एजेंसी ▶▶ दीर अल-बलाह

गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में शनिवार को 30 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। ये सभी खाने के पैकेट के लिए जा रहे थे। वहीं अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, इजराइली सेना ने भीड़ पर गोलियां चलाईं, जिसमें कई लोग घायल भी हुए हैं।

दो जगहों पर गोलीबारी की वारदात

गोलीबारी की घटना मुख्य रूप से दो जगहों पर हुई। जिसमें पहली घटना तेइना इलाका, खान यूनिस शहर के पास हुई। घायल लोगों को उठाकर नासर अस्पताल, खान यूनिस लाया गया, जहां 25 शव और 70 घायलों की पुष्टि हुई है। दूसरी घटना शकूश इलाका, रफा शहर के पास हुई। यहां भी जीएचएफ केंद्र के पास भीड़ पर गोलियां चलीं, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला भी थी। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

2.73 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

6,365 श्रद्धालुओं का नया जत्था रवाना

जम्मू। इस वर्ष शांति और सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा जारी है। 3 जुलाई को शुरू हुई इस यात्रा में अब तक 2.73 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं। वहीं, शनिवार को जम्मू के भगवती नगर से 6,365 श्रद्धालुओं का नया जत्था दो काफिलों में रवाना हुआ। पहले काफिले में 92 वाहन सुबह 3:25 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जिनमें 2,851 यात्री थे, जबकि दूसरा काफिला 119 वाहनों के साथ सुबह 3:53 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जिसमें 3,514 यात्री सवार थे। पवित्र गुफा, जो समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, तक पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा: भ्रामक खबरों पर भारतीय पायलट संघ का एक्शन

असत्यापित रिपोर्टिंग के माध्यम से निष्कर्ष निकालने का आरोप

विदेशी मीडिया संस्थानों को भेजा कानूनी नोटिस, माफी मांगने को कहा

◆ *अटकलें लगाने वाली सूचनाओं का प्रकाशन*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे को लेकर विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने आपत्ति जताई है। एफआईपी ने 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और 'रॉयटर्स' को कानूनी नोटिस भेजा है।

संस्थानों को ई मेल भेजा

नोटिस में दोनों संस्थानों से गलत रिपोर्टिंग के लिए माफी मांगने की मांग की गई है। भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) के अध्यक्ष सीएस रंधावा ने बताया कि हमने कानूनी कार्रवाई शुरू की है। हमने 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और 'रॉयटर्स' को उनकी रिपोर्टों पर एक नोटिस भेजा है। हमने उनसे माफी मांगने के लिए कहा है। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और 'रॉयटर्स' को भेजे एक ईमेल में, एफआईपी ने कहा कि हमें पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ वर्ग बार-बार चुनिंदा और असत्यापित रिपोर्टिंग के माध्यम से विमान हादसे का निष्कर्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इस हादसे ने जनता को बड़ा सदमा पहुंचाया है। यह भारतीय विमानन उद्योग की सुरक्षा को लेकर, खासकर निराधार तथ्यों के आधार पर जनता में चिंता या आक्रोश पैदा करने का समय नहीं है।

एनटीएसबी ने की कड़ी आलोचना

अमेरिकी संघीय एजेंसी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने शुक्रवार को विमान हादसे पर मीडिया में आई हालिया कवरेज की कड़ी आलोचना की थी। एनटीएसबी की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा था कि एअर इंडिया 171 दुर्घटना पर हालिया मीडिया रिपोर्टें समय से पहले और अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अभी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इतने बड़े पैमाने की जांच में समय लगता है। हम एएआईबी की सार्वजनिक अपील का पूरा समर्थन करते हैं।

मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गंभीर और अपूरणीय क्षति

एफआईपी ने कहा कि मीडिया संस्थान आधिकारिक पुष्टि और अंतिम रिपोर्ट के बिना ऐसी कोई भी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित न करें जिसमें दुर्घटना के कारणों पर अटकलें लगाई गईं हों और मृत पायलटों को दोषी ठहराती हों। इस तरह की अटकलें लगाने वाली सूचनाओं का प्रकाशन बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। इससे मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गंभीर और अपूरणीय क्षति हुई है।

प्रकाशित रिपोर्ट की तुरंत समीक्षा और संशोधन करें

कानूनी नोटिस में रॉयटर्स से कहा गया है कि वह आधिकारिक पुष्टि और अंतिम रिपोर्ट के अभाव में दुर्घटना के कारण के बारे में अटकलें लगाने वाली या किसी व्यक्ति, विशेष रूप से मृत पायलटों को दोषी ठहराने वाली कोई भी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से रोकें। वह 17 जुलाई 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट की तुरंत समीक्षा और संशोधन करें। एफआईपी ने रॉयटर्स को एक स्पष्टीकरण जारी करने के लिए कहा है। इसमें यह स्वीकार किया गया हो कि अधिकारियों ने कोई अंतिम निष्कर्ष जारी नहीं किया है।

ईरान में हुई भीषण बस दुर्घटना

21 की मौत, 34 लोग घायल बचाव अभियान कार्य जारी

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के दक्षिणी हिस्से में भीषण बस दुर्घटना हुई है। यहां एक बस के पलट जाने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह खबर जारी दी।

फार्स प्रांत के आपात संगठन के प्रमुख मसूद आबेद ने बताया कि प्रांत की राजधानी शिराज के दक्षिण में हुई इस दुर्घटना में 34 अन्य लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना सुबह 11 बजकर 5 मिनट पर हुई। जैसे ही सूचना मिली राहत और बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया और राहत कार्य शुरू कर दिया।

छुट्टियां मनाने जा रहे थे

मसूद आबेद ने आगे बताया कि दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी एवं अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह बस एक अंतर-शहर यात्रा पर थी और अधिकतर यात्री परिवारों के सदस्य थे और छुट्टियां मनाने जा रहे थे।

एक पेड़ की तरह है निवेश, अभी लगाएंगे तो भविष्य में देगा छाया

● निवेश की यात्रा शुरू कर रहे हैं तो जान लें कुछ जरूरी नियम ● सबसे पहले निवेश के लिए लक्ष्य लेकर चलें और रुकें नहीं ● हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

निवेश एक पेड़ की तरह है। यदि आप इस समय निवेश रूपी पौधा रोपेंगे तो यह बुढ़ापे में आपको छाया देगा और भविष्य को सुरक्षित रखेगा। अगर आप भी अपनी निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं या कर चुके हैं तो कुछ नियमों को अपने जीवन में उतार लें। इससे आप आसानी से अपने सपने को पूरा कर सकेंगे। अपने गोल पूरे कर सकेंगे। सबने इन्वेस्टमेंट यानी निवेश शब्द तो बहुत बार सुना होगा। चाहे परिवार की बातचीत, समाचार अपडेट या रोजमर्रा के जीवन में भी, लेकिन क्या आप कभी यह सोचने से रोके हैं कि इसका क्या मतलब है? सबसे सरल अर्थ में, इन्वेस्टमेंट आज पैसे, समय या ऊर्जा देने के बारे में है, आशा है कि यह भविष्य में कुछ और बढ़ेगा। कल्पना करें कि यह एक पौधा रोपने की तरह है, आप कोशिश करते हैं, इसे सावधानी से पोषण करते हैं, यह जानकर कि किसी दिन यह आपको छाया, फल या शायद कुछ सुंदरता भी प्रदान करेगा। यही इन्वेस्टमेंट यानी निवेश का मंत्र है। हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं।

आखिर क्या है निवेश

निवेश एक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने पैसे को विभिन्न प्रकार की संपत्तियों या वित्तीय साधनों में लगाते हैं, जिससे उन्हें भविष्य में आय या लाभ प्राप्त हो सके। निवेश का उद्देश्य आमतौर पर अपने पैसे को बढ़ाना, आय अर्जित करना, या भविष्य के लिए बचत करना होता है। निवेश एक एसेट और/या एक आइटम है जो या तो अप्रिशिएशन प्राप्त करने या इनकम जनरेट करने के लिए अर्जित किया जाता है। इन्वेस्टमेंट में वृद्धि एक निश्चित अवधि में एसेट/आईटम के मूल्य में वृद्धि है। इससे स्टॉक खरीदना, रियल एस्टेट में इन्वेस्ट करना, गोल्ड खरीदना, या साइड बिजनेस शुरू करना भी हो सकता है। प्रत्येक विकल्प में वृद्धि की क्षमता होती है, विशेष रूप से अगर अच्छी तरह से मैनेज किया जाता है और हां, इसमें कुछ जोखिम शामिल हैं- वहां कोई आश्चर्य नहीं है, लेकिन ये इन्वेस्टमेंट वेल्थ-बिल्डिंग के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

निवेश के प्रकार

1. **वित्तीय निवेश** : इसमें शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, और अन्य वित्तीय साधन शामिल हैं।
2. **वास्तविक निवेश** : इसमें अचल संपत्ति, सोना, और अन्य भौतिक संपत्तियां शामिल हैं।
3. **व्यवसायिक निवेश** : इसमें व्यवसाय शुरू करने या व्यवसाय में हिस्सेदारी खरीदने के लिए निवेश करना शामिल है।

निवेश के लाभ

1. **आय अर्जित करना** : निवेश से आय अर्जित करने का अवसर मिलता है।
2. **पैसे का बढ़ना** : निवेश से पैसे का मूल्य बढ़ सकता है।
3. **भविष्य के लिए बचत** : निवेश से भविष्य के लिए बचत करने में मदद मिलती है।
4. **विविधीकरण** : निवेश से पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है, जिससे जोखिम कम होता है।
5. **कैपिटल प्रिज़र्वेशन** : जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो आप अपने पैसे को सुरक्षित रखते हैं और समय के साथ वैल्यू को खोने से रोकते हैं।
6. **टैक्स लाभ** : कुछ इन्वेस्टमेंट आपकी टैक्स योग्य आय को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो हमेशा बोनस होता है!

निवेश के जोखिम

1. **बाजार का जोखिम** : बाजार की स्थितियों में बदलाव से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
2. **क्रेडिट जोखिम** : उधारकर्ता के डिफ़ॉल्ट करने से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
3. **लिक्विडिटी जोखिम** : निवेश को आसानी से बेचने में समस्या हो सकती है।
4. **जोखिम** : मुद्रास्फीति से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।

ऐसे करें निवेश

1. **लक्ष्यों को परिभाषित करें** : सोचें कि आप अपने इन्वेस्टमेंट को प्राप्त करने के लिए क्या चाहते हैं।
2. **अपने जोखिम का आकलन करें** : सोचें कि आप नींद को खोए बिना कितना जोखिम ले सकते हैं।
3. **अपने इन्वेस्टमेंट चुनें**: आपके लिए सही महसूस करने वाले स्टॉक, बॉन्ड, रियल एस्टेट और फंड का मिश्रण चुनें।
4. **नियमित रूप से इन्वेस्ट करें**: हर महीने एक निश्चित राशि अलग रखने पर विचार करें. यह पहले खुद को भुगतान करने की तरह है।

ऐसे करता है काम

आप किसी कंपनी (एक एसेट) में शेयर खरीदने का निर्णय लेते हैं, जिसका आपको विश्वास है कि आपके पास एक आशाजनक भविष्य है। अगर कंपनी की वैल्यू बढ़ती है, तो आपके शेयरों की कीमत भी बढ़ती है या शायद आप किसी ऐसे क्षेत्र में भूमि (संपत्ति) का प्लॉट खरीदते हैं जिसे आप सोचते हैं कि समय के साथ महंगा हो जाएगा। दोनों मामलों में, आपका पैसा काम करने के लिए लगाया जाता है, और अगर चीजें अच्छी तरह से चलती हैं, तो यह आपको लगातार ध्यान दिए बिना लौटना लाता है।

निवेश का महत्व

- इन्वेस्टमेंट आपके पैसे को महंगाई से बचा सकता है।
- आपको आय अर्जित करने में मदद कर सकता है।
- आपको अपने लॉन्ग-टर्म लक्ष्यों के करीब ला सकता है।
- समय के साथ अपनी कैश वैल्यू खोने के बजाय, इन्वेस्टमेंट आपको रियल वेल्थ

बनाने में मदद कर सकता है

- कंपाउंडिंग होती है-जहां आपका रिटर्न गुणा होता है और समय के साथ अपना रिटर्न जनरेट करना शुरू करता है।
- इसलिए, चाहे रिटायरमेंट के लिए बचत हो या उस ड्रीम वेकेशन, इन्वेस्टमेंट आपके सभी वर्तमान और भविष्य के लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकता है।

निवेश से पहले यह जान लें

जोखिम सहिष्णुता: आप अपने इन्वेस्टमेंट के कुछ या सभी को खोने के विचार से कितना आरामदायक हैं?
समय सीमा: क्या आप शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं?
फाइनेंशियल लक्ष्य: आप अपने इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्या प्राप्त करना चाहते हैं?
विविधता: विभिन्न क्षेत्रों में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाकर जोखिम को मैनेज करने में मदद मिल सकती है, जैसे कि आपके सभी अंडे एक ही टोकरी में न डालें।

इसलिए करें इन्वेस्टमेंट

महंगाई से सुरक्षा: इन्वेस्टमेंट अक्सर महंगाई की तुलना में तेज़ी से बढ़ते हैं, जिससे आपके पैसे की वैल्यू को सुरक्षित रखा जाता है।
पैसिव आय जनरेट करें: कुछ इन्वेस्टमेंट, जैसे डिविडेंड-भुगतान स्टॉक, नियमित कैश फ्लो प्रदान कर सकते हैं।
फाइनेंशियल लक्ष्य प्राप्त करें: इन्वेस्टमेंट आपको बड़े जीवन की घटनाओं, जैसे घर खरीदना या आराम से रिटायर होना आदि के लिए बचत करने में मदद करता है। इन्वेस्ट करना शुरू करना कभी भी बहुत जल्दी नहीं है, जितनी जल्दी आप शुरू करते हैं, कंपाउंडिंग का लाभ मिलेगा।

ग्रीन एफडी : सुरक्षित निवेश के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी करें योगदान

अभी सभी बैंक ग्रीन डिपॉजिट की सुविधा नहीं दे रहे हैं। फिर भी, कई बड़े सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस दिशा में कदम उठाया है। मोहित गांग के मुताबिक, एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बैंक ग्रीन डिपॉजिट योजनाएं शुरू कर चुके हैं।

बचत
बिजनेस डेस्क

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी चुनौतियों से जूझ रही दुनिया अब निवेश के तरीकों में भी धीरे-धीरे बदलाव कर रही है। इन्हीं नए नए तरीकों के बीच भारत में अब एक नया फाइनेंशियल प्रोडक्ट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस लोकप्रिय प्रोडक्ट को नाम दिया है ग्रीन डिपॉजिट। यह एक ऐसा निवेश विकल्प है, जो न केवल सुरक्षित और अच्छा रिटर्न देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून 2023 में ग्रीन डिपॉजिट के लिए एक स्ट्रक्चर जारी किया था, जिसमें बैंकों को जमा पैसे को सिर्फ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में लगाने की अनुमति दी गई है। इस प्रोजेक्ट्स में मुख्य रूप से सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, पानी और वेस्ट मैनेजमेंट आदि शामिल होते हैं। ग्रीन डिपॉजिट एक सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही है, लेकिन इसका असर कहीं अधिक बड़ा और पॉजिटिव है। इसमें बैंकों को सालाना रिपोर्टिंग और थर्ड पार्टी ऑडिट जैसी पारदर्शिता की शर्तें पूरी करनी होती हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। स्टेट बैंक, एक्सिस, यूनियन बैंक जैसे कई बड़े बैंक इस विकल्प की पेशकश कर रहे हैं। अगर आप एक ऐसा निवेश चाहते हैं जो आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ धरती को भी लाभ पहुंचाए, तो ग्रीन डिपॉजिट एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

यह कैसे करता है काम

ग्रीन डिपॉजिट में भी निवेशक अपने पैसे को बैंक में एक निश्चित समय के लिए एफडी की तरह जमा करते हैं, और बदले में उन्हें उसका ब्याज मिलता है, लेकिन इस योजना की खासियत यह है कि जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल केवल उन परियोजनाओं में किया जाता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद हों। इन परियोजनाओं में सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए हो रहे काम, पानी, वेस्ट मैनेजमेंट और ग्रीन बिल्डिंग आदि शामिल हो सकते हैं। बैंकिंग एक्सपर्ट कहते हैं, "जब कोई व्यक्ति या संस्था ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करता है, तो बैंक उस पैसे को ऐसी परियोजनाओं के लिए लोन देने या निवेश करने में उपयोग करता है।

ऐसे समझें उदाहरण

उदाहरण के लिए, यह पैसा सौर ऊर्जा प्लांट बनाने, इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने आदि को बनाने या फिर उसके लिए रिसर्च में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम बनाए हैं कि इन फंड्स का उपयोग केवल इन्हीं चीजों के लिए ही हो। बैंकों को हर साल इन फंड्स के उपयोग और उनके होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव की जानकारी सार्वजनिक करनी होती है।

क्या कहते हैं जानकार

ग्रीन डिपॉजिट में निवेश की प्रक्रिया एफडी की तरह ही होती है। निवेशक को एक निश्चित पैसा (जो आमतौर पर 5,000 रुपये से शुरू होकर 10 करोड़ रुपये तक हो सकती है) जमा करना होता है। जमा करने का समय और ब्याज दर बैंक के नियमों पर निर्भर करती है। इस पैसे को डीआईसीजीसी के तहत बीमा किया जाता है, जिससे निवेशक का पैसा सुरक्षित रहता है।

नियमों और पारदर्शिता

दूसरा अंतर नियमों और पारदर्शिता में है। ग्रीन डिपॉजिट पर भारतीय रिजर्व बैंक की पूरी नजर रहती है और इसके लिए अलग से दिशानिर्देश हैं। इसकी वजह से बैंकों को फंड्स के उपयोग की पूरी जानकारी देने और हर साल ऑडिट करवाना पड़ता है। इसके विपरीत, एफडी में ऐसी कोई शर्त या पारदर्शिता की जरूरत नहीं होती। ब्याज दरों की बात करें तो ग्रीन डिपॉजिट की दरें सामान्य एफडी के बराबर या कभी-कभी थोड़ी अधिक हो सकती हैं, क्योंकि बैंक पर्यावरण के प्रति जागरूक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कभी-कभी अच्छी दरें ऑफर करते हैं। एक और जरूरी अंतर नैतिक प्रभाव का है। ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करके व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में योगदान देता है, जो इसे एक नैतिक और जिम्मेदार निवेश विकल्प बनाता है। सामान्य एफडी में ऐसा कोई पर्यावरणीय या सामाजिक प्रभाव नहीं होता।

ग्रीन डिपॉजिट के क्या फायदे

ग्रीन डिपॉजिट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह निवेशकों को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का मौका देता है। अगर आप जलवायु परिवर्तन या प्रदूषण जैसी समस्याओं को लेकर चिंतित हैं, तो यह योजना आपके पैसे को सही दिशा में लगाने का एक तरीका है। इसके अलावा, इसकी ब्याज दरें सामान्य एफडी की तुलना में प्रतिस्पर्धी होती हैं, जिससे निवेशक को आर्थिक लाभ भी मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए भी खास है, जो अपने निवेश को पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानकों के आधार पर करना चाहते हैं। ग्रीन डिपॉजिट के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं और साथ ही पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं। बैंकों द्वारा हर साल दी जाने वाली रिपोर्ट और तीसरे पक्ष के ऑडिट से निवेशकों को यह भरोसा रहता है कि उनका पैसा सही जगह पर इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही, डीआईसीजीसी के तहत बीमा होने से यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित भी है।"

एफडी से कितना अलग है ग्रीन डिपॉजिट

ग्रीन डिपॉजिट और एफडी में कई समानताएं हैं। हालांकि, कुछ बुनियादी अंतर दोनों को अलग बनाते हैं। सबसे बड़ा अंतर यह है कि ग्रीन डिपॉजिट में जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण को लाभ पहुंचाने वाले परियोजनाओं में किया जाता है, जबकि एफडी में जमा पैसे का इस्तेमाल बैंक अपने सामान्य कारोबार, लोन देने या दूसरे निवेश में उपयोग कर सकता है। इस तरह ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करने वाला हर व्यक्ति यह दावा कर सकता है कि उसका पैसा पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए हो रहा है।

जवानी में कर लें इतना निवेश की बुढ़ापे में न गिननी पड़े परेशानियां

- रूल ऑफ 70 से जानिए बुढ़ापे में कितना पैसा होगा काफी
- आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका
- जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल होगा
- युवावस्था से ही रिटायरमेंट को मजबूत फंड बनाना शुरू करें
- अच्छा फंड भविष्य में आर्थिक तंगी से बचाएगा, जीवन आरामदायक बनेगा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो जरा ध्यान दें। आप जितना जल्दी निवेश शुरू करेंगे। उतना ही बुढ़ापे में सुरक्षित होंगे। इसलिए जरूरी है कि जवानी में इतना निवेश कर लें कि बुढ़ापे में परेशान न होना पड़े। इसके लिए आप रूल ऑफ 70 के फार्मूले को भी फॉलो कर सकते हैं। इससे पता चल जाएगा कि बुढ़ाप अच्छे से काटने के लिए आपको कितने धन की जरूरत होगी। आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। अगर जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि युवावस्था से ही रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बनाना शुरू करें, ताकि भविष्य में आर्थिक तंगी से बचा जा सके और जीवन आरामदायक बना रहे।

हमेशा महंगाई का ध्यान रखें

आप भी सोचते होंगे कि अगर आपके पास एक करोड़ रुपये हों, तो जिंदगी की सारी ज़रूरतें पूरी हो जाएंगी, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यही रकम आने वाले वक्त में आपके लिए कितनी मायने रखेगी। आज जो रकम बड़ी लगती है, वो कल को शायद उतनी काम की न हो। महंगाई हर साल धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और इसके साथ हमारी जरूरतों की कीमत भी। ऐसे में अगर आपने भविष्य की प्लानिंग सही से नहीं की, तो रिटायरमेंट के बाद दिक्कतें हो सकती हैं। कई बार हम यह मान लेते हैं कि जितना पैसा आज हमें काफी लग रहा है, वही आगे भी काफी रहेगा, लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है। इसलिए जरूरी है कि आप आज ही यह समझें कि आपकी रकम भविष्य में कितनी टिक पाएगी और उसी के हिसाब से अपनी बचत और निवेश की योजना बनाएं।

ऐसे जानें 'रूल ऑफ 70'

आपके पैसों की वैल्यू भविष्य में कितनी रह जाएगी, यह जानने के लिए 'रूल ऑफ 70' एक सरल तरीका है। इसमें आपको बस मौजूदा महंगाई दर जाननी होती है। जब आप 70 को उस महंगाई दर से भाग देंगे, तो जो संख्या निकलेगी, वह यह बताएगी कि कितने साल में आपके पैसों की आधी हो जाएगी। उदाहरण के लिए, अगर महंगाई दर 7% है, तो 70/7=10 साल। यानी 10 साल में आपके 1 करोड़ की वैल्यू 50 लाख जैसी हो जाएगी।

क्यों जरूरी है सही फाइनेंशियल प्लानिंग

लोग अक्सर सोचते हैं कि एक तय रकम जोड़ लेना ही काफी है, लेकिन वे महंगाई के असर को नजरअंदाज कर देते हैं। केवल सेविंग्स करना काफी नहीं है, आपको यह भी समझना होगा कि वो रकम भविष्य में क्या वैल्यू रखेगी। रूल ऑफ 70 जैसे सिंपल फॉर्मूलों से आप अपनी योजना को रियलिस्टिक बना सकते हैं। इससे आपको साफ नजर आएगा कि भविष्य में कितना पैसा वाकई जरूरी होगा।

स्मार्ट प्लानिंग

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए युवावस्था से ही बचत और निवेश शुरू करें। हर महीने आय का कम से कम 20% रिटायरमेंट फंड में डालें। एसआईपी, पीपीएफ, और म्यूचुअल फंड जैसे विकल्प अपनाएं। महंगाई दर को ध्यान में रखते हुए फंड टारगेट तय करें। रूल ऑफ 70 से समझें पैसों की घटती वैल्यू और उसी अनुसार लॉन्ग टर्म प्लान तैयार करें।

सही लक्ष्य तय करें

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए जरूरी है कि आप जल्द से जल्द निवेश शुरू करें। नियमित रूप से अपने फाइनेंशियल टारगेट्स की समीक्षा करें। बाजार की स्थितियों और महंगाई के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करते रहें। याद रखें, समय के साथ रुपये की वैल्यू घटती है, लेकिन सही प्लानिंग से आप अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

विकल्पों का विश्लेषण

निवेश की प्लानिंग एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निवेश रणनीति तैयार करते हैं। इसमें निवेश के उद्देश्यों, जोखिम सहनशक्ति, समय सीमा, और निवेश विकल्पों का विश्लेषण करना शामिल है। निवेश के उद्देश्यों को निर्धारित करना, जैसे कि आय अर्जित करना, पैसे का बढ़ना, या भविष्य के लिए बचत करना। निवेश की प्लानिंग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो व्यक्ति या संगठन को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

ईपीएफओ के डिजिटल प्लेटफॉर्म में हो रहा बदलाव, आखिर क्या होगा असर

माना जा रहा है कि जब प्रतिस्पर्धा सीमित होती हैतो मूल्य निर्धारण पारदर्शी नहीं रह जाता। इससे परियोजना की लागत अनावश्यक रूप से बढ़ने की आशंका रहती है। ईपीएफओ के टेंडर में अगर अधिक से अधिक कंपनी हिस्सा लेगी तो इसका लाभ उन्हें ही होगा और प्रतिस्पर्धा की वजह से ईपीएफओ को कम लागत में एक बेहतर सेवा प्रदाता कंपनी की सेवा मिलेगी।

बिजनेस डेस्क

देश के 27 करोड़ से अधिक कामगारों की बचत की संरक्षक संस्था के रूप में कार्य कर रही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 14 जुलाई 2025 को अपने आईटी सिस्टम (ईपीएफओ प्लेटफार्म) पर व्यापक बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। स्वभाविक है कि इस बदलाव से लोगों पर व्यापक असर भी दिखाई देगा। कुछ राहत मिलेगी तो कुछ खतरे भी बढ़ सकत हैं। ईपीएफओ के इस बदलाव से जुड़ी हालिया प्रक्रिया विशेषकर एजेंसी के चयन हेतु जारी एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट(ईओआई) को लेकर विशेषज्ञों और उद्योग जगत ने पारदर्शिता, निष्पक्षता और संभावित पक्षपात को लेकर गहरी चिंता जताई है। एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट दस्तावेज़ में एक प्रमुख शर्त यह है कि बोलीदाता ने प्रस्तावित कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) को किसी अनुसूचित कॉर्मसियल बैंक में लागू किया हो। पहली नजर में यह एक सामान्य, अनुभव आधारित मानदंड लगता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह शर्त ईपीएफओ की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

खातों का रख-रखाव, अंशदान प्रबंधन, पेंशन का वितरण आदि है। इसके लिए एक मजबूत, स्केलेबल और यूज़र-फ्रेंडली डिजिटल प्लेटफॉर्म जरूरी है, लेकिन इसके लिए कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) की अनिवार्यता अप्रासंगिक मानी जा रही है। इसका कारण ये है कि ईपीएफओ का काम कोर बैंकिंग से संबंधित नहीं है। ईओआई की भाषा से यह प्रतीत होता है कि बैंकिंग क्षेत्र को सेवा देने वाली कंपनी को प्राथमिकता दी जा रही है। प्री-बिड मीटिंग में शामिल कंपनियों ने यह भी ये सवाल उठाये किया कि दस्तावेज़ में वर्णित तकनीकी विशिष्टताएँ एक कंपनी विशेष की क्षमताओं से काफी मेल खाती हैं। कम्पनियों ने ईरपीएफओ पोर्टल पर क्वेरी जेनेरेट कर अपनी चिंता व्यक्त की लेकिन ईपीएफओ ने कंपनियों के सभी आपत्ति को दरकिनार कर दिया।

नवाचार की राह में बाधा

ईओआई की शर्तों से कई प्रतिष्ठित कंपनियां इस काम के लिए बिड की करने की प्रक्रिया से बाहर हो सकती हैं, खासकर जिन्होंने डिजिटल गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं के लिए बेहतरीन समाधान विकसित किए हैं लेकिन बैंकिंग सीबीएस पर काम नहीं किया है। ईओआई बैठक में भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियां टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, सीआईपीएल, एडब्ल्यूएस, एचसीएल सॉफ्टवेयर और फिन्सिल थीं। जबकि केवल एक-दो कंपनियां ही सीबीएस का अनुभव रखती हैं।

इस पर क्या है विशेषज्ञों की राय

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं है। इसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक सेवा मंच जैसी है। ऐसे में बैंकिंग सीबीएस की अनिवार्यता तकनीकी दृष्टि से गैरज़रूरी और रणनीतिक रूप से भ्रामक है। **-पवन दुग्गल, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सायबर सुरक्षा विशेषज्ञ**

उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं

यह आरएफपी किसी खास उत्पाद के लिए रिवर्स इंजीनिरिड लगती है। ये बहुत ही रिस्ट्रीक्टिव है एवं इसका उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं, बल्कि समाधान में किसी ख़ास बोलीदाता (बिडर) को लाभ पहुंचाना है। **-अनूज प्रकाश अवस्थी, टेक्नोलॉजी एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट।**

नवाचार-विरोधी भी

- डिजिटल एवं आईटी के काम के लिए टेंडर की प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाली एक प्रमुख कंपनी एमनेक्स टेक्नॉलाजी का कहना है कि यह सिर्फ खराब खरीद प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह नवाचार-विरोधी भी है। यह सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'ओपन इनोवेशन' के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।
- वहीं वित्त मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार के पद पर काम कर चुके एक अधिकारी ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया में किसी विशेष शर्त को जोड़ना या किसी खास कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए शर्तों का निर्धारण जीएफआर एवं सीवीसी के नियमों का उल्लघन है। उनके मुताबिक, अगर प्रतियोगिता का दायरा सीमित होगा, तो बोली की कीमतें बाजार के अनुरूप नहीं होंगी।

ईपीएफओ के लिए आगे की राह

- ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि जैसे-जैसे नज़दीक आ रही है, ईपीएफओ पर यह दबाव बढ़ रहा है कि वह इस प्रक्रिया की समीक्षा करे, और योग्यताओं को कार्य-आधारित और समाधान-उन्मुख तरीके से परिभाषित करे। साथ ही इस प्रक्रिया मेंतकनीकी रिप्रजेंटेशन को प्रमुखता दी जाए। मूल्यांकन की प्रक्रिया में विविध पारदर्शी मानदंड जोड़े जाएं साथ ही पूरी प्रक्रिया में निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाया जाए।

भाजपा देश का एक मात्र ऐसा दल है जो कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम से चलता है

एक-एक कार्यकर्ता से जुड़कर भाजपा को मजबूत बनाकर प्रदेश को नई राह पर ले जाना है- हेमंत खण्डेलवाल

कांग्रेस ने किसानों को फसल बीमा देने के स्थान पर मुलताई गोलीकांड जैसा जघन्य घाव दिया

हरिभूमि, जबलपुर।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने जबलपुर के मानस भवन में आयोजित स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों को फसल बीमा जैसी योजना बनाकर भी दे सकती थी, लेकिन कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के किसानों को मुलताई गोलीकांड जैसा जिंदगी में कभी नहीं भरने वाला जघन्य घाव दिया है। भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसा राजनीतिक दल है जो कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम से चलता है। भाजपा कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच कड़ी की भूमिका निभाए और समाज में आदर्श स्थापित करें। पार्टी कार्यकर्ता जनता का विश्वास जीतें और अपने आचरण से ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करें कि जनता बरसों तक उनका और हमारी पार्टी के कार्यों का सम्मान करे। हम सभी कार्यकर्ताओं को गांव-गांव तक फैले एक-एक कार्यकर्ताओं से जुड़कर पार्टी को और मजबूत बनाकर मध्यप्रदेश को नई राह पर ले जाना है। हर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा, ईमानदारी व लगन के साथ पार्टी को बुलंदियों तक पहुंचाने का कार्य करें। पार्टी संगठन हर कार्यकर्ता के भविष्य की चिंता कर रही है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी मंचासीन रहे। कार्यक्रम को प्रदेश शासन के मंत्री श्री राकेश सिंह, पूर्व मंत्री व विधायक अजय विश्नोई, प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, प्रदेश मंत्री व सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी, संतोष बरकड़े, नीरज सिंह एवं अभिलाष पाण्डे ने भी संबोधित किया।

कांग्रेस ने कभी गरीबों और आदिवासियों की चिंता नहीं की : हेमंत खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की कांग्रेस ने देश के गरीबों, आदिवासियों की टपकती झोपड़ी को कभी सुधारने का प्रयास नहीं किया। गरीबों, जनजातियों को बीमारी में कभी निःशुल्क इलाज की चिंता नहीं की। गांवों, मजरों, टोलों, गरीबों और आदिवासियों की बस्तियों को कभी सड़क से जोड़ने का प्रयास कांग्रेस ने कभी नहीं किया। गरीबों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों को पक्के मकान देने, खाना पकाने के लिए उज्जवला योजना बनाकर निःशुल्क गैस कनेक्शन देने, पांच लाख रूपए तक का निःशुल्क इलाज के लिए पीएम आयुष्मान योजना बनाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने सोचा कि हम भारत को विश्व गुरू बनाने, दुनिया का अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

देश-प्रदेश को नई दिशा दे भाजपा, ऐसा आशीर्वाद दें मां नर्मदा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग व आशीर्वाद पार्टी को मिलता रहा है, उसे बनाए रखें। हमें हर कार्यकर्ता से जुड़ना है और दल को मजबूत करना है। श्री खण्डेलवाल ने कहा कि जबलपुर जिले को मां नर्मदा का आशीर्वाद मिलता रहा है। मां नर्मदा ऐसा आशीर्वाद दें कि हम सभी का जीवन उज्जवल बने तथा भारतीय जनता पार्टी देश और प्रदेश को नई दिशा में आगे ले जाने का काम करती रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नित नए विकास कार्यों के माध्यम से प्रदेश को नई दिशा में ले जा रही हैं। जबलपुर में कैसे उद्योग लगें, यहां का इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो, युवाओं को रोजगार मिले, इन सभी की चिंता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर रहे हैं।

पार्टी नेतृत्व आपकी चिंता करेगा, आप जनता की चिंता करें

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पार्टी नेतृत्व सभी कार्यकर्ताओं की चिंता करता है और आगे भी करता रहेगा, लेकिन आप सभी को जनता की सेवा सर्वोपरि मानकर उनकी चिंता करनी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाकर उनकी सेवा करते रहें तथा ऐसे प्रयास करें कि आपकी और पार्टी की छवि सकारात्मक बनी रहे। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक परिवार की तरह काम करेंगे और नई राह पर आगे बढ़कर जनता को नया संदेश देंगे।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम महाजन, प्रदेश महामंत्री व सांसद सुश्री कविता पाटीदार, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, जबलपुर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जबलपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज एवं तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष रवि किरण साहू मंचासीन रहे। कार्यक्रम का आभार ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल ने व्यक्त किया।

कुख्यात बदमाश रईस चपटा पर चाकू से हमला, साथी सहित घायल

नूरानी गेट पर देर रात हुई वारदात, पुराने विवाद में साबिर पर हमले का आरोप

हरिभूमि, जबलपुर। शहर में शुक्रवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब कुख्यात बदमाश रईस चपटा पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना हनुमानताल थाना क्षेत्र के नूरानी गेट इलाके की है, जहाँ दो युवकों ने रईस चपटा पर चाकू से हमला किया। हमले में नेता के साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है। दोनों को रसल चौक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक पुलिस जांच के अनुसार, हमला करने वालों में से एक युवक का नाम साबिर बताया जा रहा है। कुछ दिन पहले रईस चपटा और साबिर के बीच एक सड़क हादसे को लेकर कहासुनी हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि उसी पुराने विवाद ने इस हिंसक हमले का रूप ले लिया।

रसल चौक निजी अस्पताल में दाखिल

घटना की खबर फैलते ही जबलपुर अस्पताल के बाहर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की भीड़ जमा हो गई, जिससे माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर साबिर और उसके साथी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। फिलहाल दोनों घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही हैं।

कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने कांवड़ यात्रा के संबंध में मटामर स्थित नर्मदेश्वर भोलेनाथ मंदिर कैलाशधाम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कैलाशधाम मटामर में सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि कांवड़ियों एवं श्रृद्धालुओं को किसी तरह की कोई असुविधा न हो। सक्सेना ने सुरक्षा के सभी इंतेजाम सुनिश्चित करने के निर्देश भी इस अवसर पर दिये। उन्होंने मंदिर परिसर तक जाने और वापसी के मार्ग का जायजा भी लिया तथा इस मार्ग में आवश्यक सुधार करने कहा। ट्रॉफिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए उचित स्थल पर पार्किंग स्थल बनाने के निर्देश भी दिये। इस दौरान उन्होंने पुजारियों से भी व्यवस्था सुनिश्चित करनें में सहयोग की आपेक्षा की। कैलाशधाम मटामर के पूर्व कलेक्टर व एसपी सहित प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों ने ग्वारीघाट पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बाढ़ की स्थिति में सुरक्षा के मापदंडों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, एडीशनल एसपी आनंद कलादगी, संबंधित क्षेत्र के एसडीएम व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चार सटोरिए रंगे हाथ गिरफ्तार

जबलपुर। क्राइम ब्रांच व बेलखेड़ा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार सटोरियों को अलग-अलग स्थानों से सट्टा लिखते रंगे हाथ पकड़ा। आरोपियों से 10 हजार 760 नगद, 3 मोबाइल, 2 कैलकुलेटर और सट्टा पर्चियां जब्त की गईं। यह कार्रवाई एसपी सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर एएसपी आनंद कलादगी, एएसपी सूर्यकांत शर्मा व एसडीओपी लोकेश डाबर के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी गाजीवती पुसाम व क्राइम ब्रांच टीम की सक्रिय भूमिका रही। सभी के विरुद्ध सट्टा एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

शासकीय माध्यमिक शाला पश्चिमी करियापाथर के होनहार विद्यार्थी हुए सम्मानित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि शासकीय माध्यमिक शाला पश्चिमी कारियापाथर में जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के द्वारा संगठन के प्रांतीय संयोजक राकेश श्रीवास के मुख्य आतिथ्य और शाला की प्रधान अध्यापिका छाया जैन की अध्यक्षता और समस्त स्टाफ की उपस्थिति में शाला के होनहार छात्र-छात्राओं और उनके पालकों को पुष्प माला पहनाकर साथ ही कक्षा आठवीं के सिमरन खान, सिमरन चौधरी, वंशिका साकेत और कक्षा पाँचवी के एकता चौधरी, वैशाली चौधरी, मयंक बेन विद्यार्थियों को आठवीं और पाँचवीं की वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान ग्रहण करने पर संगठन के प्रांतीय संयोजक राकेश श्रीवास के द्वारा शील्ड/ ट्रॉफ़ी देकर सम्मानित किया गया। यह पहला अवसर है कि संगठन के माध्यम से शासकीय शाला में अध्ययनरत विद्यार्थियों और उनके पालकों को सम्मानित किया गया है। निश्चित रूप से इस प्रकार के कार्यक्रमों से शाला में अध्ययनरत दूसरे बच्चे प्रेरित होंगे और वो भी अच्छा रिज़ल्ट लाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर रॉबर्ट मार्टिन, हरीशचन्द्र वर्मा, मोनिका सोनी, पूजा सोनकर, राम शंकर श्रृंगी, पद्मा मालवीय, मंजुलता सोनी, अमिता केसरवानी, शबनम कुरेशी, आदि उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित रोटेरियन ने किया पदभार ग्रहण

जबलपुर। रोटरी क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पदभार ग्रहण समारोह हर्षोल्लास के साथ गुलजार होटल में आयोजित हुआ। दीप प्रज्जवलन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल रहे, अध्यक्षता राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने की। इस अवसर पर राकेश सिंह मंत्री लोक निर्माण विभाग, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मिक, सांसद आशीष दुबे, विधायक लखन घनघोरिया, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, रोटरी गवर्नर अमित जायसवाल विशिष्ट रहे। रोटरी अध्यक्ष श्रीमती मिताली बनर्जी ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया इस वर्ष आंगनबाड़ी शिक्षा केंद्र गोद लेगा, महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करेगा, दिव्यांग के लिए साल भर कार्य करेगा, हम कार्यक्रम कर मेंबर जोड़ रहे हैं, आपका मार्गदर्शन प्रशस्त करेगा। कार्यक्रम का संचालन मोहित चटर्जी एवं दीपक सिंघई ने किया एवं आभार सचिव रुपेश राय ने व्यक्त किया।

प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

बच्चों की मैपिंग तीन दिन में पूरी करने के निर्देश

जबलपुर। पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल हाई स्कूल में विकासखंडों के बीआरसी, बीएसी, प्राचार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने शाला में दर्ज समस्त बच्चों की मैपिंग तीन दिवस के अंदर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कक्षाओं विशेषकर कक्षा एक एवं कक्षा छः, कक्षा 9 एवं कक्षा 11 में नामांकन में कमी दूर करने विशेष प्रयास करने निर्देशित किया। समीक्षा बैठक में डीपीसी योगेश शर्मा,एपीसी राजेश तिवारी, अजय रजक, अखिलेश रजक सहित समस्त बीईओ, प्राचार्य, बीआरसी, बीएसी, जन शिक्षक उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि सभी शासन की समस्त योजनाओं का क्रियान्वयन समयसीमा में सुनिश्चित करें. सभी प्राचार्य एवं शिक्षक प्रत्येक कक्षा में नामांकन बढ़ाने, समस्त छात्रों की शतप्रतिशत मैपिंग, अपडेशन पूर्ण करने, यू डाइस,चाइल्ड ट्रैकिंग सर्वे कार्य, एमपी टास्क छात्रवृत्ति कार्य 31 जुलाई तक पूर्ण करने, कम परीक्षा परिणाम वाली शालाओं पर विशेष फोकस एवं मॉनिटरिंग करने निर्देशित किया.विद्यालय के निर्माण कार्य, मरम्मत, पुस्तक वितरण, कक्षाओं मे प्रकाश व्यवस्था, बारिश से सुरक्षा, विद्यालय मे उपलब्ध शौचालय सुरक्षित क्रियाशील हो, पेयजल की समुचित व्यवस्था हो, ऐजुकेशन पोर्टल 3.0 के सम्बन्ध मे जानकारी, विद्यालय मे नामांकन, पुस्तक एवं साईकिल वितरण समय सीमा में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित करने,सीएम हेल्पलाइन प्रकरण, छात्रवृत्ति, खेलकूद से संबंधित जानकारी, कक्षावार दर्ज संख्या बढ़ाने कम नामांकन वाली शालाओं को नामांकन बढ़ाने शिक्षक को जवाबदेही देने जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर विस्तार से चर्चा की।

एससी/एसटी एक्ट सहित तीन धाराओं में दोषी करार, विशेष न्यायाधीश ने सुनाया सख्त फैसला

महिला को गोली मारने वाले को आजीवन कारावास

हरिभूमि, जबलपुर।

ओमती थाना अंतर्गत दिनांक 07 फरवरी 2024 को हुए गोलीकांड के मामले में विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) जबलपुर गिरीश दीक्षित ने आज बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी संदीप सोनी पिता चंद्रिका प्रसाद सोनी निवासी राजीव गांधी वार्ड, रबड़ फैक्ट्री रोड, थाना कोतवाली कटनी को विभिन्न धाराओं में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

कटनी की निवासी 26 वर्षीय पीड़िता माधुरी चौधरी, जो जबलपुर में नर्स की ड्यूटी कर रही थी, दिनांक 07 फरवरी 2024 को अस्पताल से ड्यूटी के बाद सुबह करीब 9:30 बजे इन्कम टैक्स चौक स्थित अपने कमरे लौट रही थी। तभी रसल चौक के पास पुराने परिचित संदीप सोनी ने किसी अन्य से बात करने के संदेह में पिस्टल से उस पर दो बार गोली चला दी और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना ओमती पुलिस सक्रिय हुई और मात्र एक घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और एक चाइना चाकू भी बरामद किया गया। साथ ही, आरोपी को पिस्टल उपलब्ध कराने वाले आलोक सोनी निवासी नागौद, जिला सतना को भी सह अभियुक्त बनाया गया।

इस कार्यवाही में सहायक लोक अभियोजन अधिकारी नविता पिल्लई रही। वहीं विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी निरी. वीरेन्द्र सिंह पंवार एवं निरी. राजपाल सिंह बघेल ने की थी एसआई श्रीराम सनोड़िया, एएसआई राजेश मिश्रा, सुरेन्द्र दाहिया, प्र.आर. रामजी पाण्डेय, रामसिंह परते, शिवसिंह बघेल, आनंद पाण्डेय, अनुराग द्विवेदी, पंकज कौरव एवं कुम्भकरण मर्रापे की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस कप्तान के नेतृत्व में शहर से गांव तक पहुंचा, जागरूकता का संदेश, हर वर्ग ने दिखाई सहभागिता

जबलपुर पुलिस का "नशे से दूरी, है जरूरी" अभियान बना जनआंदोलन

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर में नशे से दूरी, है जरूरी नशा मुक्ति जनजागरण अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। अभियान का नेतृत्व पुलिस पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय कर रहे हैं। जिनके मार्गदर्शन में यह सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम जनआंदोलन का रूप ले चुका है। अभियान में एएसपी सिटी आनंद कलादगी, एएसपी जोन-2 अंजना तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा तथा एएसपी यातायात पल्लवी शुक्ला की विशेष भूमिका रही।

प्रमुख जगह बांटे पोस्टर्स

नेपियर टाउन, बेलबाग, गोरखपुर, लार्डगंज, सिहोरा, पाटन, भेड़ाघाट सहित अन्य थानों द्वारा रैली, जनसंवाद व पोस्टर वितरण किए गए। कप्तान सम्पत उपाध्याय द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया नशा मुक्ति रथ पूरे शहर में संदेश फैला रहा है नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो।

विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

डीएसपी ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय ने थाना बरेला अंतर्गत सीएम राइजिंग स्कूल में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। सीएसपी कैंट उदयभान बागरी ने नेहरू नगर में आयोजित कार्यक्रम में 60 से अधिक नागरिकों को संकल्प दिलवाया।

ऑटो चालकों व ग्रामीणों को दी समझाइश

थाना गोसलपुर प्रभारी राजेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक मनोज कुरील, उप निरीक्षक अर्चना सल्लाम, प्रधान आरक्षक मुन्नालाल गौतम, आरक्षक राकेश यादव, सैनिक नर्मदा पटैल व मुकेश तिवारी द्वारा ऑटो चालकों व ग्रामीणों को नुकसान समझाकर जागरूक किया गया।

प्रजा का हाल जानने निकलेंगे महादेव

गुप्तेश्वर महादेव की शाही सवारी यात्रा 21 को निकलेगी

हरिभूमि, जबलपुर।

सावन मास के द्वितीय सोमवार को श्री गुप्तेश्वर महादेव की शाही सवारी यात्रा कल 21 जुलाई को निकाली जाएगी। इस यात्रा में गुप्तेश्वर भगवान महाकाल प्रजा का हाल जानने निकलेंगे। इस यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। श्री गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर स्वामी मुकुंददास महाराज ने बताया कि 21 जुलाई को शाही यात्रा गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी जो हाथीताल, छोटी लाईन फाटक, शास्त्रीब्रिज, पुराना बस स्टेंड, मालवीय चौक, गंजीपुरा, फुहारा, कमानिया, कोतवाली होते हुए श्री रामलीला मैदान गोविंद गंज स्थित कटरा वाले हनुमानजी के मंदिर में विश्राम लेगी।

भगवान श्रीराम ने किया था गुप्तेश्वर महादेव का निर्माण

स्वामी मुकुंददास ने बताया कि इस प्राचीनतम विग्रह का निर्माण एवं पूजन अपनी वनवास यात्रा में भगवान श्रीराम जी ने स्वयं किया था, ऐतिहासिक दृष्टि से मूल शिव पुराण के प्रथम अध्याय के कोटि रूद्र संहिता में वर्णन आता है कि रामेश्वर महादेव ज्योर्तिलिंग के उपलिंग के रूप में नर्मदा तट पर विद्यमान है।

शाही सवारी का भव्य स्वरूप और मार्ग

यह शाही सवारी उज्जैन के महाकाल भगवान की भांति एक गौरवशाली परंपरा का निर्वहन करती है। यात्रा श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से भव्य रूप में प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। भगवान गुप्तेश्वर महादेव पालकी में सवार होकर निकलेंगे, और उनके साथ ढोल-नगाड़े, बैंड-शहनाई, ऊंट और घोड़े भी शामिल होंगे।

संत समाज करेगा शाही यात्रा की अगुवाई

शोभायात्रा की अगुवाई श्रीमद जगद्गुरु डॉ. स्वामी नृसिंहदासदेवाचार्य महाराज, श्रीमद जगद्गुरु राघव देवाचार्य महाराज . महामंडलेश्वर स्वामी अखिलानंद गिरि महाराज, जगद्गुरु स्वामी राजारामाचार्य महाराज, दंडीस्वामी कालिकानंद महाराज, महामंडलेश्वर डॉ स्वामी राधे चैतन्य महाराज, , स्वामी ज्ञानेश्वरी दीदी, स्वामी रामजी शरण महाराज आदि करेंगे। इस अवसर पर संयोजक, आयोजक पं. पंकज पांडे एवं द्वारिका मिश्रा, एड राजेश तिवारी, आदि मौजूद थे।

दर्शन, पूजन एवं उपस्थिति की अपील

श्री गुप्तेश्वर मंदिर परिवार के दिलीप अग्रवाल, प्रभात मिश्रा, पिंकी अग्रवाल, शेखर सराफ, एड. राजेश तिवारी, ऋषभ मिश्रा, हर्ष इन्दु तिवारी, एड. उत्कर्ष रावत, हरीश सचदेवा आदि ने संचार माध्यमों से शाही सवारी यात्रा के दर्शन, पूजन एवं उपस्थिति की अपील की है। वहीं गुप्तेश्वर सेवा समिति, राम मंदिर मदन भवन, सनातन धर्म महासभा, समन्वय परिवार, माँ वैष्णो देवी यात्रा समिति, माँ वैष्णो देवी तीर्थ यात्रा समिति, हिन्दू सेवा परिषद्, रामलीला समिति गढा, रामलीला समिति गोविन्दगंज, नृसिंह मंदिर, गीताधाम परिवार, माँ नर्मदा महाआरती समिति, नर्मदा सभा आदि ने इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग देने का संकल्प लिया है।

जन कल्याण न्यास द्वारा निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रारंभ

जबलपुर। जन कल्याण न्यास के द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए महाराजपुर कमानिया क्षेत्र में निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह प्रशिक्षण अंजलि ब्यूटी पार्लर की संचालिका अंजलि ठाकुर द्वारा दिया जा रहा है, जो खुद एक अनुभवी ब्यूटी एक्सपर्ट हैं।

इस प्रशिक्षण में अब तक लगभग 50 महिलाओं ने भाग लिया है, जो उत्साहपूर्वक पार्लर से जुड़ी विभिन्न तकनीकों को सीख रही हैं। अंजलि ठाकुर ने बताया कि प्रशिक्षण पूरी तरह से निशुल्क है और इसका उद्देश्य महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार के योग्य बनाना है।

जन कल्याण न्यास की यह पहल सिर्फ महाराजपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि जबलपुर शहर एवं आसपास के करीब 25 स्थानों पर भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इससे बड़ी संख्या में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। इस अवसर पर जन कल्याण न्यास से एडवोकेट सीमा साहू, एडवोकेट सपना रजक, मुख्य आशा भदोरिया, रोशनी पटेल, पूजा मिश्रा, विनीता सोनी उपस्थित थी।

नेमीशारण्य में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह शुरु, 22 तक चलेगी

जबलपुर। धर्मनगरी नेमीशारण्य तीर्थ क्षेत्र के पवित्र वेदव्यास धाम में 15 जुलाई से 22 जुलाई 2025 तक श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का भव्य आयोजन हो रहा है। यह कथा दोनों सत्रों में आयोजित की जा रही है, जिसमें व्यास पीठ पर विराजित पूज्य वेंकटेश प्रपन्नाचार्य महाराज के मुखारबिंद से कथा का भावपूर्ण और ओजस्वी वर्णन श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहा है। कथा का शुभारंभ प्रथम दिन शोभायात्रा के साथ गरिमामय, हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। तृतीय दिवस तक कथा कौरव-पांडव, द्रोपदी, अश्वत्थामा, माता कुंती, राजा परीक्षित संवाद से लेकर ध्रुव चरित्र तक पहुंच चुकी है। स्वामीजी द्वारा कथा का विस्तृत और भावपूर्ण वर्णन श्रद्धालुओं को अमृत रसपान का अवसर प्रदान कर रहा है। देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे लगभग 200 वैष्णव भक्त इस पवित्र आयोजन में कथा का श्रवण लाभ ले रहे हैं। नेमीशारण्य, जो अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली के रूप में विख्यात है, इस आयोजन का मुख्य केंद्र है। आयोजन के मुख्य यजमान पुरुषोत्तम तिवारी (जबलपुर), जगमोहन गट्टानी (वैष्णव मंडल, शोभापुर) और पुरुषोत्तम लड्ढा के साथ उनके सहयोगी हैं। मंच संचालन भरत काबरा (छिंदवाड़ा) द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन में मुकेश ढोली (इंदौर), किरण भूतड़ा (ग्वालियर), शोभा सांवल (नागपुर), रचना सांवल (नागपुर), मधु धीरन (नागपुर), गोविंद सराफ (कोलकाता), सहित पिपरिया, शोभापुर, गाडरवारा, जबलपुर, नागपुर, इंदौर, गोंदिया जैसे अनेक स्थानों से भक्तगण उपस्थित हैं।

संस्कार कांवड़ यात्रा 21 को

1 लाख कांवड़िये देंगे प्रकृति उपासना के साथ राष्ट्र आराधना का संदेश

जबलपुर। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को सिद्धघाट गौरीघाट से 21 जुलाई को प्रातः 07 बजे 1738 दिनों से अखंड निराहार महाव्रत साधना कर रहे महायोगी दादा गुरु के सान्निध्य में माँ नर्मदा एवं शिवजी के दुग्धाभिषेक के साथ सामूहिक देव वृक्ष मूर्तियों के साथ कांवड़ का पूजन अर्चन कर समर्थ वाणी के साथ संस्कार कांवड़ यात्रा प्रारंभ होगी। दादा गुरु ने कहा वृक्ष ही प्रत्यक्ष देव हैं वृक्षों को संरक्षित करना देव पूजन करना है।

कांवड़ यात्रा मार्ग- गौरीघाट से प्रारंभ कांवड़ यात्रा रामपुर चौक, छोटीलाइन फाटक, शास्त्री ब्रिज, तीन पत्ती, मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, सराफा होते हुए लकड़गंज, बेलबाग, घमापुर, कांचघर चौक, सतपुला गोकलपुर, रांझी, खमरिया स्टेट से होकर 35 किलोमीटर का रास्ता तय करते हुए कांवड़िये कैलाश धाम मटामर स्थित चमत्कारिक अखिलेश्वर महादेव का जलाभिषेक करेंगे, साथ ही शिव स्वरूप देव वृक्षों की स्थापना कर शिव की सगुण उपासना का संदेश देंगे। उक्त जानकारी आयोजित पत्रकार वार्ता में नर्मदा मिशन संस्कार कांवड़ यात्रा के अध्यक्ष नीलेश रावत, संयोजक शिव यादव, जगतबहादुर सिंह अन्नू, भारत सिंह यादव ने दी। साथ ही समिति के मोती पहलवान, पवन यादव, गुड्डू महाराज, रंजीत सिंह, देवेन्द्र सरीने, धर्मेन्द्र नामदेव, विकास राय रिक्की, अजय पटेल, रामकुमार यादव, गोपाल श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, महेश गुप्ता, मनोज रजक, विनोद यादव, समित यादव, भूरा, मनोज लोधी, राजेश यादव, राजेन्द्र मिश्रा, कमलेश सिंह, प्रमोद पाठक, प्रो. अजिंक्य फाटक, रंजीत, रामरतन यादव, महेश पसीने, संदीप वर्मा एवं समिति के सभी सदस्य, अनेक संगठनों ने यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया।

प्लास्टिक मुक्त बनाने का लिया संकल्प

प्रकृति की रक्षा, प्लास्टिक से मुक्ति कार्यक्रम आयोजित

पाटन। शोभा सिंह यादव शासकीय महाविद्यालय पाटन में "स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन योजना" के अंतर्गत "अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस" के उपलक्ष्य में विविध गतिविधियों का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य पुनीत मरवाह के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें उन्होंने अपने उद्बोधन में प्लास्टिक के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक डॉ. बाज़गा अतहर खान के पावर प्वांट प्रजेटेंशन के द्वारा प्लास्टिक मुक्ति बनाने की दिशा में सभी वैकल्पिक पर्यावरण अनुकूलन संधानों को अपनाने की प्ररेणा दी और हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक बैग्स के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले पर्यावरणीय दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता फैलाना और इसके विकल्पों को प्रोत्साहित करना है। प्लास्टिक मुक्त शपथ सभी प्रतिभागियों ने प्लास्टिक बैग्स का बहिष्कार करने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में मुकेश कुमार विश्वकर्मा, सुश्री प्रीति सेन, डॉ. समीक्षा तिवारी एवं समस्त महाविद्यालयीन परिवार एवं लगभग 40 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

मझौली में दिव्यांग बच्चों को 69 उपकरण वितरित

मझौली। जनपद शिक्षा केंद्र मझौली कार्यालय में दिव्यांग जनों का उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे से शुरू हुए इस शिविर में 49 बच्चों को उनकी दिव्यांगता के अनुरूप कुल 69 उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम में एपीसी तरुण दुबे ने मुख्य अतिथि थे, जबकि बीआरसी बृज किशोर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह उपकरण एलिम्को टीम जबलपुर के सहयोग से उन बच्चों को वितरित किए गए, जिन्हें पूर्व में मूल्यांकन शिविर में चिन्हित किया गया था। वितरित किए गए उपकरणों में ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, सीपी चेयर, कैलीपर्स, स्मार्ट केन और टीएलएम किट शामिल थे, जो बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने में एमआरसी वेंकट सिंह, रोशन लाल झरिया, बीएसी पुष्पराज पटेल, सीएसी राकेश कनौजिया और बृजेश यादव सहित सहयोगी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस पहल से दिव्यांग बच्चों को दैनिक जीवन में सुविधा मिलेगी और उनकी शिक्षा एवं समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

पिंक टॉयलेट की घोषणा महिला हितों के लिए बड़ी उपलब्धि

जबलपुर। प्रदेश में नगरीय निकाय क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों में महिलाओं को सार्वजनिक टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिशन पिंक टॉयलेट प्रारंभ किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 183 नगरीय निकायों में 218 पिंक टॉयलेट संचालित किए जा रहे हैं जिसमें जबलपुर भी शामिल है। मप्र शासन की इस घोषणा पर मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा इसकी मांग पूर्व में की जा चुकी है। संगठन की महिला विंग अध्यक्ष एड. भावना निगम ने बताया कि महिलाओं की समस्या महिलाओं से बेहतर कोई नहीं समझ सकता। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के नगरीय निकायों में पिंक टॉयलेट की शुरुआत एक सराहनीय कदम है, वहीं संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय वाधवानी ने कहा कि हमारी मांग को शासन ने गंभीरता से लिया है जो महिलाओं के हितों के लिए बड़ी उपलब्धि है। डॉ. वाधवानी ने मुख्यमंत्री, जबलपुर नगर निगम कमिश्नर, महापौर के प्रति आभार व्यक्त किया है।

देवनगर में किसानों को मिला श्री अन्न का साथ

प्राकृतिक खेती से किसानों की लागत होगी कम : पुष्पराज बघेल

सिहोरा। ग्राम पंचायत देवनगर में किसान कल्याण तथा कृषि विभाग सिहोरा द्वारा राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मिशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण किसान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किसानों को मोटे अनाज श्री अन्न के फायदे बताए गए और उन्हें प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल ने की। इसमें सरपंच परशुराम पटेल, नहर अध्यक्ष विष्णु पटेल सहित क्षेत्र के कई किसान उपस्थित रहे।

कृषि विभाग अधिकारी वृषभान अहिरवार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को मिनी किट वितरित की गईं जिनमें अरहर,उड़द और रागी के बीज शामिल थे। ये बीज किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीजों तक पहुंच प्रदान करने और उनकी उपज बढ़ाने के उद्देश्य से दिए गए। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक जयराम केवट और कृषक सखी श्रीमती सुषमा कोरी ने प्राकृतिक खेती के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी।

निधन

श्री हरपाल सिंह खोखर- मदनमहल महानद्दा रोड गुलजार के पीछे निवासी श्री हरपाल सिंह खोखर (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओम प्रकाश तिवारी- त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री ओम प्रकाश तिवारी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजरानी भल्ला- मदनमहल बेदीनगर रोड निवासी श्री किशोर भल्ला की धर्मपत्नी श्रीमती राजरानी भल्ला (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री भूपाल सिंह- ग्राम महगवां डुमना रोड निवासी श्री भूपाल सिंह (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेन्दर सिंह राजपाल- मदनमहल निवासी श्री राजेन्दर सिंह राजपाल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रामचंद्र गौंड़- सुभाष नगर महाराजपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री रामचंद्र गौंड़ (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भूपिन्दर सिंह पाल- मदनमहल गुरूद्वारा रोड गुप्तेश्वरव वार्ड निवासी श्री भूपिन्दर सिंह पाल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ताराचंद राजपूत- गोराबाजार केंट निवासी श्री ताराचंद राजपूत (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आकाश चौधरी- रामनगर अधारताल रद्दी चौकी के पास निवासी श्री राम प्रसाद चौधरी के पुत्र श्री आकाश चौधरी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री तुलसीदास डोंगरे- जीवीएम रेसीडेंसी विजयनगर निवासी श्री तुलसीदास डोंगरे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कुंदन लाल विश्वकर्मा- दशमेश द्वार के पास मदनमहल निवासी श्री कुंदन लाल विश्वकर्मा (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ने मजदूरों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा भारत माता चौक सदर में मजदूरों के हितार्थ नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। बताया गया अत्यधिक नशा गुटखा, तंबाकू, सिगरेट, शराब, गाँजा और स्मैक ये जीवन में कैंसर, किडनी संक्रमण, लीवर संक्रमण और अन्य बीमारियां लाते हैं जिससे शारीरिक हानि होती है, जिससे न केवल एक व्यक्ति, बल्कि पूरा परिवार भी बहुत मानसिक, शारीरिक, आर्थिक रूप से परेशान होता है। कार्यक्रम में आज मजदूरों को एक मज़बूत राष्ट्र निर्माण के लिए नशा छोड़ने की शपथ भी दिलाई गई। इस आयोजन में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में डॉ. अजय वाधवानी, सुंदर अग्रवाल, वरिष्ठ समाज सेवक एड. आशीष त्रिपाठी, एड. भावना निगम, डॉ. ऋषि बवारिया, डॉ अभिषेक जैन, अमरचंद बवारिया सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

In The Court Of VI Additional District and Session Judge, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: विपिन सिंह भदौरिया
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु).(MJC GW/0000021/2025)
श्रीमति सविता राव..........................वादी Vs
रमिया राव....................... प्रतिवादी
Process Id-/2025
प्रेषिती- पेशी दिनांक :- 20/08/2025
(1) आम जनता पता- पता जबलपुर मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी श्रीमति सविता राव ने आपके विरूद्ध एम जे सी जीडब्लू आवेदन पत्र धारा 8 उपधारा 2. हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षता अधिनियम 1956 अवयस्क की सम्पत्ति की विक्रय की स्वीकृति बावत। के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 17 July 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है !

मुद्रा
विपिन सिंह भदौरिया
षष्टम् अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला जबलपुर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें- 1. यदि कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

In The Court of XVI Additional and Session Judge, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: सचिन ज्योतिषी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु। जबलपुर (म.प्र.) (MJC/0000485/2025)
सुनील कुमार जाटव...........वादी Vs
श्रीमति बबीता जाटव.............प्रतिवादी
Process Id-/2025
पेशी दिनांक :- 13/08/2025
प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- जबलपुर मप्र

यह कि प्रार्थी सुनील कुमार जाटव ने आपके विरूद्ध एमजेसी सिविल । अपील अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता । के लिए बाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो. और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगें तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 12 July 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है ।

मुद्रा
न्यायाधीश
सचिन ज्योतिषी
सोलहवें जिला न्यायाधीश जबलपुर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य-दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

अवैध प्लाटिंग पर होगी सख्ती, एफआईआर के साथ निर्माण किया जाएगा ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के शहरी इलाकों में अब अवैध प्लाटिंग पर सख्ती की जाएगी। इस तरह के मामले सामने आने पर सबसे पहले एफआईआर करवाई जाएगी। यही नहीं, अगर अवैध स्थल पर कोई निर्माण कर लिया गया है, तो उसे भी तुरंत ध्वस्त कर दिया जाएगा। यही नहीं, इस तरह की अवैध प्लाटिंग के लिए नक्शा पास करने वाले अधिकारी और बिजली कनेक्शन की अनुमति देने वाले अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई करने कहा गया है।

खास खबर

सभी नगरीय निकायों को सरकार का आदेश

अब मामला आते ही होगी ये कार्रवाई

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने अवैध प्लाटिंग कॉलोनी निर्माण के प्रकरणों के संज्ञान में आते ही कार्रवाई का आदेश दिया है। विभाग का कहना है कि अवैध कॉलोनी निर्माण करने वाला या कोई अन्य व्यक्ति, जो कालोनी स्थापित करने के उद्देश्य से, अपनी भूमि को या किसी अन्य व्यक्ति की भूमि को, भू खण्डों में विभाजित करता है, के विरूद्ध विधि सम्मत यथा एफआईआर दर्ज की जाये।

जब्त होगी निर्माण सामग्री

अवैध प्लाटिंग स्थल पर किये गये निर्माण संरचना जैसे रोड प्लींथ अन्य निर्माण को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए पूर्णतः ध्वस्त कर, निर्माण सामग्री की जब्ती कार्यवाही की जाये। यही नहीं यदि किसी अधिकारी कर्मचारी द्वारा अवैध प्लाटिंग कॉलोनी पर भवन का नक्शा स्वीकृति या विद्युत जल प्रदाय संयोजन की अनुमति दी जाती है, तो उनके विरूद्ध छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। आदेश में कहा गया है कि अवैध प्लाटिंग कॉलोनी निर्माण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के लिए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं नगर तथा ग्राम निवेश विभाग को भी सूचना दी जाए। साथ ही छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम तथा नगर पालिका (कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण, निबंधन नियम, 2013 के तहत कार्रवाई करने कहा गया है।

इस संबंध में राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को आदेश जारी कर दिया है। सरकार का कहना है कि प्रायः यह देखने में आया है कि निकाय क्षेत्रांतर्गत अवैध प्लाटिंग कॉलोनी निर्माण करने वालों के विरुद्ध कई शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जबकि ऐसे प्रकरणों में नगर पालिक निगम क्षेत्र के लिए छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 तथा नगर पालिका परिषद नगर पंचायत क्षेत्र के लिए छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम तथा नगर पालिका (कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण, नियम, 2013) के अंतर्गत कार्रवाई का प्रावधान है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बेल नहीं दी जा सकती

शराब घोटाला मामले में कवासी लखमा को नहीं मिली जमानत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले केस में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत नहीं दी जा सकती। मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद वर्मा की बेंच में हुई। ध्यान रहे कि ईडी ने लखमा को 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही शराब घोटाले के केस में ईओडब्ल्यू ने भी केस दर्ज किया है, जिसकी जांच के बाद चार्जशीट पेश किया गया है। इस मामले में भी ईओडूल्यू ने गिरफ्तार किया है।पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने अपने वकील हर्षवर्धन के माध्यम से अलग-अलग याचिका दायर की है। शुक्रवार को ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी के केस में जमानत पर सुनवाई हुई। जिसमें तर्क दिया गया कि साल 2024 में केस दर्ज किया गया था, जिसमें डेढ़ साल बाद गिरफ्तारी की गई है, जो गलत है। इस दौरान लखमा का कभी पक्ष ही नहीं लिया गया लेकिन, जब उन्हें गिरफ्तारी का शक हुआ और अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई, तब गिरफ्तार कर लिया गया। याचिका में यह भी कहा गया कि केवल बयानों के आधार पर उन्हें आरोपी बनाया गया है, जबकि, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। पूर्व मंत्री ने राजनीतिक षडयंत्र के तहत फंसाने का आरोप लगाया है।

कुलपतियों के साथ विमर्श में बोले राज्यपाल

शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर दो माह में पेश करें रोडमैप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल और कुलाधिपति रमेन डेका ने शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कुलपतियों से दो माह के भीतर रोडमैप मांगा है। उन्होंने शनिवार को राजभवन में कुलपतियों के साथ विचार-विमर्श कर छात्रों के हित के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस भारती दासन विशेष रूप से उपस्थित थे। राज्यपाल ने कुलपतियों को निर्देशित किया है कि जिस कोर्स में छात्र और शिक्षक नहीं है, उन्हें बंद किया जाएं। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से कहा कि वे मैनेंजमेंट के साथ बैठक कर गुणवत्ता सुधार की कार्ययोजना बनाकर सितम्बर माह में उपलब्ध कराएं। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मापदंडों एवं नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों के लिए पोर्टल बनाया जाएगा जिसमें एडमिशन से लेकर हर गतिविधियों को विश्वविद्यालय अपलोड करेंगे। उन्होंने कहा कि जो विश्वविद्यालय नेक ग्रेडिंग के लिए पात्र हो चुके है वे अनिवार्य रूप से ग्रेडिंग की प्रक्रिया में शामिल हो। राज्यपाल डेका ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में विद्यार्थी को भी जागरूक किया जाए। इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

भारतमाला प्रोजेक्ट में मुआवजा घोटाला चार आरोपियों को हाईकोर्ट ने दी जमानत

बिलासपुर। भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा घोटाला में जेल में बंद 4 आरोपी हरमीत खनूजा, उमा देवी तिवारी, केदार तिवारी और विजय जैन की नियमित जमानत अर्जी को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर ली है। सभी आरोपी पिछले तीन माह से रायपुर जेल में बंद थे। केस की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की सिंगल बेंच में हुई। जिसमें जल संसाधन विभाग के रिटायर्ड अमीन गोपाल राम वर्मा, नरेन्द्र कुमार नायक, खेमराज कोसले, पुनुराम देशलहरे, भोजराम साहू और कुंदन बघेल शामिल हैं। इस केस में अबतक 10 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस मामले में बीते अप्रैल माह में गिरफ्तार हरमीत खनूजा, विजय, उमा और केदार ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। इस मामले में हाईकोर्ट ने ईओडब्ल्यू से केस डायरी मंगाई थी। शुक्रवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान एडवोकेट सरफराज खान सहित अन्य वकीलों ने तर्क देते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ जमानत न देने का कोई वैधानिक कारण नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने दलीलों और दस्तावेजो की सुनवाई के बाद यह स्पष्ट करते हुए नियमित जमानत दी, कि यह कोई अंतरिम राहत नहीं है बल्कि, कानूनी अधिकार के तहत जमानत दी जा रही है।

तमनार थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस कर रही जांच

रेलवे ट्रैक के पास मिला वृद्ध का शव, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शनिवार की सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक बुजुर्ग की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला तमनार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मौहापाली निवासी जोगीराम राठिया 60 साल का शव सुबह रेलवे ट्रैक किनारे मिली है। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि जोगीराम राठिया की मानसिक स्थिति ठीक नही है। बीती दोपहर से वह घर से निकला था जो देर रात तक नही लौटा था। परिजन सुबह भी बुजुर्ग की तलाश में लगे थे। इसी बीच रेलवे ट्रैक के किनारे बुजुर्ग की लाश मिली। गांव के ग्रामीणों ने आशंका जाहिर करते हुए बताया कि संभवतः बुजुर्ग रेलवे ट्रैक किनारे चल रहा होगा। इसी बीच ट्रेन की ठोकर से उसकी मौत हो गई होगी। बुजुर्ग के सिर में चोट के भी निशान मिले है। बहरहाल इस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची तमनार पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालाघाट
ई-टेंडरिंग निविदा आमंत्रण

बालाघाट जिले के विकासखण्ड बिरसा में जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत पुनरीक्षित योजना के कार्यो की मुहरबंद निविदा प्रपत्र "अ 2.10" (प्रतिशत दर) मे एम.पी. टेण्डर्स पद्धति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आमंत्रित की जाती है जो कि एम.पी. टेण्डर्स सिस्टम पोर्टल के http://mptenders.gov.in द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निविदा प्रकिया की जावेंगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-टेरिंग पद्धति क्रमांक	निविदा क्रमांक / आमंत्रित दिनांक	कार्य की अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	धरोहर राशि राशि (अर्नेस्ट मनी) रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा प्रपत्र क्रय करने की एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	ऑन लाईन खुलने की तिथि	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2025_PHED_437863_1	06/17.07.2025	272.56	272560/-	15000/-	6 माह	05/08/2025	07/08/2025	लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन

निविदा आमंत्रण सूचना, विस्तृत विवरण एवं Key dates की जानकारी वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है ।

नोट :- 1- सभी इच्छुक ठेकेदार ई-टेंडरिंग पोर्टल (http://mptenders.gov.in) में पंजीयन करायें । 2- निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनो को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा । यह संशोधन केवल http://mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जायेगें निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क क्रेडिट कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाईट पर भुगतान कर केवल ऑन लाईन पर ही क्रय किये जा सकते है ।विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।

कार्यपालन यंत्री
G-15904/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार" लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालाघाट (म.प्र.) (07632-241131)

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
Municipal Corporation Chhindwara

Add. - In front of shukla ground, guraiya road ward no. 39, Chhindwara (M.P.) 480001
Tel. - 07162-222346
E-mail- commchhindwara@mpurban.gov.in

क्रमांक/2413/रा.शा./न.पा.नि./2025 छिन्दवाड़ा, दिनांक 16/7/2025

।। निकाय स्वामित्व के विभिन्न कॉम्पलेक्सों की दुकानों का अन्तरण किये जाने निविदा सूचना ।।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि निकाय स्वामित्व के विभिन्न कॉम्पलेक्सों की दुकानों का अन्तरण मध्यप्रदेश नगरपालिका अचल सम्पत्ति का अन्तरण नियम में दिये गये प्रावधान अनुरूप निर्धारित शर्तों के अधीन 30 वर्ष की लीज पर अंतरण किये जाने हेतु लम्प-सम्प दर पर ऑन-लाईन निविदा बुलाई जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाता जो वेबसाईट में पंजीकृत है, इस निविदा में दरें प्रस्तुत कर सकते है। अन्तरण से संबंधित नियम, शर्तें एवं आरक्षण से संबंधित जानकारी एवं अन्य विवरण कार्यालयीन दिवस में राजस्व (दुकान) शाखा में देखी जा सकती है। आरक्षित दुकान में भाग लेने हेतु जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। विवरण निम्नानुसार हैः-

स्थलः- पुरानी सब्जी मंडी, दीनदयाल पार्क के पास स्थित कॉम्पलेक्स में प्रथमतल की 02 दुकानें

टेण्डर क्रं0	दुकान क्रं0	साईज (वर्ग फीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383738_4	16	160	17,05,000	1,75,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383739_4	17	160	17,00,000	1,70,000	1,000	अनारक्षित

स्थलः- पुरानी सब्जी मंडी, सुलभ शौचालय के पास स्थित कॉम्पलेक्स में प्रथमतल की 02 दुकानें

टेण्डर क्रं0	दुकान क्रं0	साईज (वर्ग फीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383741_4	03	254	23,00,000	2,30,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383742_4	04	310	23,30,000	2,35,000	1,000	अनारक्षित

स्थलः- राजीव गांधी ऑटो वर्क्स, मलिक नर्सिंग होम के पास दुकान क्रमांक 20 एवं 21 के मध्य की सीढ़ी वाली दुकान

टेण्डर क्रं0	दुकान क्रं0	साईज (वर्ग फीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383744_4	20/A	68.62	10,13,000	1,20,000	1,000	अनारक्षित

स्थलः- पूर्व मथुरा प्रसाद स्कूल से लगी हुई राज टॉकीज रोड पर स्थित कॉम्पलेक्स में प्रथमतल की 02 दुकानें

टेण्डर क्रं0	दुकान क्रं0	साईज (वर्ग फीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383753_4	05	205	10,00,000	1,00,000	1,000	अनुसूचित जाति
UAD_2024_383754_4	09	205	10,00,000	1,00,000	1,000	अनुसूचित जनजाति

स्थलः- मोहबे मार्केट प्रथमतल की 01 छत

टेण्डर क्रं0	दुकान क्रं0	साईज (वर्ग फीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
	13	194	24,00,000	6,00,000	1,000	अनारक्षित

स्थलः- इमलीखेड़ा चौक बैतूल रोड स्थित ब्लॉक ए कॉम्पलेक्स की 01 दुकान

टेण्डर क्रं0	दुकान क्रं0	साईज (वर्ग फीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_366186_4	02	220	22,50,000	2,25,000	1,000	अनारक्षित

स्थलः- इमलीखेड़ा चौक नागपुर रोड स्थित कॉम्पलेक्स की 03 दुकानें

टेण्डर क्रं0	दुकान क्रं0	साईज (वर्ग फीट में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
UAD_2024_383742_3	20	280	12,00,000	1,20,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383747_3	29	280	12,00,000	1,20,000	1,000	अनारक्षित
UAD_2024_383749_3	39	246	20,00,000	2,00,000	1,000	अनारक्षित

नोटः- 1. नीलामी से संबंधित अन्य नियम व शर्तें https://www.mptenders.gov.in एवं राजस्व शाखा में (अवकाश दिवस छोड़कर) कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है। 2. ऑन-लाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 08/08/2025 समय सायं 17:30 बजे तक है।

आयुक्त
नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा

हज जाने के दौरान किया कब्जा

80 वर्षीय बुजुर्ग ने बेटे से घर वापस दिलाने शुरू की भूख हड़ताल

गरियाबंद। अपनी ज़िंदगी भर की कमाई से बनाए घर से बेदखल किए जाने के बाद, 80 वर्षीय बुजुर्ग अहमद बेग ने न्याय की गुहार लगाते हुए जिला मुख्यालय के गांधी चौक पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। उनका संकल्प है कि जब तक उन्हें उनका हक नहीं मिलेगा, वे अन्न-जल ग्रहण नहीं करेंगे, चाहे उनकी जान ही क्यों न चली जाए। मैनपुर खुर्द निवासी अहमद बेग ने 40 साल पहले अपनी मेहनत की कमाई से 25 डिसमिल जमीन खरीदी थी और उस पर अपना घर बनाया था। इस जमीन पर 2022 तक एक स्कूल भी किराए पर चल रहा था। 5 जुलाई 2024 को एसडीएम ने एक आदेश जारी कर इस जमीन को कब्जा मुक्त कराया था। हालांकि, जब अहमद बेग हज यात्रा पर गए हुए थे, तभी उनके बड़े बेटे साजिद बेग ने ताला तोड़कर दोबारा घर पर कब्जा कर लिया। अहमद बेग का कहना है कि उन्होंने थाने से लेकर एसडीएम और जिला प्रशासन तक सभी जगह गुहार लगाई, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। आखिरकार, थक-हारकर उन्हें गांधी मैदान पर भूख हड़ताल का रास्ता चुनना पड़ा। इस संघर्ष में उनकी बेटी साहिना बानो (48), छोटे बेटे रिजवान बेग और बहू भी उनके साथ डटे हुए हैं।

न्याय नहीं तो मौत को गले लगाऊंगा- अहमद बेग ने अपने पत्र में लिखा है मेरे बेटे ने मुझे बेघर कर दिया है। अगर मुझे इंसाफ नहीं मिला, तोभूख हड़ताल में अपनी जान दे दूंगा।

प्रशासन हरकत में- मैनपुर तहसीलदार रमेश मेहता और गरियाबंद तहसीलदार चितेश देवांगन मौके पर पहुंचे। बुजुर्ग को आश्वासन दिया कि 18 जुलाई को कार्रवाई कर अहमद बेग को उनका घर दिलाया जाएगा।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) सिवनी (म.प्र.)।

E-mail ID- modgmseo@mp.gov.in

क्रमांक/खनिज / उ.प./1/374096/2025 सिवनी, दिनांक 17-07-2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री राकेश कटरे आ० श्री राधेश्याम कटरे, नि. मेहरापिपरिया, तह. व जि. सिवनी म.प्र. द्वारा उत्खनि पट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 01.05.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक/खनिज / उ.प./1/285949/2025 सिवनी दिनांक 03.06.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र हेतु पुनः दिनांक 01.08.2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन आनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं ।आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे ।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजि	खनिज का नाम	रिमॉर्क
सिवनी	सिवनी	बाड़ीवाड़ा	80/2	1.02 हे.	शासकीय भूमि	मुरम	
			कुल रकबा	1.02 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है । 2.यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आषय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3.यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा । 4.यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5.निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जायेगा ।

सहायक खनि अधिकारी
वास्ते कलेक्टर, सिवनी

जी-15915/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से तेल खरीदने वालों पर 500 फीसदी टैरिफ की धमकी के बाद अमेरिका की धरती से ही नाटो ने भारत, चीन व ब्राजील को धमकीभरी चेतावनी दी है कि रूस से व्यापार जारी रखने पर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के सदस्य देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाया जाएगा। नाटो के महासचिव मार्क रूट के ऐलान के बाद भारत ने भी बड़े तीखे शब्दों में जवाब दिया कि नाटो का दोहरापन नहीं चलेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय ने नाटो द्वारा दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की है। नाटो के सदस्य रूस से तेल खरीदे व नाटो भारत को धमकी दे, ये नहीं चलेगा। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। पेश है एक विश्लेषण...

नाटो की धमकी से भारत विचलित नहीं

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है।

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन संक्षेप में कहें तो नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने अमेरिकी सीनेटर टॉम टिलिस और जीन शाहीन के साथ संयुक्त रूप से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में एक प्रेस कांफ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मार्क रूट द्वारा टैरिफ आयद करने पर दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि तेल आयात के प्रश्न पर भारत वस्तुतः बाजार और दुनिया के हालात से निर्देशित होता है।

भारत द्वारा दोहरा मापदंड अपनाए जाने का जो संगीन इल्जाम नाटो सैन्य संगठन पर आयद किया गया है, उसका तथ्यात्मक आधार यह है कि तुर्किये जो कि नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश है, के भी बड़े कारोबारी रिश्ते रूस के साथ कायम रहे हैं। तुर्किये रूस से बड़ी मात्रा में आयल भी आयात करता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रूस की ऊर्जा के अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए एक वित्तीय माध्यम के तौर पर काम करता रहा है। यूरोप के तकरीबन सभी देश भारत द्वारा रूस के क्रूड आयल से रिफाइन तेल विगत तीन वर्षों से निरंतर खरीदते रहे हैं। अमेरिका खुद भी बड़े पैमाने पर रूस से यूरेनियम की खरीदारी करता रहा है। इन तमाम देशों पर ना तो प्रेसिडेंट ट्रंप ने और ना ही नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने एक बड़ा अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी दी है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी आवश्यकता का तकरीबन 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। आजकल भारत अपने कुल आयात का तकरीबन आधा तेल रूस से खरीद रहा है।

रूट की टैरिफ आयद करने की धमकी

नाटो के सेक्रेटरी जनरल और नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूट यह भी फरमाते हैं कि भारत, चीन और ब्राजील तीनों देशों के सर्वोच्च लीडरों को रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत करके उनको युद्ध खत्म करने के लिए रजामंद करना चाहिए। मार्क रूट का यह कैसा विकट अंदाज ए बयां है, कि जिसमें कोई कूटनीतिक आग्रह नहीं है, वरन सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने की धमकी का विषाक्त धुआं उठता हुआ प्रतीत हो रहा है। विश्व पटल पर यह कैसा

विकराल दौर आ गया है जब कि भारत के साथ मित्रता का दम भरने वाले अमेरिका और यूरोप के अन्य नाटो देश भारत के साथ किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय प्रश्न पर कूटनीतिक बातचीत करने के स्थान पर सार्वजनिक तौर पर भारत के विरुद्ध धमकी भरे अंदाज में सौ प्रतिशत टैरिफ नाफ़िज़ करने का ऐलान कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति आई है, जब से कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर दूसरी पारी में आसीन हुए हैं। राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के एकदम बाद उन्होंने दावा किया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करा देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक तौर पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध खत्म करने के लिए अपने दबाव में नहीं ले पाए। इसके विपरीत रूसी फ़ौज द्वारा यूक्रेन पर भीषण सैन्य आक्रमण शुरू कर दिए गए। फिर क्या था, राष्ट्रपति ट्रंप ने बौखला कर रूस के साथ गहन मित्रता रखने वाले ब्रिक्स देश भारत, चीन और ब्राजील पर अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी भरा ऐलान कर दिया।

अमेरिका के हाथों की कठपुतली है नाटो

सर्वविदित है कि नाटो सैन्य संगठन में 32 सदस्य देश हैं, जिनमें यूरोपीय यूनियन के 23 देश शामिल हैं, किंतु नाटो का तकरीबन 70 प्रतिशत खर्च अमेरिका वहन करता है। अभी हाल ही में यूरोप के नाटो देशों पर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा यह दबाव डाला गया कि ये देश अपने जीडीपी का कम से कम पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को फंड प्रदान करेंगे। अभी तक केवल अमेरिका के अतिरिक्त अन्य नाटो देश अपनी जीडीपी का केवल ढाई प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को मुहैया कराते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देश को भी यह धमकी दी थी कि यदि वह ऐसा नहीं करेंगे तो अमेरिका नाटो सैन्य संगठन को तत्काल छोड़ देगा। उल्लेखनीय है कि जी-7 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों के मध्य जबरदस्त तकरार हो गई थी। आखिरकार रूस के संभावित सैन्य हमले से भयभीत हो रहे यूरोप के कुछ नाटो देश अपनी जीडीपी का पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को प्रदान करने के लिए राजी भी हो गए हैं। ऐतिहासिक तौर पर नाटो संगठन वस्तुतः अमेरिका के हाथों की कठपुतली बना रहा है।

बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हुआ

उल्लेखनीय है कि 4 अप्रैल सन् 1949 को 12 देशों द्वारा नाटो सैन्य संगठन की बुनियाद रखी गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के तत्पश्चात विश्व दो शक्तिशाली सैन्य गुटों में विभाजित हो गया था। कोल्ड वॉर का सैन्य तनाव का खतरनाक दौर प्रारंभ हो चुका था। सोवियत यूनियन के नेतृत्व में वारसा सैन्य पैक्ट अस्तित्व में आ चुका था। सन् 1991 में इतिहास ने जबरदस्त पलटा खाया और सोवियत यूनियन एकदम बिखर गया। इसके साथ ही वारसा सैन्य पैक्ट का भी अंत हो गया।

इस बुनियादी परिवर्तन के बावजूद अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन बाकायदा बरकरार बना रहा। विश्व पटल पर सोवियत पराभव के बाद अमेरिका एक ध्रुवीय विश्व शक्ति बन गया। परिणामस्वरूप अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश सीनियर ने सद्दाम हुसैन के इराक पर ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म के तहत 17 जनवरी 1991 को धावा बोल दिया। सन् 1996 में नाटो सेना ने बोस्निया और हर्जेगोविना पर बम बरसाए थे। सन् 2001 में अफगानिस्तान पर और सन् 2003 में अमेरिका की कयादत में आक्रमण अंजाम दिया। 21वीं सदी में चीन के सैन्य और आर्थिक शक्ति के तौर पर जबरदस्त उभार ने विश्व पटल पर शक्ति संतुलन की तस्वीर बदल कर रख दी। अब विश्व पटल पर अमेरिका एक ध्रुवीय शक्ति नहीं रह गया है, बल्कि बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हो चुका है।

अमेरिका के उकसावे में हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध

राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस भी एक बड़ी सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित हो गया है। फरवरी वर्ष 2022 में प्रारंभ हुए रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस के विरुद्ध सैन्य उकसावे की कार्रवाई वस्तुतः अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा ही प्रारंभ की गई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बनने के लिए एक दरख्वास्त पेश की, जिस पर विचार करने के लिए नाटो देश एकदम रजामंद हो गए।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यदि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बना लिया गया तो फिर रूस की सरहद पर नाटो के फौजी दस्ते तैनात हो जाएंगे और रूस की सुरक्षा गंभीर तौर पर खतरे में पड़ जाएगी। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश नहीं बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रपति पुतिन के इस आग्रह को नाटो देशों ने एकदम अस्वीकार कर दिया। यही कारण था कि यूक्रेन पर रूस की सेना द्वारा आक्रमण अंजाम दिया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन का सोच विचार था कि अफगानिस्तान युद्ध की तरह रूस को कमजोर करने के लिए यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में उलझा दिया जाए। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा इस समस्त षड्यंत्र को अंजाम दिया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध को तकरीबन तीन वर्षों से अधिक का वक्त बीत चुका है, किंतु अभी तक यह युद्ध किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाया है। भारत प्रारंभ से ही रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक बातचीत की पुरजोर पैरवी करता रहा है और भारत ने इस भीषण युद्ध को समाप्त कराने के लिए कूटनीतिक मध्यस्थता करने की भी पेशकश की थी।

कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश

आज के दौर में क्या इतिहास खुद को दोहराने लगा है। दुनिया फिर से दो सैन्य गुटों में स्पष्ट रूप से विभाजित होती हुई दिखाई दे रही है। कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश रहा और आज भी गुटनिरपेक्ष देश है। भारत एक तरफ रूस और चीन के साथ ब्रिक्स का सदस्य देश है। दूसरी तरफ क्वॉड मोर्चे में अमेरिका और जापान के साथ सदस्य देश है। किसी सैन्य गुट में शामिल हुए बिना भारत अपने राष्ट्रीय हितों की पैरवी और सुरक्षा करता है। लेकिन भारत किसी अन्य देश के राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुंचाने की कदाचित कोशिश भी नहीं करता। राष्ट्रपति पुतिन पर सैन्य दबाव कायम करने के लिए प्रेसिडेंट ट्रंप ने यूक्रेन की फौज को ऐसी लॉन्ग रेंज मिसाइल देने का निर्णय लिया है, जोकि रूस की राजधानी मास्को को निशाना बना सकें। राष्ट्रपति ट्रंप की आखिरकार युद्ध समाप्त करने की कैसी कारगर रणनीति है? अथवा तृतीय विश्व युद्ध का आगाज करने की सैन्य धृष्टता है?

राष्ट्रपति ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय रणनीति के विरोध में यूरोप में आंतरिक तौर पर निरंतर विरोध और आक्रोश रहा है। फ्रांस और जर्मनी प्रेसिडेंट ट्रंप की रणनीति से एकदम सहमत नहीं है। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। अमेरिका और नाटो द्वारा की जा रही भारत विरोधी और शत्रुतापूर्ण घोषणाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर चुप्पी साधे हुए हैं आखिर क्यों? भारत पर अंजाम दिए जा रहे प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय आक्रमण पर क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना स्पष्ट नजरिया पेश नहीं करना चाहिए?

भारत ने नाटो को दिया करारा जवाब

कूटनीति
सुनील अमर
वरिष्ठ पत्रकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बीते बुधवार को कहा है कि भारत, ब्राजील और चीन रूस पर दबाव बनाएं कि वह यूक्रेन में युद्ध बन्द करे। उन्होंने धमकी दी है कि ये देश अगर ऐसा नहीं करते तो इन पर भारी टैरिफ लगाया जाएगा क्योंकि ये तीनों देश रूस से तेल खरीद कर उसे आर्थिक रूप से मजबूत कर रहे हैं। रूट चाहते हैं कि भारत, ब्राजील और चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करके कहें कि वे यूक्रेन से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो जाएं। रोजमर्रा के समाचार पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति यह समझ सकता है कि नाटो महासचिव के मुंह से किसकी आवाज निकल रही है।

असल में यह धमकी रूट (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) की नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की है। अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ लेने से काफी पहले से ही वे यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति रोकने तथा युद्ध बन्द कराने व दुनिया के तमाम देशों पर टैरिफ का चाबुक चलाने की घोषणा कर रहे हैं। दिक्कत यह है कि बड़बोले ट्रम्प ऐसा कुछ तो कर नहीं पाये, उल्टे इजरायल की पीठ ठोंक कर ईरान व सीरिया पर अलग से हमला करवा दिया। एक तरफ तो वे शांति का नोबल पाने को किसी बच्चे की तरह लालायित दिखते हैं तो दूसरी तरफ अपने बगलबच्चे (नाटो को वाशिंगटन ट्रीटी भी कहा जाता है) नाटो की मार्फत वे इसके सदस्य देशों से अपील करते हैं कि युद्ध के लिए सहयोग राशि व हथियारों की मात्रा बढ़ाई जाए ताकि यूक्रेन को मदद की जा सके। ज्ञात हो कि नाटो को उसके सदस्य देश अपनी जीडीपी की दो प्रतिशत धनराशि तथा हथियार आदि सहयोग के रूप में देते हैं। वैश्विक चौधरी बनने की अपनी आदत से मजबूर अमेरिका इस बार यूक्रेन में जाकर फंस गया है और अब वहां से येन-केन प्रकारेण निकलना चाहता है और इसके लिए वह तमाम तरह की कोशिशें कर रहा है।

रूस पर दबाव बनाने का प्रयास

शपथ ग्रहण करने के कुछ दिन बाद ही उन्होंने न सिर्फ यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी को व्हाइट हाउस बुलाकर अंतराष्ट्रीय मीडिया के सामने अशोभनीय तरीके से बहस कर अपमानित किया बल्कि सारी युद्धक सहायता रोकने तथा अब तक की गई समस्त प्रकार की मदद की कीमत वसूलने की भी घोषणा कर दी। रूस पर दबाव बनाने की हर संभव कोशिश की और जब रूस नहीं माना तो हार कर ट्रंप ने जेलेन्सकी को दुबारा युद्धक मदद देनी शुरू कर दी। ट्रंप और नाटो दोनों को समझ में आ गया है कि व्यापार प्रतिबन्ध, टैरिफ की धमकी व इस तरह के अन्य प्रतिबन्धात्मक उपायों से बात बनने वाली नहीं है तो वे अब उन देशों को टारगेट कर रहे हैं जो रूस के बड़े व्यापार सहयोगी हैं।

नाटो का सदस्य नहीं है भारत

हास्यास्पद यह है कि नाटो महासचिव ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानों वे स्वयं अमेरिका के राष्ट्रपति हों! वे यह भूल गये लगते हैं कि उनका आदेश/ निर्देश महज नाटो के 32 सदस्य देशों पर ही चल सकता है। भारत, चीन और ब्राजील नाटो के सदस्य नहीं हैं। दूसरी तरफ, रूस से तेल खरीदने या अन्य तरह का व्यापार करने वाले

सिर्फ यही तीन देश नहीं हैं। नाटो के कई सदस्य देश जैसे- तुर्किये, हंगरी, स्लोवाकिया, आस्ट्रिया, बेल्जियम व चेक गणराज्य तथा जर्मनी भी रूस से कच्चा तेल व गैस खरीद रहे हैं। चेक ने अभी इसी महीने से तेल खरीदना बन्द किया है और जर्मनी सीधे नहीं बल्कि फ्रांस व बेल्जियम के रास्ते से गैस खरीदता है। नाटो अपने इन सदस्य देशों को रूस से तेल या गैस खरीदने को वर्जित क्यों नहीं करता? यह सही है कि भारत और चीन रूस से तेल खरीदने वाले बड़े देश हैं। रूस के सकल तेल उत्पादन का लगभग 47 प्रतिशत अकेले चीन तथा 38 प्रतिशत भारत खरीदता है। तुर्किये ने तो अभी बीते जून माह में ही रूस से चार लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदा है जो काला सागर के बन्दरगाहों तथा पाइप लाइनों के माध्यम से पहुंचता है। नाटो देश हंगरी ने तो रूस से अपनी तेल खरीद को और बढ़ाकर 61 प्रतिशत से 86 प्रतिशत कर दिया है, वहीं स्लोवाकिया तो अपनी जरूरत का सारा तेल ही रूस से खरीद रहा है। आस्ट्रिया और बेल्जियम यद्यपि रूस से सीधे तेल नहीं खरीद रहे हैं लेकिन वे इस कच्चे तेल को भारत या तुर्किये में रिफाइन्ड कराकर वहां से ले रहे हैं। नाटो महासचिव ने अपने इन सदस्य देशों को कोई चेतावनी कभी नहीं दी। यही इनका दोहरा मानदण्ड है। यूक्रेन युद्ध के बाद से अमेरिका ने जब रूस पर तमाम तरह के व्यापार प्रतिबन्ध लगाए तो रूस ने अपने कच्चे तेल व गैस की कीमतें काफी कम कर दीं और यही कारण है कि आज रूस प्रतिदिन 70 लाख बैरल से अधिक तेल बेच रहा है और इसी को रोककर रूस को आर्थिक चोट पहुंचाना ही ट्रंप का लक्ष्य है। रूस के साथ भारत का सम्बन्ध सिर्फ तेल खरीदने का ही नहीं हैं। दशकों से रूस भारत का एक भरोसेमन्द रक्षा सहयोगी भी है और भारत इस रक्षा सहयोग को दांव पर कभी नहीं लगाना चाहेगा।

दूसरे, रूस यद्यपि तेल खरीद में भारतीय मुद्रा रुपया को स्वीकार नहीं करता लेकिन बाकी अन्य प्रकार के व्यापार में रूस रुपये और रुबल (रुसी मुद्रा) में भुगतान लेता है और यह भारत के लिए काफी राहत की बात रहती है। नाटो महासचिव की चेतावनी के बाद भारत के विदेश विभाग तथा केन्द्रीय पेट्रोलियम मन्त्री ने स्पष्ट कर दिया कि भारत के पास तेल खरीद के कई सारे विकल्प हैं और भारत इस तरह का हस्तक्षेप और दोहरा मानदण्ड मानने को बाध्य नहीं है। उधर शंघाई में गत सप्ताह सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी दोहरे मानदंड की बात उठाते हुए पहलगाम की आतंकवादी घटना का जिक्र किया और कहा कि सदस्य देशों को बयानबाजी के बजाय क्रियान्वयन पर जोर देना चाहिये। गत माह जी-7 देशों की बैठक में जिस तरह प्रधानमन्त्री मोदी ने भी अमेरिका को साफ शब्दों में कहा था कि भारत-पाक युद्ध के सीजफायर में किसी तीसरे की भूमिका नहीं थी, आज भी उसी तरह स्पष्ट शब्दों में नाटो को भी जवाब देने की जरूरत है।

भारत सावधान और सतर्क रहे

रूस से तेल न खरीदने का दबाव तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी बनाया था लेकिन तब भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत अपने हितों की रक्षा कर सकता है। अमेरिका के टैरिफ वॉर की वजह से ही सही, भारत-चीन सम्बन्धों की बर्फ पिघलनी शुरू हुई है। गलवान घाटी की झड़प के बाद पहली बार भारत का कोई बड़ा राजनेता (विदेश मन्त्री) चीनी राष्ट्रपति से आमने-सामने मिला है। टैरिफ वॉर के चलते भारत-चीन व्यापार के नये आयाम खुलने के संकेत भी हैं। भारत सावधानी और सतर्कता दिखाये तो रूस से भी व्यापारिक लाभ बढ़ सकता है। ट्रंप अपनी चौधराहट खत्म होते देखकर बौखलाये हुए हैं और उनकी धमकी तथा चेतावनी का दौर चलता ही रहेगा। भारत को इसे गम्भीरता से लेने की जरूरत नहीं है। भारत अपने लिए सक्षम है।

धमकियों से उलझ रहे टैरिफ समझौते

इंडो-यूएस ट्रेड वार्ता
डॉ. एन. के. सोमानी
अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट द्वारा हाल ही में दी गई भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पेच सुलझाने की कवायद तेज हो गई है। समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के व्यापार प्रतिनिधि इस हफ्ते वाशिंगटन में बैठक कर सकते हैं। मीडिया में चल रही खबरों की मानें तो टैरिफ कटौती के मुद्दे पर कुछ बिन्दुओं को लेकर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका 15 से 20 प्रतिशत टैरिफ चाहता है जबकि भारत का कहना है कि टैरिफ की दर 10 प्रतिशत से कम हो।

कम टैरिफ पर नहीं मानेंगे ट्रंप

हालांकि, बौद्धिक संपदा अधिकार और बाजार तक पहुंच जैसी दीर्घकालिक चिंताओं को दूर कर लिया गया है लेकिन अब ट्रंप जिस तरह से फ्रंट फुट पर खेलते हुए एक के बाद एक देशों पर टैरिफ बम फोड़ रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि ट्रंप 10 प्रतिशत से कम टैरिफ के लिए शायद ही राजी हों। ऐसे में व्यापार प्रतिनिधियों के बीच होने वाली इस बैठक को काफी अहम कहा जा रहा है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। 2024 में भारत ने अमेरिका को 87.4 बिलियन डॉलर का निर्यात किया। भारत अमेरिका को जैविक रसायन, कपड़ा, इस्पात, मोती, विधुत मशिनरी और दवा उत्पाद आदि का निर्यात करता है। जबकि अमेरिका भारत से चमड़ा, कपड़ा, चिकित्सा उपकरण, कीमती रत्न और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का आयात करता है। अभी व्यापार संतुलन भारत के (अमेरिकी घाटा 45.7 बिलियन डालर) पक्ष में है। हालांकि, अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ की घोषणा किए जाने से पहले भारत ने बोरबॉन जैसे लक्जरी सामान और हार्ले डेविसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ में कटौती की। लेकिन इसके बावजूद अमेरिका का कहना है कि भारत की टैरिफ दरें अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले टैरिफ से कहीं अधिक हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की औसत टैरिफ दर 17 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह 3.3 प्रतिशत है। सबसे बड़ा टकराव कृषि क्षेत्र में है, जहां भारत की टैरिफ दर बहुत अधिक है। भारत में अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर औसतन शुल्क दर 37.7 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह दर 5.3 प्रतिशत है। प्रस्तावित व्यापार समझौते में यही सबसे पड़ा पेच है। भारत के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए ट्रंप भारत पर कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ कम करने का दबाव बना रहे हैं। वे चाहते हैं कि भारत सोयाबीन, मक्का, मिल्क पाउडर और डेरी उत्पादों पर लगने वाले भारी-भरकम आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उनके उत्पाद भारत के बाजार में आासानी से बिक सके। भारत अमेरिकी मक्का पर 61 फीसदी और दूध पाउडर पर 68 फीसदी टैक्स लगाता है। भारत कृषि प्रधान देश है। यहां आधी से अधिक आबादी खेती पर निर्भर है। कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ घटाने से देश के छोटे और सीमांत किसान अमेरिकी आयात की

चपेट में आ जाएंगे। अमेरिका में इन उत्पादों की लागत बहुत कम है। सस्ते आयात से भारत के किसानों के लिए अपनी फसल का सही दाम पाना भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में कृषि और डेयरी से जुड़े मुद्दों को लेकर अभी भारत सरकार संशय की स्थिति में है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कृषि और डेयरी उत्पादों के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं हो पाती है तो समझौते का क्या होगा। यदि समझौता नहीं हो पाता है तो भारत क्या करेगा। क्या भारत अमेरिका द्वारा घोषित 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क को चुपचाप स्वीकार कर लेगा या अमेरिका को काउंटर करने के लिए कोई प्लान-बी है। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था।

26 प्रतिशत शुल्क पर असमंजस

90 दिनों की अवधि 8 जुलाई को समाप्त हो गई है। अब एक अगस्त तक का सतय है। भारत चाहता है कि ट्रंप 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय वापस ले। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत सोयाबीन, मक्का, कार और शराब पर आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उसके उत्पाद भारत के बाजार में अपनी जगह बना सकें। अप्रैल में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान इन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया गया।

अब गेंद अमेरिकी पाले में

अंतिम परिणाम क्या रहा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, भारत ने प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है, अब गेंद पूरी तरह से अमेरिकी पाले में है। अगर अमेरिका भारत की चिंताओं पर नरम रुख अपनाता है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही समझौते का ऐलान हो जाएगा। सच तो यह है कि भारत-अमेरिका संबंधों में व्यापारिक गिला-शिकवा आपसी खींचतान का बड़ा कारण रहा है। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है कि समझौते का बड़ा मकसद भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों के बीच अगले पांच वर्षों में 250-270 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त व्यापार आवश्यक है। इसके लिए दोनों देशों को रक्षा और ऊर्जा जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों को बीटीए का हिस्सा बनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जेडी वेंस की मुलाकात के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति रक्षा सहयोग को गहरा करने और नवीनतम रक्षा उपकरणों विशेष रूप से एफ-35 लड़ाकू जेट खरीदने की पेशकश कर चुके हैं। इसके अलावा अमेरिका चाहता है कि भारत बड़े पैमाने पर उससे पेट्रोल खरीदे जिससे व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सके। बहरहाल, तमाम अन्तर्विरोधों के बावजूद अगर दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति बनती है तो यह भारत-अमेरिका संबंधों की दृष्टि से काफी अहम होगा। समझौते से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच व्यापार संबंध तो पुख्ता होंगे ही, साथ ही दोनों के बीच की रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हो सकेगी। दूसरा, व्यापक व्यापार समझौते के लागू हो जाने के बाद दोनों देश अपने द्विपक्षीय व्यापार को साल 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे। निसंदेह, दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध शिकवा-शिकायतों से भरे रहे हैं। वाशिंगटन नई दिल्ली पर कम टैरिफ का आरोप लगाता है जबकि भारत को अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी प्रतिबंधों की शिकायत रहती है। अब अमेरिका आधे से अधिक आयातों पर टैरिफ में कटौती करने के लिए खुला और लचीला दृष्टिकोण दिखा रहा है, उससे लगता है कि एक निष्पक्ष और भविष्योन्मुखी समझौता दोनों देशों के बीच की व्यापार बाधाओं को दूर कर सकता है।

जिले में पहली बार किन्नर समाज का हुआ राष्ट्रीय सम्मेलन

शबनम मौसी ने जीवित रहते किया मृत्युभोज का आयोजन

देशभर से जुटे लगभग 3000 किन्नर, अनूपपुर समेत देश प्रदेश के तरक्की की मांगी दुआ

हरिभूमि के साथ विशेष संवाद में पूर्व विधायक शबनम मौसी ने बताया महासम्मेलन का उद्देश्य

मनोज शुक्ला.अनूपपुर। एशिया महाद्वीप की प्रथम किन्नर जनप्रतिनिधि एवं पूर्व विधायक शबनम मौसी ने किन्नर परंपरानुसार मृत्यु से पूर्व रोटी समारोह (मृत्युभोज) यानि जीवनचारा का आयोजन कर अनूठी मिसाल पेश की है। 1998 मे उपचुनाव के दौरान शबनम मौसी ने सोहागपुर विधानसभा से चुनाव लडकर एक और इतिहास कायम किया था जब किसी भी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दल कांग्रेस, भाजपा की जमानत जप्त कर निर्दलीय चुनाव जीतकर विधायक बनी थीं। पूर्व विधायक बनीं शबनम मौसी ने बताया कि यह आयोजन किन्नर समाज की परंपरा का हिस्सा है, जिसमें वे अपनी मृत्यु से पहले ही मृत्युभोज संपन्न कर लेते हैं। आयोजन मे बहुचरा माता यानि किन्नरों की देवी की पूजा भी शामिल थी। इस महाभोज कार्यक्रम में बहुचरा माता की पूजा-अर्चना और सामाजिक मेलजोल का माहौल देखने को मिला।

किन्नरों की कलश यात्रा मे जगह-जगह हुये स्वागत

17 जुलाई को कलश यात्रा की शुरूआत सिद्धीविनायक पैलेस मे कुल माता बहुचरा माता व दुर्गा माता की पूजा अर्चना के साथ हुई जिसके बाद यह यात्रा शहर के प्रमुख मंदिरों से होते हुये आगे बढी, जिसमे सबसे पहले किन्नर समाज दुर्गा मंदिर पहुंचे जहां समाज की सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई वही सामतपुर मंदिर मे किन्नर समाज का भव्य स्वागत हुआ। कलश यात्रा मे झूमते नाचते किन्नरों का नजारा देखते ही बन रहा था। शहरवासियों ने फूल बरसाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान लगभग दस रथों मे सवार किन्नरों के गुरू चल रहे थे वही हजारों की संख्या मे किन्नर नाचते गाते कलश यात्रा मे सम्मिलित रहे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चुस्त रही। महासम्मेलन मे चावल रंगने की रस्म भी पूरी श्रद्धा से निभाई गई। यह बहुचरा माता को समर्पित एक परंपरा है जिसमे चावल, मेवा, शक्कर, दाल और घी से बने खिचडी को देवी को भोग लगाकर प्रसाद सभी किन्नरों को बांटा जाता है। बता दें कि यह ऐसी परंपरा है जो आमतौर पर किन्नर समाज के किसी सदस्य के निधन के बाद किया जाता है, लेकिन कई किन्नर इसे अपने जीवन काल मे ही पूरा कर लेते हैं ताकि समाज मे अपने पीछे एक सामाजिक पहचान छोड सकें। इस महासम्मेलन मे पूरे भारत से आये किन्नर समाज के लोगों ने न सिर्फ धार्मिक, सांस्कृतिक व आस्था का संगम दिखाया बल्कि अपने हक और अस्तित्व को लेकर एकजुट होकर समाज के सामने मजबूत संदेश भी दिया।

देश की प्रथम किन्नर विधायक की हरिभूमि से विशेष संवाद

देश की प्रथम किन्नर विधायक शबनम मौसी ने हरिभूमि अनूपपुर के जिला ब्यूरो मनोज शुक्ला के साथ विशेष बातचीत के दौरान बताया कि अखिल भारतीय किन्नर महा सम्मेलन के अवसर पर देशभर से लगभग 3000 किन्नर अनूपपुर में एकत्र हुए हैं। मौसी ने बताया कि यह परंपरा किन्नर समाज की मान्यता है, क्योंकि किन्नरों की कोई संतान नहीं होती, अतः वे जीते जी ही अपने अंतिम भोज का आयोजन करते हैं। उन्होने कहा कि मुझे जमीन से लेकर आसमान तक पहुंचाने मे अनूपपुर, शहडोल के लोगों का योगदान है, अनूपपुर समेत उनके विधानसभा क्षेत्र का वे कर्ज नही उतार सकतीं क्योंकि जितना प्यार, इज्जत जिला समेत संभाग वासियों ने दिया है वह कभी भुलाया नही जा सकता। उन्होने कहा कि मेरी किसी से कोई शिकवा शिकायत नही है, मैं जब तक जिंदा हूं अनूपपुर के लिए हूं, मैं यहां का कर्ज कभी नही उतार पाऊंगी। महासम्मेलन का नेतृत्व कर रहीं पूर्व विधायक किन्नर शबनम मौसी ने बताया कि इस महा आयोजन का उद्देश्य सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान ही नही बल्कि किन्नर समाज की समस्याओं पर गहन मंथन और सामाजिक समरसता की स्थापना भी है। मौसी ने बताया कि कलश यात्रा निकाली गई, जिसका उद्देश्य शहर में अमन, चैन और तरक्की की कामना है। यह कलश यात्रा किन्नर समाज की ओर से निकाली गई, जो समाज से आशीर्वाद और समृद्धि की कामना के साथ विभिन्न स्थानों गईं। मौसी ने कहा जब समाज समृद्ध होता है, तभी किन्नर समाज का भी भरण-पोषण संभव है।

किन्नर सम्मेलन और बाजार भी आयोजन

इस भव्य आयोजन के अंतर्गत किन्नर समाज के पूरे भारत से व्यापारी पहुंचे थे। जिनके द्वारा उपयोगी सामानों का बाजार भी लगाया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के लिए 15 बाउंसर, पुलिसकर्मी और स्वयंसेवक भी तैनात किए गए हैं। आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। हालिया विवादों पर प्रतिक्रिया देते हुए शबनम मौसी ने स्पष्ट किया कि हम किन्नर हैं, बधाई और आशीर्वाद के नाम पर धन मांगते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम लोगों की मदद भी करते हैं। यह हमारी जीवनशैली और परंपरा का हिस्सा है। किन्नर समाज का अगला राष्ट्रीय सम्मेलन 28 अगस्त से पंजाब के पटियाला मे आयोजित होगा।

परंपरा के नाम पर गलत संदेश व श्रद्धा के नाम पर हो रहे विकृतिकरण पर लगी रोक

नर्मदा मंदिर परिसर की दीवारों से मिटाया गया नाम

खबर का असर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पावन नर्मदा उद्गम स्थली अमरकंटक में स्थित मंदिर परिसर की दीवारों पर भक्तों द्वारा सिंदूर से लिखे गए नाम अब अतीत का हिस्सा बन चुके हैं। संस्कृति और श्रद्धा के नाम पर फैल रही इस अनौचित्यपूर्ण प्रवृत्ति पर अब प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट की सख्ती का असर साफ दिख रहा है। हाल ही में प्रकाशित समाचार के बाद संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मंदिर परिसर की दीवारों की पुताई और रंगाई करवा दी है। इस संबंध मे हरिभूमि ने 3 जुलाई को खबर का प्रकाशन कर जिला प्रशासन समेत मंदिर ट्रस्ट का ध्यान आकर्षण करवाया था।

प्रशासन और ट्रस्ट ने दिखाई तत्परता

मंदिर परिसर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे अमरकंठ महादेव, मां पार्वती मंदिर, भगवान विष्णु तथा गोरखनाथ मंदिर के पिछले हिस्सों में दूर-दराज से आने वाले तीर्थयात्री व श्रद्धालु पूजन-अर्चन के पश्चात दीवारों पर सिंदूर से अपने प्रियजनों के नाम हृदय की आकृति में अंकित कर रहे थे। यह दृश्य जहां एक ओर श्रद्धा का प्रदर्शन प्रतीत होता था, वहीं दूसरी ओर यह पवित्र स्थल की गरिमा और सौंदर्य को ठेस पहुंचा रहा था। इससे संस्कृति और परंपरा को लेकर भ्रम फैल रहा था। पूर्व में प्रकाशित समाचारों में स्पष्ट रूप से प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया गया था और आग्रह किया गया था कि इस पर शीघ्र रोक लगाई जाए, ताकि यह नकारात्मक परंपरा कोई सामाजिक स्वीकृति न पा सके। नतीजतन, प्रशासन और नर्मदा मंदिर ट्रस्ट ने गंभीरता दिखाते हुए तत्काल कार्रवाई की और दीवारों पर फैले सिंदूर, नामों और आकृतियों को मिटा कर समूचे परिसर की सौंदर्यवृद्धि की। जिला प्रशासन एवं मंदिर ट्रस्ट ने इस घटना को केवल एक सजावटी समस्या न मानते हुए, इसे धार्मिक स्थल की मर्यादा से जुड़ा विषय माना। ऐसी गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी और साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से लगातार श्रद्धालुओं को जागरूक किया जाएगा। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि जब समाज, मीडिया और प्रशासन एक स्वर में किसी विषय पर चिंतन करते हैं, तो उसके सकारात्मक परिणाम भी शीघ्र सामने आते हैं। धार्मिक स्थलों की गरिमा, शुचिता और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में यह एक आवश्यक एवं सराहनीय कदम है।

जिले में 108 एंबुलेंस ने निभाई अहम भूमिका, 223 पीड़ितों को पहुंचाया

प्रदेश में छः माह में 4205 लोग बने सर्पदंश के शिकार, सबसे ज्यादा सागर में, रीवा दूसरे नंबर पर

रीवा

मानसून की पहली दस्तक के साथ ही मध्यप्रदेश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में सर्पदंश (सांप के काटने) के मामलों में चिंताजनक तेजी देखी जा रही है। जनवरी से जून 2025 के बीच प्रदेश में कुल 4205 सर्पदंश के मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सागर जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां 311 केस सामने आए, जबकि रीवा दूसरे स्थान पर रहा जहां 223 मामले दर्ज हुए। हालांकि राहत की बात यह है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार मामलों में 15% की कमी दर्ज की गई है। जनवरी से जून 2024 के बीच 4933 मामले दर्ज किए गए थे, वहीं 2025 में यह आंकड़ा घटकर 4205 पर आ गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की तत्परता और 108 एंबुलेंस की मुस्तैदी इस गिरावट का प्रमुख कारण है। यूं तो सर्पदंश के केस हर मौसम में ही सामने आते हैं, लेकिन बारिश के दिनों में बढ़ जाते हैं। बारिश की वजह से बिलों में पानी भर जाने से सर्प बाहर निकलते हैं, और इधर-उधर भागते हैं। जून माह से ऐसे सर्पदंश के केस बढने लगते हैं। इन दिनों अस्पताल में लगभग प्रतिदिन सर्पदंश के केस आ रहे हैं। वर्ष 2025 के शुरुआती छह महीनों में पिछले साल की तुलना में लगभग 728 कम मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई से सितंबर के बीच आंकड़ा तेजी से बढ़ सकता है। बॉक्स संभाग में 606 लोगों को मिली समय पर मददरीवा संभाग में सर्पदंश के कुल 606 मामलों में 108 एंबुलेंस सेवा ने त्वरित कार्रवाई की।यह आंकड़ा बताता है कि कैसे आपातकालीन सेवाओं की सक्रियता ने मौत के आंकड़ों को काफी हद तक थामे रखा।संभाग के जिलों में सर्पदंश के मामले इस प्रकार रहे । रीवा व मऊगंज में 311 केस सतना-मैहर 111 केस,सीधी 102 केस,सिंगरौली 82 केस 108 सेवा से अधिकतर मरीजों को 45 मिनट के भीतर अस्पताल पहुंचा दिया गया जिससे समय पर इलाज संभव हुआ।बॉक्स सर्पदंश के बारिश के मौसम में बढ़ते हैं मामले जानकारों के अनुसार, मानसून में ज़मीन के अंदर बसे सर्पों के बिलों में पानी भर जाता है जिससे सांप बाहर निकलकर खुले स्थानों में या घरों के आसपास आ जाते हैं।खेतों में काम कर रहे लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को ये अधिक शिकार बनाते हैं। हर साल जून से सितंबर के बीच सर्पदंश के मामले तेजी से बढ़ते हैं। यही वह समय होता है जब हमें ग्रामीण इलाकों में ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत होती है। बॉक्सझाड़-फूंक बन रहा मौत का कारणस्वास्थ्य विभाग और विशेषज्ञों का मानना है है कि सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक कराने की आदत जानलेवा साबित हो रही है।अब भी बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंचने की बजाय तांत्रिक या ओझा के पास समय गंवा देते हैं।

एनडीआरएफ की टीम ने 24 घंटे में 13 लोगों का किया रेस्क्यू

महाना नदी का उफान, जनकहाई गांव बना टापू, छतों पर शरण लेने को मजबूर ग्रामीण

रीवा।

भारी बारिश और मेजा बांध के गेट खोले जाने के बाद महाना नदी अपने रौद्र रूप में आ गई है। इस जलप्रलय ने जवा थाना क्षेत्र के जनकहाई गांव के कुटिहा टोला को पूरी तरह से चारों ओर से घेर लिया। ग्रामीणों के घरों में पानी भर गया और हालात इतने विकट हो गए कि कई परिवार अपने घरों की छतों पर शरण लेने को मजबूर हो गए। प्रशासन को जैसे ही गांव में लोगों के फंसे होने की खबर मिली, तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करवाया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीमों ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से बीते 24 घंटे से फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, मेजा बांध के 10 गेट खोले जाने से महाना नदी के साथ-साथ टमस नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा। इससे जनकहाई गांव की ओर तेज बहाव के साथ पानी आने लगा। गांव में पहले से बहने वाली एक अन्य छोटी नदी का प्रवाह भी उग्र हो गया, जिससे स्थिति और भयावह हो गई। गांव में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए रेस्क्यू टीम को महाना और टमस, दोनों नदियों को पार करना पड़ा। तेज बहाव और खराब मौसम के बावजूद टीम ने जोखिम उठाते हुए गांव में फंसे 13 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।बॉक्स छत में चढ़कर गुजारी पूरी रात गांव के कई घरों में अचानक पानी भरने से आदिवासी परिवारों को रात के समय ही ऊपरी मंजिल या छतों पर शरण लेनी पड़ी। चारों ओर फैले पानी और अंधेरे में ग्रामीण बेहद डरे-सहमे रहे। सुबह होते ही ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन को अपनी स्थिति की जानकारी दी, जिसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।बॉक्स बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित निकाला गयाबचाव अभियान में 6 पुरुष, 4 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल थे। इनमें भोला पटेल, सत्य पटेल, चंद्रपाल, कैलशिया और अनीता समेत अन्य ग्रामीणों को बड़ी सावधानी से नाव के जरिए बाहर निकाला गया। प्रारंभ में कुछ ग्रामीण घर छोड़ने को तैयार नहीं थे, लेकिन पुलिस और अधिकारियों ने उन्हें समझाकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

त्योंथर में वृद्ध का किया रेस्क्यूतः त्योथर में आई भीषण बाढ़ के बीच एनडीआरएफ की टीम ने एक 70 वर्षीय वृद्ध को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई है। वृद्ध की पहचान राजा शुक्ला के रूप में हुई है। यह बाढ़ के पानी से घिर जाने के कारण अपने घर में ही फंसे हुए थे। उनके घर में चारों तरफ से पानी भर गया था, जिससे वे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। जैसे ही इस बात की जानकारी एनडीआरएफ की टीम को मिली, वह तत्काल मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरु किया। काफी मशक्कत के बाद, टीम ने वृद्ध राजा शुक्ला को उनके आवश्यक सामान सहित पानी से सुरक्षित बाहर निकाला।

नईगढी पुलिस ने एक वर्ष पूर्व हुये जघन्य हत्या का किया पर्दाफाश

मऊगंज

थाना प्रभारी नईगढ़ी जगदीश सिंह ठाकुर के नेतृत्व मे हमराह स्टाफ द्वारा एक वर्ष पूर्व हुई जघन्य हत्या में मृतक सुमित शर्मा पिता सुभाष चंद्र शर्मा उम्र 17 वर्ष निवासी देवरी सेंगरान थाना नंईगढी दिनांक 15/8/24 को रात्रि 9.00 बजे किसी से फोन पर बात करते हुए घर से निकला था कुछ देर बाद फोन से सम्पर्क किया तो फ़ोन नहीं उठाया। अगले दिन दिनांक 16/8/24 को सुबह करीब 7.00 बजे घर से करीबन 300 मीटर दूरी पर सुमित शर्मा का शव मिलने एवं शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिलने से पंचनामा कार्यवाही बाद आरोपियों की पता तलाश की गई किन्तु कई महीनों तक कोई सुराग नहीं लगा। लगाकर आरोपियों के सम्बन्ध में गांव पर आस-पड़ोस में पता तलाश करने पर हत्या के सम्बन्ध में साक्ष्यों के आधार पर संदेहियों की पता तलाश की गई एवं संदेहियों से घटना के सम्बन्ध में कडाई से पूछताछ करने पर बताया कि मृतक सुमित शर्मा का पड़ोसी से प्रेम प्रसंग था कई बार परिजनों द्वारा मना करने के बाद भी नही मान रहा था इसी बात को लेकर आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर योजना बनाई कि सुमित को रास्ते से हटाना है तो सभी लोग तैयार हो गये और आरोपी ने सुमित को फ़ोन करके घर पर बुलाया जहां पर सभी लोग पहले से ही सुमित को जान से मारने के नियत से बैठे थे जैसे ही सुमित शर्मा घर पर आया तो कमरे पर आरोपियों ने सुमित को पकड़कर चाकू से वार कर दिया। हत्या को छुपाने के लिए पानी गर्म करने की राड से आरोपियों ने मृतक के पैर एवं हाथ मे जला दिया था। मृतक सुमित की बाडी को ठिकाने लगाने के लिये बहुती कूड़ा लेकर जा रहे थे तो रास्ते मे गांव के लोगों ने आरोपियों को देख लिया । तब आरोपी मृतक की बाडी को वही खेत मे फेंक कर भाग गये घटना के संबंध में संदेहियों द्वारा घटना कारित करना कबूल करने पर आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

अधेड़ हरिजन मजदूर पर दबंगों ने किया लाठी कुल्हाड़ी से हमला

पन्ना। जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बनेहरी कला निवासी रमेश अहिरवार पिता सुंदरलाल अहिरवार उम्र 50 वर्ष ने जिला अस्पताल पन्ना में उपचार के दौरान जानकारी देते हुए बतलाया कि विगत रात्रि 18 जुलाई के 8रू00 बजे वह अपने घर के पास था तभी गांव के ही भूरा यादव जयकरण यादव लक्ष्मी यादव आए और बोले चलो मुर्गा खरीदने रसूल अली के घर के पास जाना है। वहां पर रमेश अहिरवार उनके कहने पर साथ चला गया। जहां पर मुर्गा की दुकान बंद थी तभी तीनों भूरा यादव जयकरण यादव लक्ष्मी यादव ने लाठी डंडा और कुल्हाड़ी से रमेश अहिरवार की बेरहमी से मारपीट कर दी है। जिससे रमेश अहिरवार के सर पर एवं हाथ में गंभीर चोटे आई हैं। घायल हुए रमेश अहिरवार को थाना अजयगढ़ ले जाया गया, जहां पर पीड़ति मजदूर द्वारा घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। चोटे गंभीर होने के कारण घायल हुए रमेश अहिरवार को उपचार हेतु जिला अस्पताल पन्ना रिफर किया गया है। रमेश अहिरवार का जिला अस्पताल पन्ना में उपचार जारी है।

ट्यूशन पढ़ने गए बच्चे का पानी की टंकी में मिला शव

छतरपुर। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के देरी रोड पर शिव नगर कॉलोनी में बीती शाम एक 6 वर्षीय बच्चे की घर के बाहर बनी पानी की टंकी में डूबने से मौत हो गई। बच्चा ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकला था लेकिन जब वापिस नहीं लौटा तो उसकी तलाश की गई, जिसके बाद पानी की टंकी में उसका शव मिला। परिजन उसे अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक हिमांशु विश्वकर्मा उम्र 6 वर्ष के पिता राममिलन ने बताया कि उनका पुत्र कक्षा एक में पढ़ता था। शुक्रवार की शाम करीब 4 बजे वह मोहल्ले के ही एक शिक्षक के घर ट्यूशन पढ़ने के लिए गया था। साढ़े 5 बजे तक जब घर वापिस नहीं लौटा तो परिजनों ने तलाश शुरू की। घर के बाहर बनी पानी की टंकी के पास उसका स्कूल बैग मिला। टंकी में डंडे से तलाश करने पर बच्चे की चप्पल ऊपर आई जिसके बाद पानी के अंदर से उसका शव मिला। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

बीमारी की हालत में डोली कंधों के सहारे पहुंचते हैं अस्पताल

डोली कंधों पर विकास, नरकीय जीवन जीने को मजबूर पिपरिया तिवारी के दलित बस्ती के लोग

सड़क न होने से बरसात के दिनों में आवागमन हो जाता है बंद

पवई। पन्ना जिले को प्रदेश में यूं ही नहीं पिछड़े जिलों में गिना जाता है,यहां शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सारे प्रदेश के बाद मिलता है।सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद आज भी पन्ना जिले में कई ग्राम ऐसे हैं जो सड़क,बिजली, पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित है। हम बात कर रहे हैं पन्ना जिले के पवई जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत हथकुरी के ग्राम पिपरिया तिवारी की 200 लोगों की आबादी वाली दलित बस्ती की जहां आजादी के बाद भी सड़क मार्ग न होने से रहवासी नरकीय जीवन जीने मजबूर हैं। बारिश के चार माह उन्हें काला पानी की सजा जैसे बिताने पड़ते हैं, उनका बाहरी दुनिया से संपर्क न के बराबर होता है,जिसकी वजह है बस्ती तक पहुंच मार्ग का न होना। ग्राम आज भी पहुंच मार्ग से वंचित है। गांव में यदि कोई बीमार होता है तो उन्हें कंधों या डोली के सहारे ही अस्पताल तक जाना पड़ता है। आपको बता दें कि इस बस्ती में लगभग एक दर्जन विद्यार्थी हैं जो बरसात के दिनों में पहुंच मार्ग न होने की वजह से विद्यालय नहीं जा पाते,ग्राम की महिला सुमित्रा वंशकार ने बताया कि गांव में सड़क मार्ग न होने से वाहन न आने के कारण मेरे बीमार पति की मौत भी बीते महीनो पहले हो चुकी है। इसी तरह ग्राम की गर्भवती महिलाओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्राम में आज भी कई बुजुर्ग ऐसे हैं,जिनकी सड़क को देखने के लिए आंखें तक पथरा गई हैं, और आज तक उन्हें सड़क मार्ग नसीब नहीं हुआ। ग्राम की लगभग 65 वर्षीय हक्की बाई जिसको उसके परिजनों के द्वारा डोली पर बैठा कर अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया। कई बार शासन प्रशासन से ग्रामीणों के द्वारा पहुंच मार्ग के लिए आवेदन दिया गया। लेकिन उसके बाद भी आज तक सड़क जैसी मूलभूत सुविधा नहीं मिली। सोचने वाली बात तो यह है कि विकास के लाख दावे करने वाली सरकार क्या उन्हें इन ग्रामीणों का दर्द नहीं दिखता क्या ग्रामीणों को सड़क नसीब होगी और कब तक होगी यह देखने वाली बात है। वही जब इस मामले को लेकर जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि आप लोगों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है बरसात में वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी ताकि आवागमन हो सकें, वर्षा उपरांत जिला पंचायत में प्रस्ताव पारित कराके सड़क मार्ग निर्माण की कार्यवाही की जाएगी।

फिल्म 'हाउसफुल 5' ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

मुंबई। अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया। उनकी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कमाई की। सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब 'हाउसफुल 5' ने ओटीटी का रुख किया है। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। 'हाउसफुल 5' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रेंट पर उपलब्ध है। प्राइम वीडियो पर 349 रुपये में यह फिल्म आप रेंट पर ले सकते हैं। इस फिल्म में नाना पाटेकर, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, सोनम बाजवा, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, चंकी पांडे, श्रेयस तलपड़े और जॉनी लीवर जैसे कलाकार नजर आए।

लाइफStyle

अनीत पड्डा

अहान संग अदाकारी के मुरीद हुए लोग

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' आखिरकार लंबे इंतजार के बाद 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म से अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अहान पांडे की जोड़ी अनीत पड्डा के साथ बनी है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। अनीत की अदाकारी के दर्शक मुरीद हो गए हैं। अनीत बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 14 अक्टूबर, 2002 को पंजाब में हुआ था। 23 वर्षीय अनीत ने अपनी शुरुआत पढ़ाई अमृतसर के स्प्रिंग डेल सीनियर स्कूल से पूरी की है। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की। अनीत ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्होंने नेस्कैफे, कैडबरी डेयरी मिल्क, अमेजन इंडिया, पेटीएम जैसे ब्रांड्स के विज्ञापनों में काम किया।

अनीत ने 2022 में आई फिल्म 'सलाम वेंकी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसमें उन्होंने नंदिनी का किरदार निभाया था। इस फिल्म में काजोल और विशाल जेठवा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके अलावा अनीत वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में भी नजर आ चुकी हैं। अमेजन प्राइम वीडियो पर आई इस सीरीज में उन्होंने रूही आहूजा का किरदार निभाया था। इस शो में पूजा भट्ट, जोया हुसैन, मुकुल चड्ढा और राइमा सेन भी अहम किरदारों में थे।

हॉलीवुड मसाला

साउथ कोरिया की एक्ट्रेस कांग सियो-हा का निधन

लॉस एंजिल्स। कोरियन फिल्म इंडस्ट्री से दुखद खबर सामने आ रही है। साउथ कोरियाई एक्ट्रेस कांग सियो-हा का निधन हो गया है। वह महज 31 साल की थीं। कोरियाई मीडिया की ओर से निधन की पुष्टि कर दी गई है, जिसमें कहा गया है कि एक्ट्रेस लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं। उनका अंतिम संस्कार 16 जुलाई, बुधवार को साउथ ग्योंग सांग प्रांत के हामान में किया गया। जहां फैमिली के सदस्य, करीबी दोस्त और कुछ फैंस रहेंगे। बता दें कि कांग सियो-हा को 'स्कूलगर्ल डिटेक्टिव्स', 'फ्लावर्स ऑफ द प्रिजन' और 'नोबडी नोज़' जैसे फेमस शो में उनकी एक्टिंग के लिए जाना जाता था।

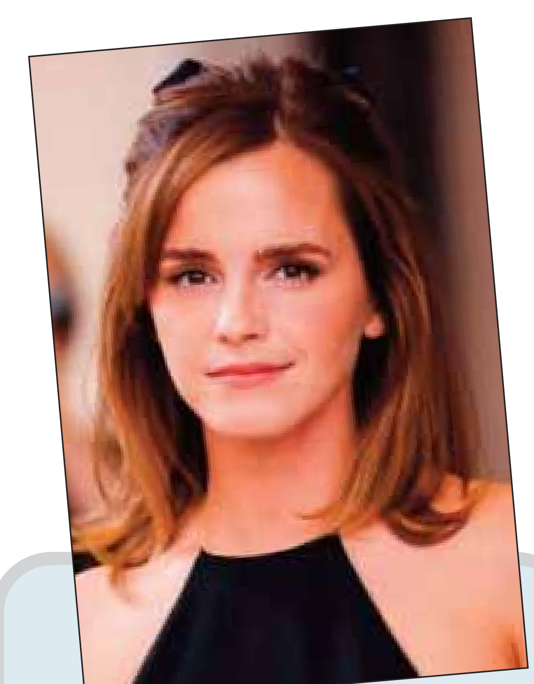

'हैरी पॉटर' फेम एमा वॉटसन पर लगा लाखों का जुर्माना

हॉलीवुड की स्टार एक्ट्रेस एमा वॉटसन बहुत बड़ी परेशानी में फंस चुकी हैं। उन पर छह महीने के लिए ड्राइविंग पर बैन लगाया गया है क्योंकि वो ऑक्सफोर्ड के अंदर हाई स्पीड में गाड़ी चला रही थीं। एक्ट्रेस पर काफी बड़ा जुर्माना भी लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एमा ऑक्सफोर्ड के अंदर 30 मील प्रति घंटे की रफ्तार वाले जोन में 38 मील प्रति घंटे की रफ्तार से अपनी ब्लू ऑडी कार चलाती पकड़ी गई थीं। बुधवार यानी 16 जुलाई को कोर्ट ने अपने बयान में बताया कि एक्ट्रेस के लाइसेंस पर स्पीडिंग मामले से पहले नौ पॉइंट्स मौजूद थे। एमा छह महीने के बैन के अलावा 1044 पाउंड्स यानी करीब 1.2 लाख रुपये का जुर्माना भी भरेंगी। एमा कोर्ट में हुई पांच मिनट की सुनवाई में भी शामिल नहीं हुई थी। हालांकि एमा ने खुद पर लगे बैन पर कोई सफाई नहीं दी है। एक्ट्रेस साल 2023 से ऑक्सफोर्ड में क्रिएटिव राइटिंग के क्षेत्र में अपनी मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हैं।

सेतुपति की 'थलाइवन थलाइवी' का ट्रेलर जारी

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता विजय सेतुपति पिछले कुछ समय से फिल्म 'थलाइवन थलाइवी' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में विजय की जोड़ी अभिनेत्री नित्या मेनन के साथ बनी है। फिल्म के निर्देशन की कमान पंडिराज ने संभाली है। अब निर्माताओं ने 'थलाइवन थलाइवी' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें विजय जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। 'थलाइवन थलाइवी' एक रोमांटिक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसमें योगी बाबू भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी भी पंडिराज ने ही लिखी है। मलयालम फिल्म '19(1)(a)' के बाद विजय और नित्या के बीच यह दूसरा सहयोग है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'वॉर 2' के ट्रेलर को मिली हरी झंडी

मुंबई। काफी समय से अभिनेता ऋतिक रोशन फिल्म 'वॉर 2' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान अयान मुखर्जी ने संभाली है। इस फिल्म के जरिए साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म में ऋतिक के साथ अभिनेत्री कियारा आडवाणी नजर आएंगी और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब 'वॉर 2' के ट्रेलर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। बॉलीवुड की रिपोर्ट के अनुसार, 'वॉर 2' के ट्रेलर को सेंसर बोर्ड की तरफ से हरी झंडी मिली है। ट्रेलर को यू/ए 16+ सर्टिफिकेट के साथ पास कर दिया गया है। फिल्म का ट्रेलर 2 मिनट 39 सेकंड का है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 'वॉर 2' का ट्रेलर अगले हफ्ते रिलीज हो जाएगा।

टीवी मसाला

हाईएस्ट पेड होस्ट बने अमिताभ, केबीसी 17 के एक एपिसोड का इतना है चार्ज

मुंबई। बॉलीवुड के कई ऐसे एक्टर्स हैं जो टीवी में कोई शो होस्ट कर रहे हैं. वहीं, अब तक एक्टर सलमान खान को टीवी का सबसे महंगा होस्ट कहा जाता था लेकिन अब एक सुपरस्टार ने उन्हें इस मामले में मात दे दी है। ये कोई और नहीं सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अब क्विज बेस्ड शो केबीसी 17 के लिए करोड़ों चार्ज करने वाले टीवी के हाईएस्ट पेड होस्ट बन गए हैं। मिली जानकारी के मुताबीक, अमिताभ बच्चन क्विज बेस्ड शो केबीसी 17 के लिए प्रति एपिसोड 5 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। केबीसी 17 एक हफ्ते में पांच बार टेलीकास्ट होता है। इसका मतलब है कि अमिताभ बच्चन की हफ्ते भर की फीस 25 करोड़ रुपए है। वहीं, अब अमिताभ बच्चन एक्टर सलमान खान को मात देकर भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले टीवी होस्ट बन गए हैं। इससे पहले बिग बॉस ओटीटी 2 के दौरान सलमान खान को कथित तौर पर हर वीकेंड का वार एपिसोड के लिए 12 करोड़ रुपए दिए गए थे, यानी उनकी हफ्ते भर की फीस लगभग 24 करोड़ रुपए थी। बता दें कि सोनी टीवी ने हाल ही में अमिताभ बच्चन का सुंबुल तौकीर के साथ एक प्रोमो वीडियो भी शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इसके साथ ही मेकर्स ने शो की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। कौन बनेगा करोड़पति का सीजन 17 11 अगस्त से शुरु होने वाला है।

टीवी में डेव्यू करने जा रही हैं सुदेश लहरी की पत्नी, इस शो में आएंगी नजर

मुंबई। कलर्स चैनल पर जल्द ही पति पत्नी और पंगा शो शुरू होने वाला है। शो में टीवी के कई कपल हिस्सा लेने वाले हैं, साथ ही फेमस कॉमेडियन सुदेश लहरी और उनकी पत्नी ममता लहरी भी शो में नजर आने वाली हैं। ममता लहरी पहली बार टीवी पर डेब्यू करने वाली हैं। वो इस शो के लिए काफी एक्साइटेड हैं। हाल ही में शो का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें सुदेश लहरी पत्नी संग फोटो ले रहे हैं। वहीं, जब फोटो ठीक नहीं आती तभी वो मुनव्वर फारूकी से कहते हैं कि उनकी फोटो क्लिक कर दे। मुनव्वर सुदेश लहरी और उनकी पत्नी की जगह अपनी सेल्फी क्लिक करके चले जाते हैं। उसके बाद सुदेश लहरी की पत्नी उनको सुनाने लगती हैं। वो कहती हैं तुम्हारी गलती है। तुमने फोन दिया ही क्यों. जिसके बाद दोनों में लड़ाई शुरू हो जाती है। बता दें कि इंटरव्यू में ममता लहरी ने कहा- 'मैंने सोचा था कि मैं जब भी शो करूंगी तो इनके साथ ही करूंगी. वो दिन आ चुका है।

'तन्वी द ग्रेट': कौन हैं असली तन्वी जिनके जीवन पर आधारित है फिल्म?

मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इसके जरिए शुभांगी दत्त ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। इस फिल्म की कहानी 21 साल की तन्वी रैना की है, जो ऑटिज्म डिसऑर्डर से पीड़ित है। तन्वी अपने साहस और हिम्मत से सभी को हैरान कर देती है। फिल्म में तन्वी का किरदार शुभांगी निभा रही हैं, लेकिन क्या आप असली तन्वी को जानते हैं? आइए जानते हैं आखिर असली तन्वी कौन हैं।

अनुपम की भांजी की कहानी है 'तन्वी द ग्रेट'

'तन्वी द ग्रेट' की कहानी अनुपम की भांजी तन्वी के जीवन पर आधारित है। वह अभिनेता की बहन प्रियंका खेर की बड़ी बेटी हैं। अपनी भांजी तन्वी को देखकर ही अनुपम को ऑटिज्म पर फिल्म बनाने का ख्याल आया था। यही वजह है कि उन्होंने फिल्म का नाम भी 'तन्वी द ग्रेट' ही रखा है। बता दें कि तन्वी ऑटिज्म डिसऑर्डर से पीड़ित है। वह बहुत अच्छी गायिका भी हैं। अनुपम अक्सर अपनी भांजी तन्वी से मिलते रहते हैं।

संगीत शिक्षक बनना चाहती हैं तन्वी

तन्वी सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहती हैं। 'द ऑटिज्म स्टोरी' नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर तन्वी अक्सर अपने वीडियो साझा करती रहती हैं। तन्वी एक संगीत शिक्षक और अभिनेत्री बनना चाहती हैं। इसका खुलासा खुद अनुपम ने अपने एक वीडियो में किया था।अनुपम ने भी इंस्टाग्राम पर तन्वी के साथ अपना एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह उनके साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में तन्वी को गाना सुनाते हुए देखा जा सकता है।

'सैयारा' के निर्देशक मोहित सूरी की आशिकी 2 ने खूब छापे थे नोट

मुंबई। निर्देशक मोहित सूरी इन दिनों फिल्म 'सैयारा' को लेकर चर्चा में हैं, जिसकी लोग तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। उधर समीक्षकों ने भी दिल खोलकर फिल्म की कहानी और इसके कलाकारों को सराहा है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन मोहित ने ही किया है। हालांकि, अगर आपको 'सैयारा' पसंद आई है तो मोहित के निर्देशन में बनी ओटीटी पर मौजूद कुछ दूसरी रोमांटिक फिल्में भी हैं, जो आपकी कसौटी पर खरी उतरेंगी।

'आशिकी 2'

साल 2013 में आई रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 'आशिकी 2' ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म में श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी बनी थी, जो सुपर-डुपरहिट हुई थी। न सिर्फ उनकी केमिस्ट्री, बल्कि फिल्म के गाने और कहानी तक ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 15 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 110 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है।

'हाफ गर्लफ्रेंड' और 'मलंग'

'हाफ गर्लफ्रेंड' मोहित की एक और बेहतरीन रोमांटिक फिल्म है। इस फिल्म में अभिनेता अर्जुन कपूर और श्रद्धा कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। 58 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 97 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर है। उधर नेटफ्लिक्स पर मौजूद मोहित के निर्देशन वाली आदित्य रॉय कपूर और दिशा पाटनी अभिनीत 'मलंग' का बजट 32 करोड़ रुपये था और इसने 72 करोड़ रुपये कमाए थे।

'आवारापन'

इमरान हाशमी अभिनीत 'आवारापन' को दर्शकों से हरी झंडी मिली थी। मोहित ने इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली थी तो मुकेश भट्ट इसके निर्माता थे। इस फिल्म को भले ही इमरान के करियर की बेहतरीन फिल्म बताया गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फेल हो गई थी। समीक्षकों ने फिल्म को जमकर सराहा था और इसके गाने भी खूब लोकप्रिय हुए थे। अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद इस फिल्म को बाद में एक कल्ट का दर्जा मिला था।

'एक विलेन'

मोहित के निर्देशन में बनी 'एक विलेन' को भी दर्शकों ने खूब सराहा था। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। ये वो पहली फिल्म थी, जिसमें रितेश ने साइको किलर का किरदार निभाकर तहलका मचा दिया था।

अपने दम पर न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों में भी खूब नाम कमाया

प्रियंका चोपड़ा की बॉलीवुड फिल्मों में से एक ने जीते 68 पुरस्कार

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा का नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जिन्होंने अपने दम पर न सिर्फ देश, बल्कि विदेशों में भी खूब नाम कमाया है। वह कई हॉलीवुड फिल्मों में अपना दमखम दिखा चुकी हैं। हालांकि, ये भी सच है कि देसी फिल्मों के बिना उनकी फिल्मावली या कहें करियर अधूरा है। आइए प्रियंका की उन हिंदी फिल्मों के बारे में जानें, जिन्हें इंटरनेट मूवी डाटाबेस पर सबसे ज्यादा रेटिंग मिली है।

'बर्फी' ने जीते हैं 68 पुरस्कार

प्रियंका ने 'बर्फी' में ऑटिज्म से पीड़ित लड़की झिलमिल का किरदार निभाया था। फिल्म में प्रियंका की भूमिका उनके करियर की सबसे बेहतरीन भूमिकाओं में शुमार है। इस फिल्म को वो अपने करियर में मील का पत्थर मानती हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर और इलियाना डिक्रूज भी अहम भूमिका में थे। आईएमडीबी पर इसे 8.1 रेटिंग मिली है। 68 पुरस्कार जीतने वाली प्रियंका की ये फिल्म आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

'कमीने' *: विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म 'कमीने' भी कमाल थी। भारद्वाज की फिल्में लीक से हटकर होती हैं। 'कमीने' ने जहां शाहिद कपूर को उनके करियर का सबसे बेहतरीन किरदार करने का मौका दिया, वहीं इसके जरिए प्रियंका के करियर में भी चार चांद लग गए। एक मराठी मुलगी के रूप में प्रियंका के बिंदास अभिनय ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। 7.5 रेटिंग पाने वाली ये फिल्म नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो पर है।*

'बाजीराव मस्तानी' और 'द व्हाइट टाइगर'

आईएमडीबी पर प्रियंका की सबसे ज्यादा रेटिंग पाने वाली फिल्मों में चौथे स्थान पर 'बाजीराव मस्तानी' का नाम है। फिल्म में में प्रियंका ने रणवीर सिंह उर्फ बाजीराव की पत्नी काशीबाई का किरदार निभाया था। 7.2 रेटिंग वाली इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। दूसरी ओर नेटफ्लिक्स पर मौजूद फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' में प्रियंका अपनी सीमित भूमिका में असर छोड़ गई थीं। इसे पर 7.1 रेटिंग दी गई है।

'द स्काई इज पिंक'

'द स्काई इज पिंक' की न सिर्फ दर्शकों, बल्कि समीक्षकों ने भी तारीफ की थी। यह एक सच्ची कहानी पर आधारित है। इसमें प्रियंका फरहान अख्तर की पत्नी बनी थीं। फिल्म में प्रियंका ने पत्नी के साथ-साथ एक मां का किरदार भी पूरी शिद्दत से निभाया। अपनी बेटी को लेकर अदिति की जंग और अपनी आंखों के सामने उसे जाते देखना, प्रियंका ने हर इमोशन को बेहतरीन ढंग से पर्दे पर उतारा। 7.6 रेटिंग वाली ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर है।

स्पेन यात्रा के दौरान डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में हुआ महत्वपूर्ण रणनीतिक समझौता

बार्सिलोना में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मुरीद हुई टेक जायंट कंपनी सबमर, कर लिया एमओयू

सीएम ने कहा, डिजिटल विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दौरान बार्सिलोना में टेक जायंट कंपनी सबमर के अधिकारी उनके इतने मुरीद हो गए कि विजिट के कुछ घंटों बाद ही एमओयू कर लिया। समझौता मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम और सबमर के बीच हुआ। इस समझौते में निवेश, तकनीकी सहयोग और सतत डिजिटल अवसंरचना के विकास पर फोकस किया गया है। इसके साथ मध्य प्रदेश सरकार और वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनी सबमर टेक्नोलॉजीस एसएल के बीच डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक समझौता हुआ।

डॉ. यादव द्वारा 17 जुलाई की रात को बार्सिलोना स्थित सबमर मुख्यालय के भ्रमण के अगले कुछ ही घंटों बाद यह एमओयू साइन होना निवेश के प्रति मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का सुदृढ़ कदम है। मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विजन से वैश्विक निवेशकों का विश्वास तेज़ी से हासिल करने का भी उदाहरण है। डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

समझौते में निवेश, तकनीकी सहयोग और सतत डिजिटल अवसंरचना के विकास पर फोकस

मप्र राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम और सबमर में समझौता

क्षमता को एक गीगावॉट तक किया जाएगा विकसित

समझौते के अंतर्गत मध्यप्रदेश में नेक्स्ट जनरेशन के एआई-रेडी डेटा सेंटर की क्षमता को संयुक्त रूप से एक गीगावॉट तक विकसित करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग स्थापित किया गया है। यह समझौता उन्नत लिक्विड-कूलिंग तकनीकों जैसे इमर्शन कूलिंग और डायरेक्ट-टू-चिप समाधानों पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य ऊर्जा खपत, जल उपयोग और पर्यावरणीय प्रभाव को काफी हद तक कम करना है। यह सहयोग डेटा सेंटर संचालन के लिए वैश्विक दक्षता मानकों के अनुरूप है। यह तकनीक पारंपरिक तरीकों की तुलना में 45 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत और 90 प्रतिशत तक जल संरक्षण करती है। सबमर कंपनी निर्माण, अनुसंधान एवं विकास और तकनीकी क्षेत्र में प्रदेश में निवेश करेगी। वहीं मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम इस परियोजना के लिए उपयुक्त भूमि, आधारभूत संरचना, नीति सहयोग एवं शासकीय औपचारिकताओं का अंतिम रूप देगा।

साझेदारी से डिजिटल क्षेत्र में बढ़ेगी राज्य की तकनीकी क्षमता

इस साझेदारी का उद्देश्य न केवल डिजिटल क्षेत्र में राज्य की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना है, बल्कि कौशल विकास, नवाचार और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहित करना है। प्रदेश के युवाओं को अत्याधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। सबमर, मध्यप्रदेश में डेटा सेंटर्स के डिजाइन और स्थापना में नई पीढ़ी के मानकों को स्थापित करने में सहायता करेगा। सबमर तकनीकी सलाहकार के रूप में काम करते हुए लिक्विड कूलिंग, ऊर्जा अनुकूलन और एआई आधारित अवसंरचना विकास के लिए वैश्विक विशेषज्ञता प्रदान करेगा। यह सहयोग मध्यप्रदेश को टिकाऊ, एआई-रेडी डिजिटल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और राज्य को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ देगा।

देखने को मिला सांस्कृतिक सौहार्द का सुंदर दृश्य

इस समझौते के अवसर पर सांस्कृतिक सौहार्द का सुंदर दृश्य देखने को भी मिला, जब सबमर के फाउंडर पोल वाल्स सोलर मध्यप्रदेश हैंडलूम से बनी विशेष टाई पहनकर एमओयू कार्यक्रम में शामिल हुए। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों की भावना के अनुरूप है और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार की तकनीकी उन्नयन तथा वैश्विक निवेश प्रोत्साहन की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने टैक्सटाइल मशीनरी कंपनियों के साथ राउंड टेबल बैठक में कहा, निवेशकों को उपलब्ध कराएंगे हर सुविधा

1 टैक्सटाइल सेक्टर में निवेश अनुकूल माहौल और नीतियों की दी जानकारी

2 इकाइयां स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया गया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पेन यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में विश्व की अग्रणी टैक्सटाइल मशीनरी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय राउंड टेबल बैठक की। बैठक का आयोजन मध्यप्रदेश को टैक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने और यूरोपीय टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के टैक्सटाइल सेक्टर में निवेश के लिए अनुकूल माहौल और निवेशक अनुकूल नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश टैक्सटाइल निवेश आकर्षित करने में भारत में अग्रणी है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं, जैसे विशेष टैक्सटाइल पार्क, एसईजेड और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने निवेशकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझने पर जोर दिया, जिससे उनकी जरूरतों के अनुरूप नीतियां और सुविधाएं प्रदान की जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश टैक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी आदर्श है। राज्य सरकार वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी कर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और सस्टेनेबल प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मेक इन इंडिया और मेक इन एमपी के तहत निवेश का आह्वान

बैठक में यूरोपीय टैक्सटाइल मशीनरी कंपनियों को मध्यप्रदेश में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर आमंत्रित किया गया। मध्यप्रदेश में टैक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब की स्थापना, भारतीय और यूरोपीय कंपनियों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देना, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, और नॉलेज एक्सचेंज की संभावनाओं पर चर्चा की गई। यह पहल मेक इन इंडिया और मेक इन एमपी के तहत विश्व स्तरीय टैक्सटाइल मशीनरी के उत्पादन को बढ़ावा देने और विशेष टैक्सटाइल पार्क व एसईजेड की स्थापना पर केंद्रित थी।

वैश्विक टैक्सटाइल कंपनियों की भागीदारी

बैठक में वैश्विक स्तर की टैक्सटाइल टेक्नोलॉजी कंपनियों आर्थर इमैनुएल, यूएस की अग्रणी टैक्सटाइल टेक्नोलॉजी स्टार्टअप लॉन्च के फाउंडर, एनरिक सिला, जीनोलॉजिया के सीईओ और संस्थापक, जे जामिन्टरनेशनल, इटली की प्रीमियम वीविंग और स्पिनिंग मशीनरी निर्माता कंपनी,ग्राजियानो मैकटेक, इटली की फाइबर प्रोसेसिंग और यार्न प्रोडक्शन में विशेषज्ञता वाली कंपनी,जोसे मारिया ब्रोंको, इटली के टैक्सटाइल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ, शामिल थे। मप्र से प्रमुख टैक्सटाइल कंपनियों बेस्ट कॉर्प, प्रतिभा सिंटेक्स, श्रीजी पॉलिमर्स ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

कैटलोनिया के विदेश मंत्री गुइलोट से चर्चा

सांची, खजुराहो और भीमबेटका को यूरोप में प्रमोट करने के लिए अभियान पर सहमति बनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैटलोनिया के विदेश मंत्री जैम डच गुइलोट के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने एफसी बार्सिलोना फाउंडेशन जैसे संगठनों के साथ मिलकर खेल, नेतृत्व और जीवन कौशल पर आधारित कार्यक्रमों की साझेदारी की संभावनाएं साझा कीं। साथ ही मप्र के विश्व धरोहर स्थलों सांची, खजुराहो और भीमबेटका को यूरोप में प्रमोट करने के लिए संयुक्त पर्यटन अभियान पर भी सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि दोनों सरकारें प्रदर्शन कला, सिनेमा, साहित्य और संग्रहालयों के माध्यम से सांस्कृतिक संवाद को और सशक्त बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्मार्ट सिटी, ग्रीन बिल्डिंग्स और शहरी परिवहन में कैटलोनिया की विशेषज्ञता का लाभ लेने के लिए तकनीकी सहयोग प्रस्तावित किया।

'फीरा दे, बार्सिलोना मेले का अवलोकन

मध्यप्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थान की स्थापना पर हुआ विचार-विमर्श

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पेन प्रवास के तीसरे दिन बार्सिलोना स्थित 'फीरा दे बार्सिलोना- मोंटजुइक' मेला परिसर का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य स्पेन के स्मार्ट नगर मॉडल, पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी गतिशीलता एवं नवाचार प्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन करना था, जिससे मध्यप्रदेश में भी इन क्षेत्रों में विकास को गति दी जा सके। 'फीरा दे बार्सिलोना' जैसे संस्थानों के सहयोग से मध्यप्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेश सम्मेलनों तथा स्थायी प्रदर्शनी केंद्र की स्थापना की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। मेला भ्रमण के दौरान मेले के प्रतिनिधि एवं मध्यप्रदेश के अधिकारियों की टीम भी मौजूद रही। करीब एक लाख 65 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में प्रदर्शनी परिसर फैला हुआ है।

शराब दुकान से ढाई लाख रुपए की चोरी

जांजगीर चाम्पा। जिला के बोडसरा गांव की देशी शराब दुकान में 2.42 लाख रुपये की चोरी हो गई है। घटना शुक्रवार रात की है। शराब दुकान में चोरी की घटना की सूचना मिलने पर नैला पुलिस के साथ एसपी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और शराब दुकान की सुरक्षा मे लगे दो कर्मियों से पूछताछ शुरु कर दी है। शराब दुकान की सुरक्षा में तैनात जवान अहाते के अंदर सोते रहे और शराब दुकान में अपराधियों ने हाथ साफ कर लिया। जांजगीर चाम्पा जिले में अपराधियों का हौंसला इस कदर बुलंद है कि सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के बाद भी चोरी की घटना को अंजाम देने से नहीं चूक रहे हैं। ताज़ा मामला नैला उप थाना क्षेत्र के बोडसरा गाँव का है, जहां शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने शराब दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती

कला, संस्कृति, साहित्य और फिल्म आधारित कार्यक्रमों का आयोजन होगा

सीएम डॉ. मोहन ने कहा, भारत-स्पेन सांस्कृतिक सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा वर्ष 2026

डॉ. यादव इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट में हुए शामिल

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निवेशकों की जरूरतों को हम अच्छी तरह से जानते हैं। निवेशकों को प्रॉपर्ली फेसिलिटेट करना ही हमारी नीति है। हमारी डेडिकेटेड इन्वेस्टर्स फ्रेंडली 18 औद्योगिक नीतियों के जरिए हमने सबके लिए निवेश के द्वार खोल दिए हैं। मध्यप्रदेश आईए, हमारी नीतियों और उपलब्धियों का अवलोकन कीजिए और निवेश कीजिए। उन्होंने कहा कि भारत और स्पेन के बीच पुराने संबंध हैं। हम उन्हीं संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने यहां आए हैं।

हम यहां से सिर्फ निवेश नहीं, दीर्घ साझेदारी चाहते हैं। हमारी सरकार अगले वर्ष 2026 को भारत-स्पेन सांस्कृतिक सहयोग वर्ष के रूप में मनाएगी। इसके अंतर्गत कला, संस्कृति, साहित्य और फिल्म आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और स्पेन के बीच फिल्म को-प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हमने स्पेन फिल्म आयोग के साथ फिल्म निर्माण के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की है। डॉ. यादव शुक्रवार को यूरोप यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को संबोधित कर रहे थे।

ग्लोबल ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस तरह बार्सिलोना ने नवाचार, संस्कृति और आर्थिक समावेशन के जरिए विकास का अनूठा मॉडल प्रस्तुत किया है, उसी तरह मध्यप्रदेश भी विरासत से विकास की परंपरा को और आगे बढ़ाते हुए अब तेजी से ग्लोबल ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप को विज़न देने वाले बार्सिलोना को मध्यप्रदेश की ओर से अभिनंदन है। डॉ. यादव ने कहा कि भारत और स्पेन लोकतांत्रिक मूल्यों और नवाचारों के साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं। दोनों के बीच 9 बिलियन डॉलर से अधिक द्विपक्षीय व्यापार है। रक्षा क्षेत्र में भी बड़ी साझेदारी है।

मप्र में बना निवेश के लिए बेहतर माहौल : सुंदरमूर्ति

स्पेन में भारत के महावाणिज्यदूत इंबासेकर सुंदरमूर्ति ने 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश का प्रतिनिधिमंडल जिस गंभीरता और तीव्रता से कार्य कर रहा है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जहां व्यापारिक समझौतों में महीनों लगते हैं, वहीं मध्यप्रदेश ने पहली ही बैठक में एमओयू कर एक नई कार्य संस्कृति प्रस्तुत है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व को 'वाइब्रेंट' बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में मप्र में निवेश के लिए बेहतर माहौल बन रहा है।

निवेशकों का विश्वास जीत रही यूरोप यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत यूरोपियन देशों के साथ साझेदारी के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मध्यप्रदेश भी इसी भावना से आगे बढ़ते हुए फूड, टैक्सटाइल, फार्मास्युटिकल, पॉवर सेक्टर सहित अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज डेटा सेंटर के लिए हमारा एमओयू साइन हुआ है, जिससे हमारे संबंध अब और पक्के हो गए हैं। डॉ. यादव ने कहा कि हमारी यूरोप यात्रा न केवल यहां के निवेशकों का विश्वास जीत रही है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक कद, मध्यप्रदेश की कुशल औद्योगिक नीतियों और हमारे विज़न को वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करने का माध्यम भी बन रही है।

उमा भारती ने कहा, मैं आज तक नहीं समझ पाई, व्यापमं कांड में मेरा नाम कैसे आया?

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शुक्रवार को अपने निवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेस में व्यापमं घोटाला, भ्रष्टाचार, गो संरषण, शराब बंदी सहित अन्य राजनैतिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर व्यापमं घोटाले में अपना नाम आने को लेकर पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे आज तक नहीं पता कि व्यापमं कांड में मेरा नाम कैसे आ गया। वहीं मेरा नाम आगे करके इस मामले में कितने लोगों को इस केस से छोड़ दिया गया। इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए कि व्यापमं में मेरा नाम लाकर क्राइम ब्रांच ने कौन सा कारनामा किया।

महिंद्रा की एक्सयूवी 3 एक्सओ 'रेवएक्स' सीरीज लांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुंबई

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने 8.94 लाख रुपए की आकर्षक कीमत पर रोमांचक नई एक्सयूवी 3 एक्सओ 'रेवएक्स' सीरीज का अनावरण किया एक्सयूवी 3 एक्सओ ने हाल ही में एक साल से भी कम समय में 1 लाख से ज्यादा बिक्री का प्रभावशाली आंकड़ा हासिल किया है, जिससे यह इस उपलब्धि तक पहुँचने वाली महिंद्रा की सबसे तेज़ एसयूवी बन गई है। 'रेवएक्स' सीरीज़, प्रीमियम फीचर्स, विशिष्ट स्टाइलिंग और सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस के आकर्षक मूल्य-प्रस्ताव के साथ एक्सयूवी 3 एक्सओ पोर्टफोलियो को और बेहतर बनाएगी, जो ग्राहकों की आकांक्षाओं के अनुरूप है। यह वैरिएंट उन्नत 1.2 एल एमस्टालिन टीजीडीआई इंजन द्वारा संचालित है, जो मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन के साथ 96 केवी की सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास पावर और 230 एनएम का टॉर्क प्रदान करता है। बॉडी-कलर फ्रंट ग्रिल, विशिष्ट बैजिंग, आर 16 पेंटेड ब्लैक अलॉय और एक डुअल-टोन रूफ। 'रेवएक्स'ट्विन एचडी स्क्रीन से लैस है। 'रेवएक्स' सीरीज के सभी तीन वैरिएंट पांच आकर्षक रंग गैलेक्सी ग्रे, टैंगो रेड, नेबुला ब्लू, एवरेस्ट व्हाइट और स्टील्थ ब्लैक में उपलब्ध है।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
अग्रवाल (वैश्य)
32/ 5'-4"
एसबीआई लाइफ में इन्स्योरेन्स एडवाइजर, बिलासपुर में दुकान एवं घर।
शिक्षित, गृह कार्य में दक्ष, मध्यम परिवार की अविवाहित कन्या चाहिए
सम्पर्क करें- 8839071395

शब्द पहेली - 5933

1	2	■	3	4	■	5	6	■	7	8
9		10	■	11	12	■	13	14	■	
■	15		16	■	17	18	■	19	20	■
21	■	22		23	■	24	25	■	26	27
28	29	■	30		31	■	32	33	■	
■	34	35	■	36		37	■	38	39	■
40	■	41	42	■	43		44	■	45	46
47	48	■	49	50	■	51		52	■	
■	53	54	■	55	56	■	57		58	■
59	■	60	61	■	62	63	■	64		65
66		■	67		■	68		■	69	

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 5932 का हल

■	ल	ज्ज	त	दा	र	■	क	र	त	ब
म	त	■	क	■	ज	टि	ल	■	वा	र
न	■	क	रा	मा	त	■	म	य	■	ग
भा	गी	दा	र	■	प	ल	■	म	द	द
व	■	चा	■	अ	ट	ल	■	■	रा	■
न	ज	र	बं	द	■	का	न	भ	र	ना
■	मी	■	■	र	न	र	■	इ	■	म
अ	न	ल	■	क	र	■	अ	क	ब	र
म	■	ता	क	■	क	त	र	ना	■	ख
रू	ह	■	ह	ल	वा	■	दा	■	आ	ना
द	म	दा	र	■	स	न	स	ना	ना	■

सूडोकु नवताल - 5943

सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 5942 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

कभी-कभी बन जाएं बच्चे
जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए

अलग-अलग तस्वीरें देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपने में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

क्या आप भी करते रहते हैं
हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

दूसरों पर ध्यान न लगाएं: हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

धैर्य बनाए रखें: यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

भाग्य को न कोसें: मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

परफेक्शन की जिद छोड़ें: कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

टू द पॉइंट सोचें: आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

अनुभवी लोगों से मिलें: विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

मन को थकाने से बचें: आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

समय पर छोड़ दें: अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इसके साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

सजेशन

मोनिका शर्मा

स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी
मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ: बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन

पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

सेटिंग्स का खास असर: फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव: इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

नवगीत

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है क्रेताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
हुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरपन।

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

सोना और चोर

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह तार्के। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

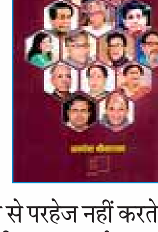

पुस्तक: सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
लेखक: अवधेश श्रीवास्तव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

टेस्ट कॅरियर के स्वर्णिम दौर में केएल राहुल, उनके बल्ले से निकलेंगे कई शतक : शास्त्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि 'फ्रंटफुट' तकनीक में बदलाव से केएल राहुल को इंग्लैंड में बल्लेबाजी में सफलता मिल रही है और उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले तीन चार साल तक वह इसी लय को बनाए रखेंगे। राहुल ने तीन टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से 375 रन बनाए हैं।

वह अब तक श्रृंखला में शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जैमी स्मिथ के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। शास्त्री ने कहा,'मुझे लग रहा है कि उसने फ्रंट फुट की तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है। इसके अलावा डिफेंस के समय स्टांस भी बदला है।' उन्होंने कहा कि नई तकनीक से उनके बोल्ड या पगबाधा आउट होने की संभावना भी कम हुई है। शास्त्री के अनुसार, बल्लेबाज केएल राहुल अपने टेस्ट करियर के स्वर्णिम दौर में हैं और उन्हें उम्मीद है कि भारत का यह सलामी बल्लेबाज आने वाले वर्षों में कई शतक लगाएगा।

स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए राहुल के पास तकनीक

शास्त्री ने यह भी कहा कि इंग्लैंड के हालात में स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए भी राहुल के पास तकनीक है। उन्होंने कहा, 'वह तकनीक का धनी है। अभी तक गेंद में इतना मूवमेंट दिखा नहीं है लेकिन अगर गेंद मूव भी करती है तो उसके पास इसका सामना करने की तकनीक है।' उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया में ऐसा कोई नहीं होगा, जिसने यह कहा हो कि राहुल के पास प्रतिभा नहीं है। गुस्सा इस बात का था कि इतना प्रतिभाशाली होते हुए भी वह प्रदर्शन नहीं दे पा रहा लेकिन इस श्रृंखला में उसे शानदार लय में देखा है।' शास्त्री ने उम्मीद जताई कि उसका बल्लेबाजी औसत अगले कुछ साल में 50 के आसपास रहने वाला है।

राहुल अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पर

शास्त्री ने एक खास तकनीकी बदलाव पर भी प्रकाश डाला जिसने काफी फर्क डाला है। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं कि उसने अपने अगले पैर, अपनी मूवमेंट और डिफेंडिंग करते समय थोड़ा सा बदलाव किया है। उनकी तकनीक में अच्छे बदलाव आए हैं,जिससे उनके लिए मिड-विकेट की ओर शॉट मारना पहले से भी आसान हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव से राहुल की बल्लेबाजी में काफी निखार आया है। पहले जिस तरह वह आउट हो रहे थे, उसमें सुधार देखने को मिला है। 33 साल की उम्र में, राहुल के अब 35.3 की औसत से 3,632 टेस्ट रन हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। पांच मैचों की सीरीज में भारत 1-2 से पीछे चल रहा है, ऐसे में सभी की निगाहें 23 जुलाई को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच पर टिकी हैं।

चैपल ने कहा, गिल की असली परीक्षा अब होगी शुरू

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल का मानना है कि शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है और युवा कप्तान के रूप में अपनी क्षमता की झलक दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब शुरू होगी जबकि भारत पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-2 से पीछे चल रहा है। भारत इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गया और श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ गया। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच की तैयारी कर रही है। ऐसे में अब सभी की नजरें उनके 25 वर्षीय कप्तान शुभमन गिल पर टिकी हैं। एक प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया है और नेतृत्व क्षमता की झलक भी दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। यह वह मौका है जो टेस्ट कप्तान के रूप में उनकी दिशा तय करेगा।'

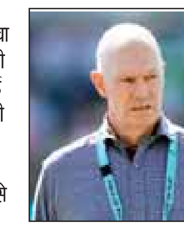

गिल को अपनी साख स्थापित करने का मौका

उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और गिल जिन खिलाड़ियों का चयन करते हैं उन पर उन्हें भरोसा बनाए रखना होगा। उन्हें खिलाड़ियों के एक मुख्य समूह की पहचान करनी होगी जिन पर उन्हें विश्वास रहे कि वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' चैपल ने लिखा है, ' उन्हें अपनी स्पष्ट योजना बनानी होगी और प्रत्येक खिलाड़ी को उसकी भूमिका से अवगत कराना होगा। टीम में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता होनी चाहिए।

खबर संक्षेप

पुजारा के जीवन पर लिखी किताब लंदन में लांच

लंदन। पूजा पुजारा की अपने पति और भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पर लिखी किताब 'द डायरी ऑफ अ क्रिकेटर वाइफ' को लार्ड्स क्रिकेट मैदान की लाइब्रेरी में जगह मिली है, जिसे शुक्रवार को आधिकारिक रूप से लंदन के नेहरू सेंटर में लांच किया गया। किताब की लेखिका पूजा का कहना है कि इस किताब में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। इसमें पूजा ने एक पत्नी के मैदान के बाहर के नजरिए से भारतीय बल्लेबाज के 2010 से 2023 तक के अंतरराष्ट्रीय करियर की उपलब्धियों और संघर्षों के बारे में लिखा है। लाइब्रेरी में किताब के औपचारिक प्रस्तुतीकरण के बाद पुजारा ने कहा, 'क्रिकेट के इस मैदान (भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन) में घंटी बजाने और लॉर्ड्स में इस किताब की एक प्रति प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाना सम्मान की बात थी।

काउंटी चैंपियनशिप में यॉर्कशर के लिए नहीं खेल पाएंगे गायकवाड़

लंदन। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ निजी कारणों से यॉर्कशर की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगे। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने यॉर्कशर के साथ पांच मैचों में खेलने के लिए समझौते पर सहमति व्यक्त की थी, जिसकी शुरुआत 22 जुलाई को स्कारबोरो में मौजूदा चैंपियन सरे के खिलाफ मैच से होनी थी। लेकिन यॉर्कशर ने एक बयान में पुष्टि की कि गायकवाड़ उपलब्ध नहीं होंगे। यॉर्कशर के मुख्य कोच एंथनी मैकग्रा ने कहा, 'दुर्भाग्यवश गायकवाड़ निजी कारणों से अब काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगे। यह निराशाजनक है। मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

महिला राष्ट्रीय शिविर में भाग लेगीं 40 खिलाड़ी

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 21 जुलाई से 29 अगस्त तक भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) पर होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये 40 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। पांच सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप को देखते हुए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का भी जरिया होगा। पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है। एशिया कप प्रतिष्ठित टूर्नामेंट होने के साथ विश्व कप 2026 में सीधे जगह बनाने का जरिया भी है।

सिर्फ 40 रन बनाते ही हिटमैन को पीछे छोड़ देंगे ऋषभ

डब्ल्यूटीसी रिकॉर्ड: मैनचेस्टर में पंत के पास रोहित को पीछे छोड़ने का सुनहरा अवसर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज और विकेटकीपर ऋषभ पंत के पास टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा के रिकार्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका है। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में पंत रोहित को पछाड़कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। पंत ने डब्ल्यूटीसी में फिलहाल 2677 रन बनाए हैं, जबकि रोहित ने इस चैंपियनशिप में 2716 रन बनाए हैं। यानी पंत को रोहित को पीछे छोड़ने के लिए 40 रन और बनाने की जरूरत है। पंत के पास चौथे टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका रहेगा।

अभी पंत दूसरे स्थान पर

भारतीय बल्लेबाजों में डब्ल्यूटीसी इतिहास में रोहित ने 69 पारियों में 2716 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पंत हैं, जिन्होंने 67 पारियों में 2677 रन बनाए हैं। विराट कोहली 79 पारियों में 2617 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने डब्ल्यूटीसी इतिहास में 65 पारियों में 2500 रन बनाए हैं, जबकि रवींद्र जडेजा ने 64 पारियों में 2212 रन बनाए हैं वह शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं।

पंत की उपलब्धता को लेकर संशय

पंत की चौथे टेस्ट में उपलब्धता को लेकर भी संशय चल रहा है। पंत को तीसरे टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग के दौरान चोट लगी थी और वह विकेट के पीछे जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे थे। पंत की जगह विकेटकीपिंग के लिए ध्रुव जुरेल उतरे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पंत को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में खेलने के लिए फिट घोषित हो गए हैं। तीसरे टेस्ट मैच के बाद पंत की फिटनेस को लेकर गिल ने कहा था, पंत स्कैन के लिए गए हैं और चोट ज्यादा गंभीर नहीं है इसलिए वह चौथे टेस्ट से पहले फिट हो जाएंगे। भारतीय टीम के लिए सीरीज में बने रहने के लिए चौथा टेस्ट जीतना काफी जरूरी है। अगर भारत अगला मुकाबला गंवा देता है तो सीरीज हार जाएगा। पंत इस सीरीज में अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और चौथे टेस्ट मैच में भी उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर रूट

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। रूट को केवल 119 रनों की जरूरत है, जो रूट जैसे कद के खिलाड़ी के लिए आसानी से हासिल किया जा सकता है। हालाँकि, सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए उन्हें तेंदुलकर को पीछे छोड़ने के लिए समय चाहिए।

फिडे महिला विश्व कप

हम्पी खिताब जीतने की प्रबल दावेदार क्वार्टर फाइनल में सोंग से भिड़ेंगी

- भारत की एक खिलाड़ी का सेमीफाइनल में पहुंचना तय
- विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहली बार पहुंची भारत की चार खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| बातुमी (जॉर्जिया)

भारत की कम से कम एक खिलाड़ी का फिडे महिला शतरंज विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय है, जिसमें ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अपना पहला खिताब जीतने की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगी। वह क्वार्टर फाइनल में चीन की युक्सन सांग से भिड़ेंगी। भारत की चार खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। इनमें प्रतियोगिता में भाग ले रही सबसे अधिक रेटिंग वाली खिलाड़ी और विश्व स्तर पर कई टूर्नामेंट की विजेता हम्पी के अलावा दिव्या देशमुख, डी. हरिका और आर वैशाली शामिल हैं।

वैशाली के सामने कठिन चुनौती, पूर्व महिला विश्व चैंपियन से होगा मुकाबला

यह पहला अवसर है जब किसी एक देश की चार खिलाड़ी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। क्वार्टर फाइनल में हरिका का सामना दिव्या देशमुख से होगा, जिससे कम से कम एक भारतीय का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय हो गया है। आर. वैशाली के सामने सबसे कठिन चुनौती है क्योंकि उनका सामना क्वार्टर फाइनल में पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी से होगा। इस तरह से भारत की कुल तीन खिलाड़ियों के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। यह प्रतियोगिता अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफायर भी है। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीन की टिंगजी लेई का मुकाबला जॉर्जिया की नाना दजाग्निडेज से होगा।

टी20 सीरीज: न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया, कॉन्वे ने बनाए 59 रन

एजेंसी ▶▶| हरारे

त्रिकोणीय टी20 सीरीज में मेजबान जिम्बाब्वे को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद जिम्बाब्वे को शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 36 वेस्ले मेधवेरे ने बनाए।

ब्रायन बेनेट ने 21, सिकंदर रजा और रेयान बर्ल ने 12-12 और टोनी मुनयोंगा ने 13 रन बनाए। बल्लेबाज शुरुआत मिलने के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और यही वजह रही कि टीम 121 रन का मामूली लक्ष्य न्यूजीलैंड के सामने रख पाई।

न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 122 रन बनाए

न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 2 विकेट पर 122 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने टिम सिफर्ट के रूप में 5 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया। दूसरे विकेट के लिए डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने 59 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 64 था, उस समय रवींद्र 19 गेंद पर 4 छक्के और 1 चौके लगाते हुए 30 रन बनाकर आउट हुए।

काढे-प्रशांत की जोड़ी स्विस ओपन से बाहर

नई दिल्ली। भारत के अर्जुन काढे और विजय सुंदर प्रशांत की जोड़ी स्विस ओपन के सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस के अलबानो ओलिवेत्ती और जर्मनी के हेंडरिक जेबेंस से सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गई। काढे और प्रशांत को एक घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में 7. 5, 7.5 से पराजय मिली। काढे ने पिछले साल भारत के ही रित्विक बोलीपल्ली के साथ अलमाटी ओपन खिताब जीता था। इस साल एटीपी टूर पर भारत की तीन अलग अलग जोड़ियां खेल रही है। एन. श्रीराम बालाजी और बोलीपल्ली के अलावा जीवन नेदुंचेझियान तथा निकी कल्याण पूनाचा भी साथ खेल रहे हैं।

महिला यूरो 2025...

बर्न। स्पेन के खिलाड़ी स्विट्जरलैंड के बर्न के स्टेडियन वैंकडॉर्फ स्टेडियम में स्पेन और स्विट्जरलैंड के बीच महिला यूरो 2025 क्वार्टर फाइनल फुटबॉल मैच के अंत में जश्न मनाते हुए।

फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम में एरिगैसी हारकर बाहर

लास वेगास। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी का फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में स्वप्निल सफर सेमीफाइनल में आर्मेनिया के पूर्व खिलाड़ी और अब अमेरिका की तरफ से खेल रहे लेवोन अरोनियन से 0-2 से हार के साथ समाप्त हो गया। एरिगैसी ने प्रतियोगिता में इससे पहले शानदार प्रदर्शन किया था तथा वह फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम के अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। अरोनियन के खिलाफ वह अपनी जादुई लय बरकरार नहीं रख पाए और उन्हें दोनों बाजियों में हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए प्रारंभिक दौर के प्ले-ऑफ में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को तथा क्वार्टर फाइनल में हिकारू नाकामुरा को हराया था।

एशिया जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप : हांगकांग से मुकाबला आज

भारत ने यूएई को दी मात, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| सोलो (इंडोनेशिया)

भारत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर 110-83 से जीत दर्ज करके बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने इससे पहले ग्रुप के अपने शुरुआती मुकाबले में शुक्रवार को श्रीलंका को हराया था। ग्रुप की एक अन्य टीम हांगकांग ने भी अपने दोनों मुकाबले जीते हैं और उसने भी भारत के साथ क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। ग्रुप डी के शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला करने के लिए अब भारत और हांगकांग के बीच रविवार को मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट रिले स्कोरिंग प्रारूप के तहत खेला जा रहा है, जहां टीमें 10 मैचों में 110 अंक हासिल करने कोशिश करती हैं। भारत ने यूएई के खिलाफ शुरू से ही दबदबा बना दिया था। पहले मैच में लड़कियों के एकल में रुजुला रामू ने मायशा खान को 11-5 से हराया। इसके बाद मिश्रित युगल में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी ने बढ़त को 22-11 तक पहुंचा दिया।

- भारत ने अपने शुरुआती मुकाबले में श्रीलंका को हराया था

नहीं होगा प्ले ऑफ मुकाबला

भारत ने इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 में किया था, जब उसने कांस्य पदक जीता था। पिछले वर्ष भारत क्वार्टर फाइनल में मलेशिया से 2-3 से हारकर पदक से चूक गया था। इस प्रतियोगिता में कुल 17 टीम भाग ले रही हैं, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। तीन ग्रुप में चार-चार जबकि एक ग्रुप में पांच टीम शामिल है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। इस साल की चैंपियनशिप में 110 अंकों की रिले प्रणाली अपनाई गई। प्रत्येक मुकाबले में 10 मैच होते हैं (पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल में दो-दो मैच) और जो टीम सबसे पहले 110 अंक तक पहुंचती है उसे विजेता घोषित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में तीसरे स्थान के लिए प्ले ऑफ मुकाबला नहीं होगा और सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक मिलेगा।

शमी की घरेलू क्रिकेट में वापसी की उम्मीद, बंगाल टीम से खेल सकते हैं

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर चल रहे अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आगामी घरेलू सत्र में मैदान पर वापसी कर सकते हैं क्योंकि उन्हें बंगाल की 50 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है।

बंगाल क्रिकेट संघ ने शनिवार को जो सूची जारी की उसमें तेज गेंदबाज आकाश दीप और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन भी शामिल हैं। यह दोनों अभी भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, बल्लेबाज अनुस्तुप मजूमदार, स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद और विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल भी संभावित खिलाड़ियों में शामिल है। शमी सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी में पूर्वी क्षेत्र के लिए भी खेल सकते हैं, जो 28 अगस्त से शुरू होगा। अगर सब कुछ अनुकूल रहा तो इस टूर्नामेंट से शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी हो सकती है। शमी ने टखने की चोट से उबरने के बाद इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की तरफ से आखिरी बार खेले थे।

स्वच्छता में जबलपुर को मिला सम्मान संस्कारधानी के नागरिकों और स्वच्छता के सिपाहियों को समर्पित : महापौर

सम्मान पाकर सफाई संरक्षकों की खुशी से छलक उठी आंखें

जबलपुर। उद्योगपति अजीत समदड़िया, शैलेन्द्र सिंह ठाकुर के द्वारा महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

जबलपुर। सफाई कर्मियों के सम्मान कार्यक्रम में ननि कमिश्नर प्रीति यादव के साथ ननि अधिकारी।

हरिभूमि जबलपुर।

नगर निगम जबलपुर को ओव्हर ऑल जनसंख्या की कैटेगरी में देश में मिला पॉंचवॉं स्वच्छ सिटी का अवार्ड को महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने भॅंवरताल में महिला एवं पुरूष सफाई संरक्षकों को सम्मानित करते हुए शहर के देवतुल्य नागरिकों और स्वच्छता के सिपाहियों को समर्पित किया। इस अवसर पर महापौर श्री अन्नू के साथ नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य एवं स्वच्छता प्रभारी रजनी कैलाश साहू, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धमेन्द्र राज, अर्जुन यादव, पोलाराव, समस्त मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक, वार्ड सुपरवाईजरों ने महिला-पुरूष सफाई संरक्षकों को पुष्पमाला पहनाकर, गले लगाकर और अपने-अपने हाथों से मिठाईयां खिलाकर सम्मानित किया। स्वागत सम्मान के मौके पर भवरताल में आज सम्मान पाकर सफाई संरक्षकों की खुशी से ऑंखें छलक उठी। इस अवसर पर उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार की मेहनत अभी हम लोगों ने की है, इससे बढ़कर आगे और मेहनत करेगें एवं स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025 में स्वच्छता सर्वेक्षण प्रतियोगिता में जबलपुर को नम्बर वन बनाने के लिए पूरी कोशिश करेगें। इस बात को स्वास्थ्य विभाग के सभी मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों, स्वच्छता निरीक्षकों एवं वार्ड सुपरवाईजरों ने भी दोहराया। सम्मान समारोह के अंत में भॅंवरताल में पहले से पधारे सैंकड़ो गणमान्यजनों के द्वारा भी सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को स्वच्छता में विजय हासिल करने तथा शहर का मान बढ़ाने के लिए बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी।

जज भर्ती के लिए वकील के तौर पर 3 साल की प्रैक्टिस की अनिवार्यता को लेकर उठा था विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने सिविल जज भर्ती के लिए साक्षात्कार व प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दी

हरिभूमि जबलपुर।

सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सिविल जज (जूनियर डिवीजन, एंट्री लेवल) 2022 भर्ती के तहत इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी करने और नतीजे घोषित करने की अनुमति दे दी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चांदूरकर की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। हाईकोर्ट की ओर से पेश हुए वकील अश्विनी कुमार दुबे ने तर्क दिया कि दोबारा परीक्षा कराना असंवैधानिक और अव्यावहारिक होगा, जिससे विवाद और बढ़ेंगे। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तीन साल की शर्त भविष्य के लिए लागू रहेगी। उल्लेखनीय है कि यह भर्ती प्रक्रिया गत 2 वर्ष से अटकी हुई है।

दरअसल,मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियम, 1994 में 23 जून 2023 को संशोधन करके यह शर्त रखी गई थी कि सिविल जज प्रवेश-स्तर की परीक्षा में केवल वही उम्मीदवार बैठ सकते हैं, जिनके पास तीन वर्ष की वकालत का अनुभव हो। इसके बाद दो अभ्यर्थियों ने यह दलील दी कि यदि संशोधित नियम लागू किए जाएं तो वे भी पात्र होंगे। उन्होंने हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर कर मांग की कि कट-ऑफ की समीक्षा की जाए। इस पर हाईकोर्ट ने इस संशोधित नियम के आधार पर सफल 77 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया और भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सफल उम्मीदवारों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के इस आदेश को स्थगित कर दिया था, जिसमें तीन साल की प्रैक्टिस की अनिवार्य आवश्यकता के बिना सिविल जजों के पदों पर भर्ती पर रोक लगा दी गई थी। इससे प्रक्रिया अटक गई थी।

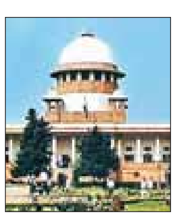

इसी मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए अधिवक्ता अश्विनी कुमार दुबे ने दलील दी कि दोबारा परीक्षा कराना असंवैधानिक, अव्यावहारिक है और इससे मुकदमेबाजी बढ़ जाएगी। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहले से सफल उम्मीदवारों का इंटरव्यू लेना सही होगा। तीन साल का अनुभव नियम केवल भविष्य में आने वाली भर्ती के लिए लागू रहेगा, न कि वर्तमान मामले के लिए।

भोपाल से आए 3 सदस्यीय दल ने पीड़ित पक्ष के बयान दर्ज किए

सहायक आबकारी आयुक्त पर लगे आरोपों की जांच करने आया दल

हरिभूमि जबलपुर।

बरेला समूह की शराब दुकानों में कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट को लेकर विवादों के घेरे में आए सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे के खिलाफ जांच बैठा दी गई है। कहा जा रहा है कि आबकारी विभाग आयुक्त अभिजीत अग्रवाल के निर्देश पर भोपाल से अपर आयुक्त मुकेश नेमा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच दल जबलपुर पहुंचा और यहां पर पीड़ित ठेकेदार के कर्मचारी के बयान लिए। कर्मचारियों ने खुल्ल्म खुल्ला पैसा मांगने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए सीसीटीव्ही फुटेज पेनड्राइव में जांच दल को सौंप दिए है। जांच दल के आने से सहायक आबकारी आयुक्त बचाव की मुद्रा में आ गए है, सूत्रों की माने तो सहायक आबकारी आयुक्त ने अपने बचाव में शहर के ठेकेदारों से अपनी तारीफों में एक सहमति पत्र भी लिखवा लिया है। बहरहाल जांच दल के प्रतिवेदन के बाद सहायक आबकारी आयुक्त के पर आगे का एक्शन तय होगा। यहां उल्लेखनीय है कि गत 17 जुलाई को सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे बरेला क्षेत्र की शराब दुकानों की जांच करने पहुंचे थे। इस दौरान कथित रूप से उन्होंने दुकानों में मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट की। आरोप है कि सहायक आयुक्त ने ठेकेदार अजय सिंह बघेल (जाग्रति इंटरप्राइजेज) के कर्मचारियों को पीटा और अवैध वसूली का प्रयास किया।

इस घटना के सीसीटीवी फुटेज लेकर ठेकेदार ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और आबकारी अधिकारी संजीव दुबे के साथ इंद्रेश तिवारी, एक आरक्षक और वाहन चालक पर भी मारपीट एवं दबाव बनाने का आरोप लगाया।

उच्च स्तर तक पहुंची शिकायत

घटना के बाद ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने केवल पुलिस में ही नहीं, बल्कि आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री व आबकारी मंत्री जगदीश देवड़ा और प्रमुख सचिव वाणिज्यकर तक शिकायत भेज दी। इसके बाद विभागीय स्तर पर हलचल तेज हो गई और तत्काल जांच के आदेश जारी हुए।

पोस्टिंग पर आपत्ति

सूत्रों की माने तो आबकारी विभाग द्वारा पदस्थापना आदेश जारी के बाद प्रदेश के मुख्य सचिव ने तीन अफसरों संजीव दुबे जबलपुर, सत्यनारायण दुबे खरगौन और राजनारायण सोनी धार की पदस्थापना पर आपत्ति जताई। इन तीनों अधिकारियों के विरुद्ध लोकायुक्त की जांच लंबित है और उन पर कई गंभीर आरोप हैं। लेकिन मुख्य सचिव की फाईल सचिवालय में दब कर रह गई।

ठेकेदारों से लिया चरित्र प्रमाणपत्र

जबलपुर आबकारी विभाग के इतिहास में यह पहला मौका होगा जब सहायक आबकारी आयुक्त ने अपना चरित्र प्रमाण पत्र ठेकेदारों से लिया हो। बरेला समूहों की दुकान से कथित अवैध वसूली और मारपीट का मामला तूल पकड़ने के बाद ऐसा ही हुआ है। सूत्रों की माने तो सहायक आबकारी आयुक्त ने जिले के ठेकेदारों से पत्र लिखवाया है जिसका मजमून कुछ इस तरह है कि जब से संजीव दुबे जबलपुर आए है तब से अवैध वसूली बंद हो गई है विभाग द्वारा कभी पैसे नहीं मांगे जाते, शराब की तस्करी में अकुंश लगा हुआ हैं, इसमें कई ठेकेदारों के साइन कराया गया है और जो ठेकेदार शहर में मौजूद नहीं है उनके प्रतिनिधियों से साइन कराया गया है।

आबकारी विभाग का अपना तर्क

उधर आबकारी विभाग द्वारा कहा जा रहा है कि पूरा विवाद अवैध शराब की तस्करी से जुड़ा है। दरअसल 17 जुलाई को तिलहरी थाना क्षेत्र में अवैध शराब पकड़ी गई थी, जिसमें शराब ठेकेदार के लोग शामिल थे। आबकारी विभाग ने उस दिन तीन चार पहिया वाहन (मारुति रिट्ज, फोर्ड इकोस्पोर्ट और टाटा जेस्ट) से कुल 216.75 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की थी। इस मामले में तीन अलग-अलग प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) और 34(2) के तहत दर्ज किए गए।

फिलहाल छुटपुट वर्षा के ही आसार

बारिश थमते ही पारे में उछाल, उमस बढ़ी

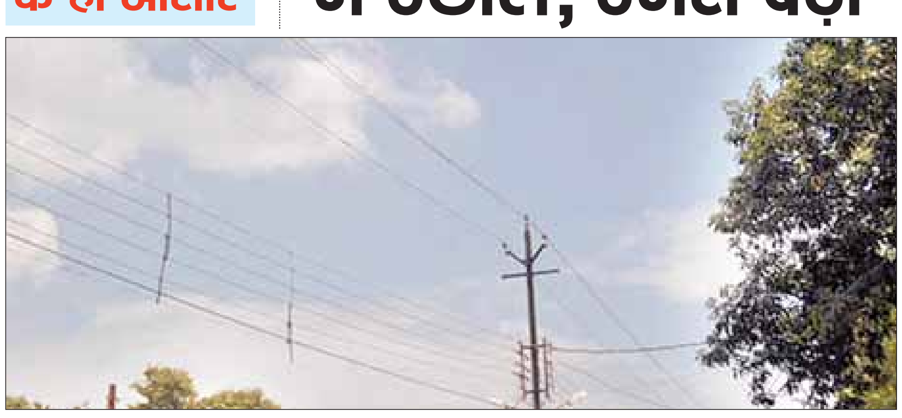

जबलपुर। बारिश थमते ही पारे में उछाल आई और उमस हावी हो गई। दिन में बादलों के बीच पश्चिमी हवायें तेज रफ्तार से चलतीं रहीं, और दिनभर धूप निकली रही। कल पूरा दिन उमस भरी गर्मी में बीता। मौसम खुलते ही पारे में उछाल आ गई और दिन का तापमान औसत से 3 डिग्री ऊपर चला गया। रात में जरूर ठण्डी हवायें चलीं। मौसम विभाग का कहना है कि मानसूनी सिस्टम कमजोर पड़ गया है। इन दिनों मानसून उत्तर प्रदेश और पंजाब तरफ सक्रिय है। बंगाल की खाड़ी से उठी टर्फ लाईन पंजाब की तरफ सक्रिय है। अगले 1 हफ्ते बाद मध्य प्रदेश में मानसून फिर सक्रिय होगा उसके बाद बारिश होगी, तब तक छुट-पुट वर्षा का दौर जारी रहेगा।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार उड़ीसा से आए मानसूनी बादल अभी पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर छाए हुए थे जो अब पश्चिमी दिशा की ओर शिफ्ट हो गये। पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र कमजोर हो जाने से वर्षा की चेतावनी बेअसर हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 81 प्रतिशत और सायंकाल 54 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.36 पर और सूर्यास्त शाम 6.58 बजे हुआ। इस वर्ष एक जून से अब तक कुल वर्षा 630.5 मिमी (24.8) इंच हुई है। जबकि गत वर्ष आज के दिन तक कुल वर्षा 289.5 मिमी हो चुकी है। उत्तर पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ पानी की बौछारे पड़ सकती है।

गोदाम का ताला तोड़कर 26 कट्टी मूंग चोरी

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत ग्राम डुंगरिया में टीन शेड गोदाम का ताला तोड़कर मूंग की 26 कट्टी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। चोरी गए मूंग की कीमत 80 हजार रुपए बताई गई है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डुंगरिया निवासी 47 वर्षीय राजेश कुमार पटेल ने ग्राम डुंगरिया स्थित खेत में मूंग की फसल काटकर अपने घर के पास बने टीन शेड गोदाम मे रख दिया था। गत 23 जून की रात 1 बजे उसने चैक किया तो मूंग की कट्टी रखी थी दूसरे दिन सुबह देखा तो गोदाम के गेट का ताला टूटा था और अंदर रखी 80 हजार रुपए की 14 क्विंटल मूंग की 26 कट्टी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(3), 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

Regd. No. 1485 Estd. 1958
दि इंडियन कॉफी वर्कर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, जबलपुर
(An ISO 9001:2015 Certified Society)
(Honoured by World Book of Records, London, UK)
नई शाखा के उद्घाटन समारोह के लिए आपको आमंत्रित करते हुए हमें बहुत हर्ष हो रहा है।
इंडियन कॉफी हॉउस
INDIAN Coffee HOUSE
शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट
महाकोशल शहीद स्मारक परिसर, गोलबाजार, जबलपुर
रविवार 20 जुलाई 2025, सुबह 10.30 बजे
मुख्य अतिथि- माननीय श्री राकेश सिंह जी
मंत्री, लोक निर्माण, मध्य प्रदेश शासन
शाखा के उद्घाटन हेतु सादर सहमति प्रदान की है।
अध्यक्षता- श्री जगत बहादुर सिंह (अन्नू) जी
महापौर, नगर निगम जबलपुर
विशिष्ट अतिथि- श्री अजय विश्नोई जी
विधायक पाटन विधानसभा क्षेत्र
श्री अभिलाष पांडे जी
विधायक उत्तर विधानसभा क्षेत्र, जबलपुर
कृपया अपनी उपस्थिति और भागीदारी से इस शुभ अवसर की शोभा बढ़ाएं।
डॉ. ओ.के. राजागोपालन
अध्यक्ष- आई.सी.डब्ल्यू.सी.एस. लिमिटेड जबलपुर (म.प्र.)
एम. प्रकाशन
सचिव- आई.सी.डब्ल्यू.सी.एस. लिमिटेड जबलपुर (म.प्र.)

कांवड यात्रा को लेकर नगर निगम सीमा स्थित स्कूलों में अवकाश घोषित

जबलपुर। जबलपुर नगर निगम क्षेत्र एवं मटामर इलाके में स्थित सभी स्कूलों में कल 21 जुलाई को अवकाश घोषित कर दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस संबंध में शनिवार को आदेश जारी कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 21 जुलाई सोमवार को संस्कार कांवड यात्रा में 1 लाख लोगों की उपस्थिति की संभावना और यातायात को ध्यान में रखकर अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि कांवड यात्रा में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई गई है। यह यात्रा 21 जुलाई को सुबह सिद्धघाट ग्वारीघाट से आरंभ होगी जो शहर के प्रमुख मार्गों—रामपुर चौक, गोरखपुर, शास्त्रीब्रिज, तीनपत्ती, मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, सराफा, लकड़गंज, बेलबाग, घमापुर, शीतलामाई, कांचघर, सतपुला, गोकलपुर, रांझी और खमरिया स्टेट—से होती हुई मटामर पहाड़ी पर स्थित कैलाशधाम मंदिर में समापन करेगी। यात्रा की कुल लंबाई लगभग 35 किलोमीटर होगी।

जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान शहर में भारी भीड़ और यातायात व्यवस्था प्रभावित रहने की आशंका है। ऐसे में विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इसी को देखते हुए शहर के सभी शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई एवं आईसीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240